RNI NO. 3971/57 वर्ष 72 अंक - 6 सितम्बर - 2023 एक प्रति 35/- वार्षिक शुल्क 350/- पृष्ठ सं. 48

72 वाँ ऐतिहासिक वर्ष

माहेश्वरी सेवक

1952 से अखिल भारतीय स्तर पर बीकानेर से प्रकाशित मासिक पत्रिका

माहेश्वरी समाज की 14 गौत्र की 'कुलदेवी बधर माता' का नौ बीघा जमीन पर 15 करोड़ की लागत से बनेगा भक्त निवास और मंदिर

अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन की प्रथम कार्यसमिति बैठक 'मंगलाचरण' सम्पन्न महिला संगठन के नाम दर्ज हुआ एक ओर 'गोल्डन बुक ऑफ विश्व रिकॉर्ड'

www.gattaniplywood.com

Find us:

XPECT THE UNXPECTED

QUALITY PRODUCTS RANGE

Gattani®
PLY • LAM • WPC

Obsession for Quality Product

Mr & BWR Ply, Shuttering Ply, Flexi Ply,
Water Proof Flush Door, Membrane Flush Door,
100% Pine Block Board, Laminate & WPC/PVC

MANUFACTURED in ASSAM | E1 GRADE RESIN | GLP INSIDE | POWER BONDING | TERMITE PROOF | BORER FREE | WATER PROOF

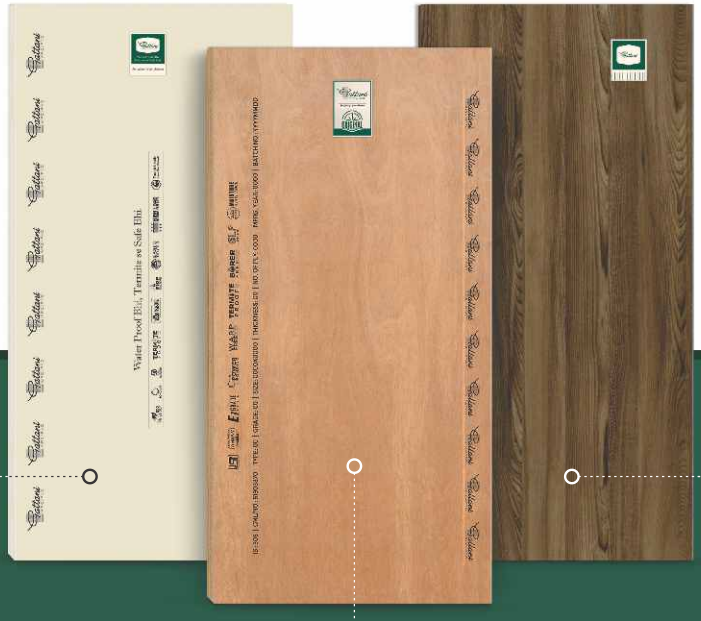

GATTANI INDUSTRIES

Mariani Road, Cinnamara, Jorhat, Assam-785008
+91-8134954558, +91-9678008988 info@gattaniplywood.com

माहेश्वरी सेवक

1952 से अखिल भारतीय स्तर पर बीकानेर से प्रकाशित मासिक पत्रिका

संस्थापक
स्वतंत्रता सेनानी 'महेश रत्न'
स्व. रामचन्द्र जी बिहानी

प्रेरणा स्त्रोत
स्व. पुरूषोत्तम जी बिहानी

संरक्षक
श्री ओमनारायण जी बिहानी (जयपुर),
श्री जोधराज जी लड्ढा (कोलकात्ता),
श्री रमेश कुमार जी बंग (हैदराबाद),
श्री सुरेश जी गग्गड़ (मुम्बई),
श्री बजरंग लाल जी बाहेती (जयपुर),
श्री रामरतन जी भूतड़ा (सूरत),
श्री शरद जी बागड़ी (नागपुर),
श्री श्रीगोपाल जी माहेश्वरी (कोयम्बटूर)

परामर्श मण्डल
श्री बृजमोहन जी मूंधड़ा (कोलकात्ता),
श्री मनमोहन जी बी. बागड़ी (मुम्बई),
श्री रामकल्याण जी लड्ढा (कोटा),
श्री हेमन्त जी बांगड (कोलकात्ता)

सम्पादक
सुरेन्द्र बिहानी
मो. 8769440573

मानद सम्पादक
प्रो. नृसिंह बिन्नानी

प्रबन्ध सम्पादक
महेश बिहानी
मो. 9414140476

सह सम्पादक
रामकुमार मून्दड़ा
मो. 9460414372

व्यवस्थापक
सुजीत बिहानी
मो. 9414431235

कार्यालय - माहेश्वरी सेवक
स्टेशन रोड़, बीकानेर-334001
फोन : 0151-2206397
Email : maheshwarisewak@gmail.com
maheshwarisewak@rediffmail.com

बैंक खाता संख्या
Punjab National Bank-3592002100033770
IFSC CODE : PUNB0359200
State Bank Of India - 61346297878
IFSC CODE : SBIN0031347

सम्पादकीय

वर्ष - 72 सितम्बर - 2023 अंक - 6

जय महेश।

समाज बन्धुओं, आजकल समाज के लोगों से अक्सर यह सुना जाता है कि समाज ने हमें क्या दिया हमारे लिये क्या किया लेकिन हमें यह न सोचकर हम ये सोचें कि हमने समाज के लिए क्या किया है और समाज उत्थान के लिए क्या कर सकते हैं। हमें समाज में फैली अनुशासन हीनता, आधुनिकता के नाम पाश्चात्य का कामुक अंधानुकरण, बिगड़ते रिश्ते, शादी समारोह में भोंडापन व दिखावा व सामाजिक संगठनो के प्रति घटता सर्मपण का भाव, बढता अहम व गुटबाजी अनेक रूपों में फैलते जहर को रोकने के लिए हमें स्वयं को बदलने का संकल्प लेना चाहिये। मैं माहेश्वरी हूं, मुझे इस पर गर्व है, मैं अपने समाज के सर्वांगीण विकास के लिए सदा क्रियाशील रहूंगा। मैं समाज के सभी कार्यों में सहयोग करूंगा। मैं समाज की बैठकों में अपने पूर्वाग्रह, देश, अहम को त्याग कर सभी विकास कार्यों में सहयोग करुंगा। व्यर्थ के विवादों को टालकर बहुमत से लिए गये निर्णयो का सम्मान करुंगा, उसके क्रियावन्यन में पूर्ण सहयोग करूंगा। हमें आज ये सकल्प लेना चाहियें कि मैं व्यर्थ के आर्थिक दुरुपयोग के दिखावे को नहीं करुंगा। विवाह आदि समारोह में व्यर्थ का दिखावा कि फिजूल खर्च से बचूंगा। हमें दूसरे के उपदेश देने के बजाय प्रथम स्वंय की सोच व व्यवहार में बदलाव लाकर ही समाज में फैल रही कुरीतियो को समाप्त कर सकते हैं।

राष्ट्र निर्माण व समाज के उत्थान की नींव व सामाजिक संरचना की रीढ शिक्षा ही है। लेकिन उच्च शिक्षा के साथ अच्छे संस्कारो की भी आवश्यता है। अच्छी शिक्षा व अच्छे संस्कार से ही मानवता का जन्म होता है। शिक्षा जीवन निर्वाह व संस्कार जीवन निर्माण में सहायक होते है। संस्कारों की सुगंध, चरित्र की चमक, संकल्प की शक्ति का उद्गम शिक्षा ही है परन्तु आज हमारी नई पीढ़ी को दी जाने वाली शिक्षा उन्हें संस्कारों से दूर कर रही है जो उन्हें विनयहीन बना रही है। ये उनका कैसा ज्ञान है जो उन्हें असभ्य, उच्छृखल व अभिमानी बना रही है। आज शिक्षा केवल धन कमाने का माध्यम बन चुकी है यानि शिक्षा समाज को बेहतर बना रही है। या यूं भी कह सकते हैं शिक्षा शातिर बना रही है परन्तु संस्कारी नहीं। आज के युवा अपने में ही मस्त है न उनको परिवार की चिन्ता है न समाज की, सिर्फ पैसे कमाने में लगा है। हमने उन्हें शिक्षा तो अच्छी दिलवा दी लेकिन संस्कार नहीं दिये तो उसमें उनका क्या कसूर है। हमें इस पर विचार करना चाहिये कि हम अपने बच्चों को शिक्षा के साथ-अच्छे संस्कार भी देवें। घर संस्कारों की निर्माण स्थली है अतः संस्कारित करने का कार्य घर से ही प्रारम्भ होना चाहिये हम जैसा करेंगे बच्चे उनका अनुसरण करेंगे। हमें बच्चों को सिखाना चाहिये की बड़ो का आदर व सम्मान करें, गीता, रामायण की बातें बतानी चाहिये। शिक्षाप्रद कथा, कहानियां सुनाकर बच्चों को संस्कारित करें।

आश्विन माह के कृष्ण पक्ष में पितृपक्ष प्रारम्भ हो रहा है। समाज बंधुओं को श्रृद्धापूर्वक अपने पूर्वजो को ब्राह्मण का उनके प्रति श्रद्धा सुमन अर्पित कर उनको याद करना चाहिये उनके निमित सहभोज, दान, दक्षिणा आदि समर्पित कर उनसे शुभाशीर्वाद प्राप्त करने का हमारी संस्कृति में अत्यन्त ही सुनहरा अवसर श्राद्ध पक्ष के रूप में उपहार स्वरूप प्रदान कर हमें अनुग्रहित किया है। यह धारणा अंध विश्वास नहीं अपितु सत्य है और इसलिए हमे सप्रयास-पूर्ण श्रद्धा के साथ यथा संभव तर्पण, श्राद्ध आदि करके पितरों को प्रसन्न करना चाहिये।

जय महेश।

सुरेन्द्र बिहानी
सम्पादक

शुल्क : एक प्रति 35/-, वार्षिक 350/-, पंच वार्षिक 1500/-, 15 वर्ष 3500/-

- पत्रिका में प्रकाशन रचनाओं में व्यक्त विचार रचनाकारों के अपने है।
- किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र केवल बीकानेर होगा।

SINCE 2001

आपके जीवनसाथी की खोज में

माहेश्वरी समाज की सबसे पुरानी और सफल वैवाहिक सेवा

www.maheshwari.org

हमारी अन्य सेवाएं
www.jain2jain.org
www.agarwal2agarwal.org

निःशुल्क पंजीकरण
9312946867

(प्रस्तुत आलेख को मूल लेख स्व. सीताराम जी पटवारी (माहेश्वरी) के लेख 'माहेश्वरी समाज का रक्षा बंधन भादवा सुदी 5 को ही क्यों' जो कि बीकानेर से प्रकाशित माहेश्वरी सेवक पत्रिका अंक जुलाई-अगस्त 1983 में छपा था, से लिया गया हैं।)

(I) राखी या रक्षा बन्धन के प्रकार - यह तीन प्रकार का होता है। (1) कोई भी बहन, स्त्री या माता द्वारा अपने भाई, पति या पुत्र की रक्षार्थ रक्षा सूत्र बांधना (2) कोई भी स्त्री अपनी रक्षार्थ किसी योग्य व्यक्ति के राखी बांधकर अपनी रक्षा का प्रण उस व्यक्ति से करवाती है। (3) कोई भी गुरु या पुरोहित अपने यजमान के किसी भी पूजन आदि मांगलिक कार्य के अवसर पर मन्त्र बोलते हुए बांधते हैं ताकि पूजन आदि कार्य के दौरान किसी प्रकार की आसुरी/देवी बाधा उत्पन्न न हो।

इनमें से दूसरी व तीसरी प्रकार का रक्षा सूत्र बंधन तो आवश्यकता पड़ने पर विशेष प्रयोजन से किया जाता है लेकिन पहली प्रकार की रक्षा सूत्र बन्धन वर्ष में एक बार निश्चित दिवस को किया जाता है।

(II) रक्षा सूत्र बांधने की पात्रता प्राप्त करने के लिये शिव-शक्ति की आराधना की जाती है। (1) शिव-शक्ति की आराधना का समय (A) चैत्र माह में सोलह दिन की गौरी पूजन (गणगौर पर्व) (B) भाद्रपद माह में सोलह दिन का पूजन।

(2) उपरोक्त दो के अलावा वर्ष भर में चार नवरात्रा (दो गुप्त व दो प्रकट) पर्व भी व्यक्ति को उचित आराधना द्वारा आत्मिक बल प्रदान करते है तथा देवी शक्ति से परिपूर्ण करते है।

(3) पितर, गुरु, ऋषि- महर्षि के लिये जल-तिल-जौ आदि से तर्पण करके उनको अपने श्रद्धा सुमन अर्पित किये जाते हैं। तर्पण किये हुए जल से जो तेज पितरों, गुरुजनों, आचार्यों व ऋषि-महर्षि को प्राप्त होता है, उस तेज से तर्पण कर्ता को भी लाभ होता है।

(III) रक्षा सूत्र (राखी) बाधने के दिन - सामान्यतया वर्ष में वो दिन निश्चित है जिसमें कोई भी बहन, स्त्रीयां माता अपने भाई, पति या पुत्र को तथा घर का मुखिया या गुरुजन आदि जो तर्पण करते है वे उपने परिजन या यजमान या शिष्य को राखी बांधते है (1) श्रावणी पूर्णिमा (2) ऋषि पंचमी

(IV) पर्व वैदिक काल से मनाया ही जाता रहा है - इसके लिये निम्नलिखित कथा पुराणों में वर्णित है -

(A) एक समय देवों तथा दैत्यों में लगभग 12 वर्षों तक घोर युद्ध चलता रहा। देवराज इन्द्र की पत्नी शचि इन्द्राणी ने, इन्द्र की विजय के लिये एक अनुष्ठान भगवान शंकर का किया जो श्रावण की पूर्णिमा को पूर्ण हुआ। इन्द्राणी शचि ने अनुष्ठान द्वारा बनाये गये रक्षा कवच (रक्षा सूत्र) को व्रत रखते हुए इन्द्र राज के हाथ की कलाई पर मन्त्र पढते हुए बांधा और अभिमन्त्रित रोली-चावल का तिलक मस्तक पर लगाकर इन्द्र को युद्ध के लिये विदा किया। इस शक्तिवर्धक रक्षा सूत्र ने इन्द्र को नई ऊर्जा से युद्ध करने का आत्मिक बल प्रदान किये जिससे इन्द्र ने दैत्यों पर विजय प्राप्त की।

(B) मार्कण्डेय पुराण के अनुसार - देवी महिषासुर मर्दिनी जो कि समस्त देवताओं व ब्रह्मा, विष्णु, महेश आदि के तेज से उत्पन्न एक महा तेजस्वी शक्ति थी और उपरोक्त शक्ति प्रदाता देवों, इन्द्र प्रजापति, लोकपाल, दिग्गज, त्रिदेव, अन्य शक्तियों आदि के आयुधों से सु-सज्जित हुई थी, ने 'महिष' असुर का वध कर देव लोक में पुनः इन्द्र को स्थापित किया। यहीं 'महिषासुर-मर्दिनी' महा शक्ति, 'महा-लक्ष्मी' के नाम से जानी गई। इस महालक्ष्मी के तीन स्वरुप हुए (अ) लक्ष्मी (ख) दुर्गा (स) सरस्वती। देवी दुर्गा के नौ स्वरूप हुए जिनमें एक महागौरी या पार्वती या माहेश्वरी के नाम से जानी गई। यह महागौरी का स्वरूप मातृ-शक्ति द्वारा चैत्र माह में 'गणगौर' के नाम से तथा भाद्रपद में 'संध्या-देवी' के नाम से पूजा जाता है।

(V) संध्या देवी की आराधना या पूजन - भाद्रपद माह में कृष्ण पक्ष की तृतिया से शुक्ल पक्ष की तृतिया (सोलह दिन) तक संध्या देवी का व्रत-अनुष्ठान-पूजन आदि कर के शक्ति संचय किया जाता है। तृतिया के अगले दिन चतुर्थी को इन महागौरी माता के पुत्र भगवान गणेश का जन्मोत्सव मनाया जाता है तथा पुनः शक्ति संचय गणेश जी की आराधना की जाती है। इसके अगले दिन पंचमी को पितर, गुरू, ऋषिआदि को विधि-विधान से जल-कुशा, जौ, तिल, चावल आदि से तर्पण कर उनका आशीर्वाद प्राप्त कर व्यक्ति पुनः शक्ति संचित करता है और इसी दिन भाद्रपद शुक्ल पंचमी को रक्षा सूत्र बंधवाता है तथा पुरोहित, गुरुजन आदि अपने यजमान या शिष्य को राखी (रक्षा-सूत्र) बांधते है। यह दिन ऋषि पंचमी ऋषि तर्पण के लिये ही जाना जाता है।

(VI) कौन- कब सखी का पर्व मनाता है - भारत वर्ष वैदिक संस्कृति को मानने वाला, अध्यात्म से परिपूर्ण देश है। यहां प्रत्येक पर्व को मानने के पीछे सूर्य, चन्द्र, राशि नक्षत्र, तिथि आदि की काल-गणना की जाती है। (नवजात का नाम भी इसी गणना के आधार पर किया जाता है) आज से चार-पांच सौ वर्ष पहले की बात करें तो यह देश कृषि प्रधान, अध्यात्म प्रधान, भौतिक बाद से दूर, वैदिक संस्कृति को मानने वाला देश कहलाता था। उस समय भारत देश में मुख्य तथा 36 जातियां थी और उनके अलग-2 ऋषि व कुल देवता थे। उन ऋषि गणों ने बीस जातियों को श्रावणी पूर्णिमा पर व सोलह जातियों को ऋषि पंचमी पर राखी बांधने का दिन निर्धारित किया।

सोलह जातियों में से ही एक जाति माहेश्वरी भी है जिसका प्रादुर्भाव तो महेश नवमी को हुआ तथा इनकी पत्रियों से मिलन (स्त्रियों का उनके पति से) भाद्रपद कृष्ण पक्ष तृतिया को माता पार्वती द्वारा कराया गया। इस दिन को सातूडी तीज कहते हैं और माहेश्वरी समाज का यह विशिष्ट पर्व है। अतः माहेश्वरी जाति का रक्षा बंधन ऋषि पंचमी के दिन ऋषियों द्वारा निर्धारित दिवस होने से मनाया जाता रहा है। सातूडी तीज से आराधना पर्व चालू होता है जो कि ऋषि पंचमी को पूर्ण होता है।

जयकृष्ण माहेश्वरी (पटवारी),
जयपुर मो. 9828061897

अमेरिका से मुलाकात

अमेरिका भ्रमण के बाद 'अमेरिका से मुलाकात' शीर्षक ने मुझे आकर्षित किया। एक भारतीय का अमेरिका से मिलना कई मायने में दिलचस्प अनुभव का अनवरत सिलसिला है। जिसे मैं कलम के माध्यम से लिपिबद्ध कर रही हूं। मुझे याद आ रहा है - मेलविन टोल्सन (Melvin Tolson) का लिखा कविता संग्रह- Rendezvous with America यानी अमेरिका से मुलाकात। उसमें उन्होंने अमेरिका में घटित हुए सम्पूर्ण आंदोलन को छः भाग में पिरोकर एक कालजयी कविता 'डार्क सिंफनी' इस संग्रह में सम्मिलित की है। जिसमें यूरोप और अमेरिका तथा अफ्रीका और अमेरिका से संघर्ष का इतिहास दर्ज है। इस कविता ने बहुत प्रसिद्धि पाई और कवि टोल्सन को 1947 में लाइबेरिया पुरस्कार विजेता के रूप में सम्मान मिला। यहां मेरी मुलाकात उस 'अमेरिका' से होती है जो विश्व का सिरमौर बना हुआ है।

अमेरिका यानी संयुक्त राज्य अमेरिका (यू.एस.ए.) को हमारे यहां केवल अमेरिका कहने का प्रचलन है। मैंने कई लोगों से यह कहते भी सुना है कि अमेरिका तो स्वर्ग है। जो सौभाग्यशाली होते हैं उन्हें अमेरिका जाने का अवसर मिलता है। ऐसे ही देश अमेरिका से मेरी दो बार मुलाकात होती है। पग-पग पर मैं अमेरिका को महसूस करती हूं और सराहना करती हूं। अवचेतन है जिसमें निरंतर अमेरिका से भारत की तुलना विद्यमान रहती है। एक द्वन्द, एक चैतन्यता के बीच स्वदेश प्रेम हिलोरे लेता है। स्वाभाविक भी है। हमारा अच्छा है वह तो है ही पर जो अच्छा नहीं है वह क्या और अच्छा हो सकता है? इस बेहतरी की तलाश में कलम उठाने को मजबूर हो रही हूं। यह भी मैं जानती हूं कि सब अमेरिका नहीं जा सकेंगे परंतु लेखन के जरिए अमेरिका से हुई मेरी इस मुलाकात को सर्वजन तक पहुंचाया जा सकता है।

हमारा युवा उच्च शिक्षा पाकर अच्छी पैकेज की नौकरी के लिए अपनी पहली पसंद अमेरिका को ही चुनता है। अमेरिका में शिक्षा या नौकरी का अवसर मिल जाना, बालक क्या, बड़े क्या सभी इसे गर्व की बात मानते हैं। विश्व का यह एक ऐसा देश है जो उच्च शिक्षा और अच्छे पैकेज की नौकरी के लिए नौजवानों को आकर्षित करता है। युवाओं में लोकप्रिय होने के और भी कई कारण है। वे क्या कारण है? जब मैं इसकी पड़ताल की तो जो पाती हूं कुछ उत्तर जो खुद उन्होंने स्वयं दिए हैं या उनके अभिभावक ने दिए हैं - वहां जाकर नौजवान अपने सपनो को साकार करने की जमीन पाता हैं। सपनो को पूरा करने के लिए वहां की आधारभूत संरचना अच्छी है। नौकरी के अच्छे पैकेज और काम के बदले पूरा पैसा मिलने के साथ रोजमर्रा के कार्यों में भ्रष्टाचार, रिश्वतखोरी और अपराध स्तर न्यूनतम है। वहां की साफ सफाई, अच्छे मौसम में घुली शांति और सुकून है। अमेरिका विशाल, विविधतापूर्ण, खूबसूरत और साधन संपन्न देश है। वहां के लोग मिलनसार हैं और व्यक्तिगत स्वतंत्रता को पसंद करते हैं। प्रशासनिक स्तर पर भ्रष्टाचार और रिश्वत जैसी परेशानियां वहां नहीं है। प्रशासन सहयोग करता है और उचित अवसर भी प्रदान करता है। बशर्ते आपमें काम के प्रति जुनून हो। मेहनतकश हो और समय के पाबंदी के साथ नियमों की पालना करने वाले व्यक्ति हो। बेहतर नौकरी, बेहतर जीवन-स्तर, बेहतर शिक्षा, बेहतर सुविधाएं, बेहतर अवसर, बेहतर सुरक्षा और बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं के लिए लोग यहां रहना पसंद करते हैं। इन सबके अतिरिक्त राष्ट्रीय उद्यानों, जीवंत शहरों और विभिन्न प्रकार की कला-संस्कृति के माध्यम से मौज-मस्ती करने, अन्वेषण करने और सीखने के रोमांचक अवसरों से भरा हुआ है यह देश। केवल भारत ही नहीं, एशिया ही नहीं, दुनिया के प्रत्येक कोने से लोग यहां आते हैं। उच्चशिक्षा पाते हैं। अच्छे रोजगार के अवसर पाते हैं। अलग-अलग देशों से आए हुए लोग एक ही बस्ती में रहते हैं। विश्वस्तर पर युवाओं के लिए सिरमौर बना हुआ है यह देश।

निखिल यानी छोटे बेटे ने अपनी कंप्यूटर इंजीनियरिंग की पढ़ाई के दौरान कुछ ऐसा ही सपना उसने मन में संजो लिया था। अमेरिका की एक सोफ्टवेयर कंपनी में उसे नौकरी मिली, उसका सपना पूरा हुआ और वह अपनी पत्नी स्वाति और एक-डेढ़ साल की बच्ची टिया के साथ अमेरिका चला गया। मैंने तो एक बार भी अमेरिका जाने के बारे में नहीं सोचा था और ना ही कल्पनाओं का इतना विस्तार था कि मैं कुछ इस तरह का सोच पाती। जीवन के उत्तरार्द्ध में मुझे दो बार अमेरिका जाने का अवसर मिला। इसके साथ ही मेरी दो बार अमेरिका से मुलाकात हुई। पहली मुलाकात पग-पग पर विस्मित अधिक करती थी अध्ययन और अनुसंधान कम पर इस बार मुझे पूर्व में किए गए प्रवास का अनुभव था। इस बार के भ्रमण में पर्यटन स्थलों को देखते हुए मैंने अमेरिका को जानने की कोशिश की है। मेरी अमेरिका यात्रा में कई पड़ाव ऐसे आए जब मैं अचंभित हुए बिना नहीं रही। ऐसे ही अमेरिका में गुजरे उन क्षणांश को शब्द चित्र के माध्यम से उकेर रही हूं।

अमेरिका जाने के कुछ समय बाद जब निखिल ने अपनी गाड़ी खरीद ली तो उसने हम दोनों पति-पत्नि को उसने बुलाया। उसने टिकट बनवाकर भेज दिए। 2016 में हमने पहली अमेरिका की यात्रा की। इस लंबी यात्रा के लिए उस समय हमारे लिए आकर्षण का केन्द्र अमेरिका नहीं बल्कि हमारा नवजात पोता 'जोना' था। जोना का जन्म अमेरिका में ही हुआ था और वह आठ माह का हो चुका था। तब मन में प्रश्न यह था कि इतनी लम्बी दूरी की हवाई यात्रा कैसे करेंगे? क्योंकि हमें विदेश यात्रा करने का कोई अनुभव नहीं था। हिंदी भाषी होने के कारण विदेशी धरती पर भाषाई समस्या की दुविधा भी मन में थी। विदेश में नौकरी करने वाले बच्चे अपने माता-पिता की इस परेशानी को समझते हैं। वह जानते हैं कि हवाई जहाज के टिकट बनाते समय व्हीलचेयर सुविधा लेने से माता-पिता को आसानी रहेगी। उसने हवाई यात्रा के साथ डब्लू.सी.एच.आर. यानी व्हीलचेयर सेवा का

टिकट करवा लिया था। व्हीलचेयर सेवा के कारण इंटरनेशनल हवाई अड्डे और विदेशी हवाई अड्डे पर अपने गंतव्य तक पहुंचना बहुत सरल हो गया। यह हवाई यात्रा तीन टुकड़ों में थी जो हमें कनेक्टेड फ्लाइट से करनी थी। पहली यात्रा अमेरिका से दुबई तक की। दूसरी यात्रा दुबई से बोस्टन तक की और तीसरी यात्रा बोस्टन से क्लीवलैंड तक की। दुबई के रास्ते अमीराइट्स एयरवेज से अमेरिका के शहर बोस्टन पहुंचे थे। जहां इमीग्रेशन देने के बाद क्लीवलैंड जाने के लिए एक घरेलू उड़ान से हमने तीसरी विमान यात्रा की। दुबई के इंटरनेशनल एरोड्रम पर व्हीलचेयर वालों के लिए कार्ट (बैटरी चलित 4 पहिये की खुली गाड़ी की व्यवस्था रहती है। जिसमें 6 लोगों की बैठने की जगह होती है।) की व्यवस्था थी। दुबई का इंटरनेशनल एयरपोर्ट बहुत बड़ा है। दुबई में हमारी अमेरिका जाने की कनेक्टेड फ्लाइट थी। अगली उड़ान के लिए हमें कार्ट द्वारा निश्चित गेट तक ले जाया गया। जहां एक घंटे तक दूसरी उड़ान के लिए प्रतीक्षालय की कुर्सियों पर रुके रहे। वापसी भी हमारी इसी रास्ते से थी। दुबई का एयरपोर्ट बहुत विस्तृत, बढ़िया बाजार वाला है। जहां से ड्यूटी फ्री चीजें खरीदी जा सकती है। किंतु अमेरिका जाते वक्त हमने इस ओर ध्यान नहीं दिया परंतु भारत वापसी के समय बहुत सारी चॉकलेट खरीद ली थी। जिसके लिए एक पीठ पर लगने वाला बैग लेना पड़ा। वैसे वहां पानी की एक बोतल सॉफ्ट ड्रिंक से अधिक महंगी है। एयरपोर्ट के कर्मचारी और कार्ट के कर्मचारी हिंदी बोलते देखकर सुखद आश्चर्य हुआ। उनसे अपनी भाषा में बात की। बोस्टन के इंटरनेशनल एयरपोर्ट से क्लीवलैंड की घरेलू उड़ान हेतु दूसरे टर्मिनल तक व्हीलचेयर से पहुंचाने वाली महिला को तो मैं आज दिन तक नहीं भूल पाई हूं। हष्ट-पुष्ट मेहनतकश महिला हमारे लगेज को खिलौने की भांति उठा रही थी। उसके चेहरे की मुस्कान और काम करने की तत्परता चकित करने वाली थी।

इस बार हमारी अमेरिका यात्रा का कारण निखिल के द्वारा वहां खरीदा गया 'अपना' घर था। वहां रहते हुए स्वाति ने भी पढ़ाई कर ली थी और अब वह भी नौकरी करने लगी थी। दोनों के पास अपनी-अपनी कार थी। दोनों एक ही कंपनी में नौकरी कर रहे थे। जोना भी अब सात साल का हो चुका था और पहली कक्षा पास कर चुका था। बच्चों के भी स्कूल में गर्मी की छुट्टियां हो गई थी इसलिए जब उसने हमें अमेरिका बुलाया तो हमने भी जाने का मन बना लिया। इस बार हमारी अमेरिका यात्रा की टिकट कतर एयरवेज की थी। दोहा (कतर की राजधानी) के इंटरनेशनल एयरपोर्ट से हमारी कनेक्टेड फ्लाइट थी जहां हम लगभग 3 घंटा रुके रहे। यह एयरपोर्ट भी बहुत विशाल और बहुत सुंदर है। वहां पर भी कार्ट की व्यवस्था रहती है। मैंने वहां पर छोटी शटल भी पटरी पर चलते हुए देखी है। सुविधा युक्त इतने विशाल दो तीन मंजिला एयरपोर्ट को देखकर आश्चर्य भी होता है और मन में कहीं इधर-उधर डोल न जाने का भय भी सताता है।

अहमदाबाद के सरदार वल्लभभाई पटेल एयरपोर्ट के टर्मिनल टू पर 14 जून की सुबह हमने एक बजे हमने लगेज जमा कराने के बाद बोर्डिंग पास लिया तो उसमें हमारे व्हीलचेयर सेवा देने का डब्लूसीएचआर उल्लेख था। हमारी टिकट कतर एयरवेज की थी तो वहीं से हमें यह सुविधा मिल गई। व्हीलचेयर सुविधा लेने वालों की कतार हर जगह अलग बनती है और उनका नंबर भी पहले लिया जाता है यानी एक और अतिरिक्त सुविधा यह मिल जाती है। लंबी कतार में खड़े रहकर अपना नंबर आने का इंतजार नहीं करना पड़ता। हम दोनों पति-पत्नी 70 पार की अवस्था होने के कारण सीनियर सिटीजन की श्रेणी के हैं। सिक्योरिटी चेक के बाद व्हीलचेयर चलाने वाले ने तत्परता से हमें हमारी उड़ान के निश्चित गेट तक पहुंचा दिया। हवाई जहाज में बैठने वाले की कुर्सियों तक आराम से पहुंच गये। इस सुविधा का शुल्क नहीं लिया जाता। अमेरिका में जरूर यह सेवा देने वाले व्यक्ति को टिप देने का रिवाज है। 5 डॉलर से लेकर 15 डालर तक यह टिप हो सकता है।

अमेरिका से हुई पहली मुलाकात में हवाई यात्रा के लिए व्हीलचेयर सेवा सुविधा देखकर दंग रह जाती हूं। देखती हूं अमेरिका में व्हीलचेयर वालों के लिए कार पार्किंग में बना हुआ अलग से निशान जो उनके लिए स्थान सुरक्षित रखता है। बस की सीट पर भी यह निशान अंकित होता है जो व्हीलचेयर वालो के लिए आरक्षित रहता है। यदि किसी ने उस आरक्षित स्थान पर अपनी कार पार्किंग कर दी

है तो उसे अच्छा खासा में जुर्माना भरना पड़ सकता है। यही हाल रेस्ट रूम एरिया, शॉपिंग मॉल, थियेटर, पार्क, म्यूजियम, रेस्टोरेंट, इत्यादि हर कॉमन जगह में भी व्हीलचेयर वालों के लिए अन्य से अपेक्षाकृत साइज में बड़ा टॉयलेट होता है। जिसके बाहर व्हीलचेयर का निशान होता है। सामान्य लोग नियम की पालना करते हुए उसे व्हीलचेयर वालो के लिए सुरक्षित रखते है। चाहे लाईन में लगना पड़े किन्तु उसे काम नहीं लेते। व्हीलचेयर वालों को आरक्षण देने की सुविधा के लिए अमेरिका में हुए। आंदोलन के कारण 1990 में अमेरिकी विकलांग अधिनियम पारित हुआ। जो विकलांग लोगों के लिए किसी भी प्रकार का भेदभाव नहीं करके उन्हें सम्मानजनक सामान्य जीवन देने के संबंध में बनाया गया था। वृद्ध और विकलांग लोगों को राहत देने के कानून बनाकर उसकी पालना करवाना, प्रशासन का यह कदम बहुत सराहनीय है। भारत के अस्पताल में व्हीलचेयर सुविधा उपलब्ध होती है पर अब कुछ बड़े मंदिरों में भी यह सुविधा मिलने लगी है। भारत में भी वृद्ध और विकलांगों को यह सुविधा हर जगह मिले इसके लिए अभी हमारे इंफ्रास्ट्रक्चर को विकसित करने के लिए बहुत कुछ करना शेष है।

डॉ. विमला भंडारी,
भंडारी सदन,
पैलेस रोड, सलूंबर
मो. 9145815390

हर गृहस्थ के लिए
पाँच रत्न

गृहस्थ तप और त्याग का जीवन है। गृहस्थी के निर्वाह पालन के लिये जाने वाले कार्य किसी तप से कम नहीं है। कुटुम्ब का पालन-पोषण, परिवार के सदस्यों के लिए सभी सुविधायें जुटाना बहुत कठिन तपस्या है। गृहस्थ धर्म का पालन करना एक प्रकार से योग की साधना करना है। गृहस्थ जीवन में अनेक वस्तुओं की आवश्यकता होती है। किन्तु कुछ वस्तुएं बहुत ही महत्त्वपूर्ण होती है। जिससे परिवार में सुख समृद्धि की निरंतर वृद्धि होती है इसलिए सदैव अपने गृहस्थ जीवन में इन पाँच रत्नों को मौजूद रखना चाहिए।

पूजागृह (ठाकुर वाड़ी) - प्रत्येक घर में एक निश्चित स्थान दैनिक पूजा पाठ के लिए अवश्य होना चाहिए। जिसे हम पूजागृह या ठाकुर वाड़ी कहते है। पूजागृह में भगवान का चित्र तथा मूर्ति हो जिसकी नित्य पूजा अर्चना-वंदना की जावे। प्रत्येक गाँव, मोहल्ले में भगवान के मंदिर तो अनेक है। प्रथम मंदिर में सभी जाकर अपनी इच्छानुसार पूजा नही कर सकते। दूसरी बात वर्तमान समय में स्त्री, पुरुष, बालक, वृद्ध सभी के पास मंदिर में जाने के लिए समय का अभाव रहता है। घर में छोटा मंदिर होने से परिवार के सभी सदस्य अपनी सुविधानुसार पूजा-पाठ कर सकते हैं। इससे बच्चों में धार्मिक संस्कार संचित होते है तथा प्रभु के प्रति आस्था व विश्वास दृढ़ होता है। आपकी रसोई में प्रतिदिन जो प्रसाद बनता है उसका सर्वप्रथम ठाकुर जी को भोग लगाना चाहिए। अपने व्यवसाय व ऑफिस में जाते समय, यात्रा में जाते समय किसी भी कार्य की सफलता के लिए पूजागृह के ठाकुर जी के दर्शन व प्रणाम करके जाना चाहिए। प्रति सप्ताह या माह में एक दिन सभी सदस्यों को सामुहिक भजन, कीर्तन, कथा आदि करना चाहिए। परिवार के सभी बालक-बालिकाओं को भी इसमें सम्मिलित करना चाहिए उन्हें हमारे धार्मिक, सांस्कृतिक ग्रन्थों की जानकारी देना चाहिए।

तुलसी - तत्र केशव सानिध्य यत्रास्ति तुलसी वनम्।
तत्र ब्रह्मा च कमला सर्वदेवगणे सह।।
(पद्मपुराण अध्याय 26, श्लोक 38)

हाँ पर तुलसी का वन होता है वहां पर केशव (विष्णु) भगवान उपस्थित रहते है और वहीं पर ब्रह्मा, लक्ष्मी और अन्य समस्त देवगण भी केशव के साथ रहते है। तुलसी के पत्ते, फूल, बीज, टहनी, छाल तना तथा तुलसी उत्पत्ति स्थल की मिट्टी आदि सभी पवित्र है। (पद्मपुराण उत्तरखण्ड)

तुलसी के पांच अंग (पंचाग) अर्थात पत्र, मूल, बीज, मंजरी व शाखायें सभी उपयोगी है। समस्त वृक्षों एवं वनस्पतियों में सर्वाधिक धार्मिक, आध्यात्मिक, आरोग्य, लक्ष्मी व शोभा की दृष्टि से तुलसी को मानव जीवन में महत्त्वपूर्ण स्थान प्राप्त है। हिन्दू धर्म में संतान प्राप्ति हेतु तुलसी विवाह की प्रथा आज भी प्रचलित है। इसके अतिरिक्त जिन परिवारों में कन्या नहीं होती वे देवउठनी एकादशी को तुलसी का विवाह कर कन्यादान का पुण्य अर्जित करते हैं। घरों एवं मंदिरों में भी पूजा अर्चन में तुलसी प्रचुरता से काम में ली जाती है। हिन्दू धर्म में देवताओं का भोग तुलसी पत्र के बिना अपूर्ण समझा जाता है। अपने औषधीय गुणों के कारण मलेरिया आदि रोगों के कीटाणुओं को समाप्त करने एवं वायु शुद्धि के लिए भी प्रत्येक घर में तुलसी का पौधा रखना शुभ माना जाता है। सामान्यतया प्रत्येक घर में प्रतिदिन तुलसी पूजा एवं इसके समक्ष दीप जलाया जाना शुभ कार्य समझा जाता है। तुलसी के पत्ते बुखार विशेषकर मलेरिया, इन्फ्लुएंजा, टाईफाइड आदि के निदान में काम आते हैं। इसके पत्तों का रस कास, श्वास, प्रसव पश्चात होने वाले शूल, कान दर्द, चर्म रोग व रतौंधी नामक आँख की बीमारी में काम आता है। तुलसी के बीज बालकों के अतिसार (दस्त), वमन (उल्टी) एवं नपुसंकता आदि के निवारण में काम आते हैं। तुलसी की मंजरी के बीजों में पौषकता एवं वाजीकरण के गुण भी होते हैं। कैंसर जैसे असाध्य रोग के प्रतिकार में भी तुलसी के पत्तों का दही के साथ उपयोग अत्यन्त प्रभाव कारी है। तुलसी के पौधे से कपूर का उत्पादन भी होता है। राम तुलसी का तेल जीवाणु नाशक होने के कारण खटमलों को भगाने के लिए चारपाई आदि में डाला जाता है। इसका उपयोग प्लेग एवं पक्षाघात (लकवा) के उपचार में भी होता है। दाह संस्कार के समय अन्य लकड़ियों के साथ तुलसी की छोटी से टहनी होने से करोड़ों पापों से युक्त मनुष्य की भी मुक्ति हो जाती है। (पद्म पुराण, उत्तरखण्ड)

श्रीमद् भागवद गीता - चाहे भूतकाल, वर्तमान काल या भविष्य काल हो गीता का संदेश हर काल में समान रूप से महत्त्वपूर्ण है। आज मानव जीवन में अनेक समस्याएँ है तनाव है, भय है इन सब समस्याओं का समाधान गीता में है। मानव मात्र के लिए व्यावहारिक मार्गदर्शिका तथा शाश्वत है-गीता। आज सर्वत्र नेतृत्व का संकट है। इस संकट ने नैतिक मूल्यों का हास कर दिया है। दिव्य मूल्यों की पुर्नस्थापना गीता द्वारा बताये मार्ग से ही संभव है। विश्व कल्याण यदि किसी प्रकार से संभव है तो वह गीता के मार्ग पर अनुसरण करने से ही हो सकता है। गीता हमें सिखाती है कि सुख-दुख में एक समान रहे।

यदि आप चाहते है-मानसिक शांति, स्थिरता एवं दृढ़ मनोबल। दुर्गुणों की दुर्गन्ध से सदगुणों की सुगन्ध की ओर बढ़ना। अपनी आन्तरिक क्षमताओं का विकास, पारिवारिक सुख समृद्धि एवं सद् भावना। अपनी भारतीय परम्पराओं का जीवन एवं घर परिवार में अनुकरण, बच्चों को सुसंस्कारित रखना। स्वच्छ वातावरण, शुद्ध पर्यावण । दैव अनुग्रह, प्रकृति की अनुकूलता एवं भगवत कृपा का अनुभव होता रहे तो गीता को अपने जीवन एवं पारिवारिक जीवन का अभिन्न अंग बनायें। 'आओ, गीता पढ़े पढ़ायें, स्वयं जगें औरों को जगायें।' पारिवारिक सुख, समृद्धि सद्भाव एवं सुंसस्कारित वातावरण हेतु अपने परिवार गीता का नित्य अध्ययन, मनन के साथ-साथ इसको व्यवहार में लाने का प्रयास करें।

गंगाजल - गंगाजल को सबसे पवित्र माना जाता है। आरोग्य की दृष्टि में गंगाजल का जो महत्त्व है तथा वर्षों यह वर्षों तक शुद्ध रहता है, इसके लिए आधुनिक वैज्ञानिक एवं डाक्टर भी आश्चर्य चकित है।

इसका सेवन एक औषधि का कार्य करता है। गंगाजल का नित्य सेवन करने से स्वास्थ्य अच्छा रहता है तथा बीमारों को निरोग बनाने में बहुमूल्य औषधि का काम करता है। हिन्दू धर्म के अनुसार मरणासन्न अवस्था वाले व्यक्ति को भी गंगाजल देने से उसे सद्गति प्राप्त होती है। इसलिए प्रत्येक गृहस्थ के यहाँ सदैव गंगाजल उपलब्ध होना चाहिए। क्योंकि गंगाजल कभी खराब नहीं होता है एवं पवित्र रहता है।

गौमाता – गौमाता के शरीर में समस्त देवी-देवताएँ विराजमान है। गौमाता के गुह्य भाग में लक्ष्मी का निवास है। गौमाता पीड़ाग्रस्त मनुष्य को हृष्ट-पुष्ट कर देती है। गौमाता जिस घर में रहती है वही घर स्वर्ग हो जाता है। गौमाता का जो दान करता है वह तमाम पापों से तर जाता है। गौमाता का घी ही घर परिवार में प्रयोग करें, सर्वोत्तम रहता है। गौमाता के दूध और घी का सेवन करने से बुद्धि बढ़ती है, बल मिलता है, शक्ति आती है, शरीर में बीमारी पैदा नहीं होती। गौमाता को हर घर में रखना चाहिए अपने हाथों से सेवा करनी चाहिये, प्राचीनकाल में धनवान व्यक्तियों का आंकलन उनके पास गायों की संख्या के आधार पर किया जाता था। आज तीन-चार कारें तथा श्वान पालने वालों को ही धनवान समझा जाता है। इन्हें रखने के लिए लाखों रूपये के गैरिज तथा कमरे है किन्तु गाय रखने के लिए स्थान नहीं है। इन कार रखने वालों से निवेदन है कि वह अपने घर में गाय पालन नही कर सकें तो गौमाता की सेवा के लिए भी गौशालाओं को सहयोग करना चाहिए। माताओं बहनों से निवेदन है कि वह अपने रसोईघर से प्रथम रोटी गाय के लिए अवश्य निकालकर गौमाता को प्रदान करें।

भारतीय ऋषि–मुनियों के अनुसार गाय मात्र पशु नहीं है इसके शरीर में सभी देवताओं का वास है। इसलिए इसे गौमाता कहा जाता है। गौमाता की सेवा श्री कृष्ण करते थे उसी प्रकार हमें भी करनी चाहिए। गौ माता के गोबर में श्री लक्ष्मी का निवास है। गौमाता के मूत्र में गंगाजी का वास है। गौमाता से बढ़कर कोई देवता नहीं है। गौमाता की सच्ची सेवा ही राष्ट्र सेवा और भगवत सेवा है। गौमाता की सेवा से ही सुख-शांति-आनंद की प्राप्ति होगी और तमाम कष्ट दूर हो जाते है। गौमाता सम्पन्नता और सौभाग्य की जननी है।

गौमाता जिस घर में रहती है, जिस घर में इसके चरण पड़ जाते है, उस घर में लक्ष्मी रहती है। अतः गौमाता को अपने घर में जरूर रखे। किन्तु वर्तमान में शहरीकरण तथा औद्योगीकरण बड़ी तीव्रता से बढ़ रहा है। शहरों में तथा गाँवों में भी प्रत्येक परिवार के रहने के लिए बड़े-बड़े बहुमंजिलें भवनों का निर्माण हो रहा है। ऐसी स्थिति में परिवारों में गौमाता को रखना असंभव एवं कठिन हो गया है। यद्यपि हम गाय को घर में नहीं रख सकते। किन्तु गौ सेवा करके गायों का सम्वर्धन तो कर ही सकते है। किन्तु गाँव तथा शहर में जहाँ-जहाँ गौशालायें है उन्हें प्रतिमाह गौसेवा हितार्थ लिए अपना आर्थिक सहयोग प्रदान करने का संकल्प कर सकते है। साथ ही हमें गौहत्या पर प्रतिबन्ध सम्बन्धी कानून बनाने के लिए भी आवश्यक प्रयत्न करना चाहिए। गौ सर्वधन के

लिए यही हमारी सबसे बड़ी सेवा तथा महत्वपूर्ण कर्तव्य है। क्योंकि गौमाता राष्ट्रीय सम्पत्ति है उसकी सुरक्षा करना हमारा भी दायित्व है।

कृष्णचन्द्र टवाणी, ज्ञानमंदिर, सिटी रोड़
मदनगंज-किशनगढ़ मो. 925298822

सरसी कबीर छंद

विनीता काबरा,
जयपुर

फूलों का मीत गाना सुन,
झरता है मकरंद।
भावों के शुभ तालमेल से,
रच दूँ सरसी छंद।।
पढ़ कर उर आनंद समाए,
रखती इतनी चाह।
प्रेरक सुंदर सृजन सभी के,
मन से निकले वाह।।
बीज सृजन का व्यर्थ न जाता,
देता ठंडी छाँव।
दुख संताप से दूर होते,
पथिक पहुँचते गाँव।।
सच्चे सुख का स्रोत कलम है,
शब्दों को दे धार।
सुप्त चेतना जागृत होती,
मन से मिटे विकार।।
मन सागर में गोते खाते,
अनगिनती के भाव।
गहरे पानी पैठे तो ही,
मिले सृजन की नाव।।
लिखने वालों के काँधे पर,
परिवर्तन का भार।
कलम की ताकत कम न मानो,
करती खल पर वार।
कृपा दृष्टि जब माँ की होती,
बरसे ज्ञान प्रकाश।
निर्बल भी फिर छू लेता है,
अनन्त यह आकाश।।
झिलमिल करते इन तारों से,
तुम जाता है हार।
ज्ञान की भोर से ही होता,
उजास बारम्बार।।
माता की यों कृपा आँकना,
नहीं हमारे हाथ।
कब कहाँ किस रूप में मिलता,
हमको माँ का साथ।
दर्पण बनकर भाव निखारे,
ऐसी माँ की प्रीत।
शब्द सुमन कर माँ को अर्पण,
यही हमारी रीत।।
भावों के नर्तन को मिलता,
जब शब्दों का मंच।
होता जन्म तभी कविता का,
शुचिता है सौ टंच।।
आप और हम तो अब आए,
कविता सालों-साल।
कितने आए और गए हैं,
कविता चलती चाल।।

दोस्ती की खूबसूरती का जश्न फ्रेंडशिप डे

दोस्ती जीवन के सबसे बड़े खजानों में से एक है। यह एक ऐसा बंधन है जो हमारे जीवन में खुशी, समर्थन और बिना शर्त प्यार लाता है। चाहे वह बचपन का दोस्त हो जो आपके सारे राज जानता हो या नया परिचित हो जो तुरंत आपका विश्वासपात्र बन जाता है, दोस्ती हमारे जीवन को उन तरीकों से समृद्ध करने का एक जादुई तरीका है जिसकी हमने कल्पना भी नहीं की होगी। दोस्ती को अक्सर विश्वास, आपसी समझ और साझा हितों पर आधारित रिश्ते के रूप में वर्णित किया जाता है। यह महज साहचर्य से परे है और इसमें एक गहरा भावनात्मक संबंध शामिल है। यह एक सुरक्षित स्थान है जहां हम बिना किसी आलोचना या दिखावे के अपने प्रामाणिक स्वरूप में रह सकते हैं। दोस्ती विभिन्न रूपों में आती है और प्रत्येक बार हमारे जीवन में अपना अनूठा मूल्य लाती है। बचपन के दोस्तों से लेकर, जिन्होंने शुरू से ही हमारी यात्रा देखी है, कामकाजी दोस्तों तक, जो दैनिक संघर्षों को समझते हैं, हर दोस्त हमारे दिलों में एक विशेष स्थान रखता है। इसके अतिरिक्त, ऐसे दोस्त भी हैं जो एक विशिष्ट रुचि या शौक साझा करते हैं, जिससे हमें एक साथ नए जुनून तलाशने का मौका मिलता है। सच्चे दोस्त उतार-चढ़ाव दोनों के दौरान हमारे लिए मौजूद रहते हैं, अटूट समर्थन और प्रोत्साहन प्रदान करते हैं। दोस्ती का मतलब सिर्फ मौज-मस्ती करना और एक-दूसरे की कंपनी का आनंद लेना नहीं है। यह सुख-दुख में, जीवन के उतार-चढ़ाव में एक-दूसरे के लिए मौजूद रहने से है। कैम्ब्रिज डिक्शनरी में एक दोस्त को ऐसे व्यक्ति के रूप में परिभाषित करती है जिसे आप अच्छी तरह से जानते हैं और जिसे आप बहुत पसंद करते हैं, लेकिन जो आमतौर पर आपके परिवार का सदस्य नहीं होता है।

दोस्ती एक विशेष बंधन है जो सिर्फ परिचित या साथी होने से कहीं आगे तक जाता है। यह विश्वास, समझ और साझा अनुभवों पर बना एक संबंध है। दोस्त अच्छे और बुरे दोनों समय में हमारे साथ होते हैं, सुनने के लिए कान, रोने के लिए कंधा देते हैं। एक सच्चा मित्र वह है जो हमें वैसे ही स्वीकार करता है जैसे हम हैं, खूबियां-खामियां आदि। वे हमारा समर्थन करते हैं और हम पर विश्वास करते हैं, तब भी जब हम खुद पर संदेह करते हैं। वे हमारी सफलताओं का जश्न मनाते हैं और हमारी खुशियों में हिस्सा लेते हैं और जब चीजें कठिन हो जाती हैं तो सहारा देने के लिए एक कंधा प्रदान करते हैं।

मित्रता आपसी सम्मान, ईमानदारी और खुले संचार के बारे में भी है। यह स्वयं होने और निर्णय के डर के बिना अपने विचारों और भावनाओं को व्यक्त करने में सक्षम होने के बारे में है। मित्र एक सुरक्षित स्थान प्रदान करते हैं जहाँ हम असुरक्षित हो सकते हैं और अपने अंतरतम विचारों और भावनाओं को साझा कर सकते हैं। दोस्ती दो तरफा रास्ता है इसके लिए दोनों पक्षों के प्रयास, समय और प्रतिबद्धता की आवश्यकता होती है। इसमें सुनना, समझना और समझौता करना शामिल है। इसका मतलब है एक-दूसरे के लिए मौजूद रहना, तब भी जब जीवन व्यस्त हो या परिस्थितियां बदल जाएं।

दोस्ती हमेशा परफेक्ट नहीं होती असहमति, गलतफहमी और संघर्ष उत्पन्न हो सकते हैं। हालाँकि, सच्चे दोस्त इन चुनौतियों से निपटने, खुलकर संवाद करने और समाधान खोजने के इच्छुक होते हैं। वे मित्रता को इतना महत्व देते हैं कि बाधाओं को दूर करने का प्रयास कर सकें। मित्रता हमारे समग्र कल्याण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। यह हमारे मानसिक, भावनात्मक और शारीरिक स्वास्थ्य में योगदान देती है। दोस्तों पर भरोसा करने से तनाव कम होता है और अपनेपन का एहसास होता है। हमारे दोस्त हमारा चुना हुआ परिवार बन जाते हैं।

किसी भी रिश्ते की तरह, दोस्ती को पनपने के लिए प्रयास और देखभाल की आवश्यकता होती है। इन बहुमूल्य रिश्ते को बनाए रखने में समय और ऊर्जा का निवेश करना आवश्यक है। नियमित संचार, एक साथ गुणवत्तापूर्ण समय बिताने की योजना बनाना और सक्रिय रूप से सुनना दोस्ती को मजबूत करने की कुंजी है। अपने दोस्तों के सपनों और आकांक्षाओं का समर्थन करना, जरूरत के समय उनके साथ रहना और उनकी उपस्थिति के लिए आभार व्यक्त करना भी मजबूत और स्थायी दोस्ती को बढ़ावा देने के महत्वपूर्ण पहलू हैं।

दोस्ती का हमारे जीवन पर गहरा प्रभाव पड़ता है। यह हमें खुद का बेहतर संस्करण बनने के लिए प्रेरित करता है, हमें हमारे आराम क्षेत्र से बाहर निकालता है और उद्देश्य और अपनेपन की भावना प्रदान करता है। दोस्त हमारे चीयरलीडर्स होते हैं, जब हम खुद पर संदेह करते हैं तो प्रोत्साहन और प्रेरणा देते हैं। वे हमारी सफलताओं का जश्न ऐसे मनाते हैं जैसे कि वे उनकी अपनी हों और जब हम लड़खड़ाते हैं तो मदद के लिए हाथ बढ़ाते हैं। दोस्ती की शक्ति अपरिमेय है और दोस्तों के बीच साझा किया जाने वाला प्यार वास्तव में एक खूबसूरत चीज है। मित्रता की विविधता को अपनाना हमें विभिन्न दृष्टिकोणों से परिचित कराता है और हमारे अनुभवों को समृद्ध करता है।

सच्चे दोस्त हमें बढ़ने और बेहतरी के लिए बदलने में मदद करते हैं। वे अच्छे और बुरे समय में हमारा साथ देते हैं। जब हम केवल रोना चाहते हैं तो वे हमें हँसा सकते हैं। और इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि समय और दूरी हमें एक-दूसरे से कितनी दूर ले जाती है और भले ही मृत्यु उनमें से किसी एक को इस दुनिया से दूसरी दुनिया में ले जाती है, हमें हमेशा यह जानकर तसल्ली होती है कि ये सच्चे दोस्त अभी भी हमारे साथ हैं, भले ही केवल आत्मा में, हमारा उत्साहवर्धन करें और हमें शुभकामनाएं दें, क्योंकि सच्चे दोस्त एक-दूसरे के लिए यही करते हैं।

परंतु पीड़ा के साथ कहना पड़ता है कि आज के समय में दोस्ती के मायने बदल गए हैं। कुछेक अपवाद हो सकते हैं मगर आज के समय में वो दोस्त नहीं रहे जो अपने दोस्तों के लिए प्राण तक न्यौछावर करने को तैयार रहा करते थे। कोई अगर मुश्किलों के दौर से गुजर रहा होता और उसका कोई दोस्त कहता चिंता मत कर, मैं हूं ना, सब ठीक हो जायेगा। इस तरह के दृश्य अब लगभग अदृश्य हो चुके हैं। दुर्भाग्य की बात है कि आज के दौर में तो दोस्त और दोस्ती महज इस्तेमाल की चीज बन कर

रह गयी है। जब तक कोई काम का है तब तक दोस्त है वर्ना नमस्ते। इससे भी बड़े दुःख की बात ये है कि अगर कोई दोस्त तरक्की कर रहा होता है, तो अन्य दोस्त ये कोशिश करते हैं कि कैसे इसकी टांग खींच के नीचे गिराएं। ये हमसे आगे कैसे निकल रहा है। इसके अलावा ये भी विडम्बना है कि कई दोस्त तो ये मौका तलाशते हैं कि किस दोस्त को सीढ़ी बनाकर कैसे आगे बढ़ा जाए। मैं ये नहीं कह रहा हूं कि सभी दोस्त इस तरह के होते हैं, लेकिन ये भी कड़वा सच है कि वर्तमान युग में अधिकतर इसी श्रेणी में आते हैं। अफसोस की बात है कि बदलते वक्त के साथ दोस्ती के चेहरे में भी बदलाव दिखाई दे रहे हैं। शोले फिल्म के जय और वीरू जैसी दोस्ती तो विरला ही देखने को मिलती है और कृष्णा-सुदामा की दोस्ती का कहना ही क्या।

कहते है अच्छे दोस्त एक-दूसरे की परवाह करते हैं... करीबी दोस्त एक-दूसरे को समझते हैं, लेकिन सच्चे दोस्त हमेशा साथ रहते हैं... शब्दों से परे, दूरी से परे, समय से परे... इसलिए 'हर एक सच्चा दोस्त जीवन में जरूरी होता है'। आइए हम इस मित्रता दिवस और इसके बाद के हर दिन को अपने जीवन में उन असाधारण लोगों को

पहचानने के अवसर के रूप में लें जिन्होंने हमारे साथ चलने का फैसला किया है और वे हमारे जीवन में जो अपार खुशियां लेकर आए हैं। आइए हम अपनी साझा खुशी, अच्छे समय और सुखद यादों के लिए जश्न मनाये।

राज करवा, बीकानेर
मो 9799399704

एक लघु कथा

हमारा आकाश

आज से कुछ साल पहले की बात है....मेरी फैक्ट्री के पिछवाड़े में काफी खुली जमीन थी.....किसी ने सुझाया की आपको बहुत से पेड़ लगाकर इसका उपयोग लेना चाहिए...मुझे यह सुझाव अच्छा लगा...।

मैने सुझाव के अनुरूप कदम उठाते हुए हर श्रृंगार, बड़, पीपल, नीम, आम, अमरूद, गुलमोहर जैसे कोई हजार से ज्यादा पेड़ लगाए...आज वो एक अच्छा खासा जंगल सा बन गया....।

लेकिन मुझे उससे जंगल की फील ही नही आती..न पक्षियों का चहचहाता शोर...उनके उड़ते झुंड...ना ही हरी-भरी डालियों पर आनंद से लबरेज हो कर फुदकती कलरव करती चिड़िया नजर आती है, ना ही बया के घोंसले है...।

मैने अपनी चिंता को लेकर किसी जीव विज्ञान के प्रोफेसर से मिला...और उनको मन में चल रही अपनी इस कसक को बताया...उन्होंने मुझसे पूरी बात सुनी, और बोले...आप द्वारा इस पोषित उपवन में यह निम्न 5-6 तरह के पौधे किसी नर्सरी में लाकर अपनी इस बगिया में रोपित कीजिए...5-6 वर्ष बाद आप जैसा चाहते है, वैसा हो जायेगा...।

आज 6 साल गुजर गए... आज कोई भी मेरी फैक्ट्री में मेहमान, रिश्तेदार व्यवसायिक मित्र आता है तो उनको चहकते...उड़ते, पक्षी...उनका करलव करता झुंड...तरह तरह के रंग की चिड़िया और टहनियों से लटकते बया के घोंसले सहज आकर्षित करते है...।

मेरे मन में कृतज्ञता के भाव उपजे...और ...मैने सोचा आज प्रोफेसर साहब से मिलकर अपनी कृतज्ञता भी प्रकट करू...और उत्सुकता भी मन में थी की उनसे हुए इस चमत्कार का राज भी जानू की मेरे एक हजार से अधिक पेड़ पौधो के बावजूद भी पक्षी नही आते थे...और आपने जो पौधे लगवाए उससे यह कैसे संभव हुआ...?

मन में उठ रहे मेरे असंख्य प्रश्नों को प्रोफेसर साहब ने बड़ी शांतचित्त होकर सुना और बड़े दार्शनिक अंदाज में कहा...मैने जो गूंदी, गुल्हर, जाल, केर, खेजड़ी सहजन...जैसे पौधे लगाने को कहा और यह पक्षियों के प्रिय पौधे है... उनके जीवन रक्षक भी होते ही...आज यदि डाब, पूसा..घास नही है...तो बया अपने घोंसले किस से बनाएगी... चिड़िया का भोजन कहां से मिलेगा...?

बात में मुझे बड़ा दम लगा, मैने सोचा आज समाज,परिवार देश में भी ऐसा ही नही हो रहा है.?..हम अपने बच्चों को अपने साथ रोकना रखना चाहते है और वो रुक नही रहे...उन पर परिवार समाज के संस्कार थोंपना चाहते है... पर वो उसे स्वीकार नहीं कर पाते...हम सफल नहीं होते...तो तमाम बाते करते है...परंतु इसका कारण क्या है...?

हमें नही पता है की वो चाहते क्या हैं...?...उनकी पसंद क्या है...उनकी खुशी किसमें है... यह कभी जानने की कोशिश भी नही करते...अपनी कृत्रिम वैभव की दुनिया से बाहर ही नही आते...और देखते देखते पक्षी घर की चोखट को अलविदा कर उड़ जाते है...। लेकिन किसी जीव विज्ञान और मनोविज्ञान के विद्वजनों से यह समझ लेना आवश्यक नहीं समझते की ऐसा होता क्यों है? हमारे आसपास की दुनिया में वो कौन से पौधे लगाए की हमारे जीवन आकाश में हमारे बच्चे भी अपने पंख फैलाए... और हम समीप से निहार सके।

रामानंद काबरा मो. 9414070142

ऐसी मान्यता है कि पुत्रदा एकादशी के दिन भगवान विष्णु की विधवित पूजा करने और व्रत करने से जातक को संतान का वरदान प्राप्त होता है। हिन्दू पंचांग के अनुसार महीने के दोनों पक्षों, कृष्ण पक्ष और शुक्ल पक्ष के ग्यारहवें दिन एकादशी के रूप में मनाई जाती है।

क्या एकादशी को जन्म लेना भाग्यशाली है? - एक जातक जिसका जन्म एकादशी तिथि को हुआ हो - वे धार्मिक और आध्यात्मिक रूप से मजबूत हैं। वे कला और रचनात्मकता में रुचि रखते हैं। वे वैधव्य हैं और संतान सुख से संपन्न हैं। ये जातक कूटनीतिक होते हैं और सभी के हितों को ध्यान में रखते हुए जीवन में आगे बढ़ना जानते हैं।

पुत्रदा एकादशी करने से क्या होता है? - ऐसा कहा जाता है कि इस व्रत को करने से समस्त पापों से मुक्ति मिल जाती है। यह व्रत अपने बच्चों के लिए किया जाता है। इससे संतान संबंधी संकट दूर हो जाते हैं। इसके साथ ही इस व्रत को करने वालों के संतान की सेहत भी हमेशा अच्छी बनी रहती है।

पुत्रदा एकादशी के दिन क्या खाना चाहिए? - एकादशी व्रत में शकरकंद, कुट्टू, आलू, साबूदाना, नारियल, काली मिर्च, सेंधा नमक, दूध, बादाम, चीनी आदि पदार्थ खाने में शामिल कर सकते हैं।

एकादशी किसकी बेटी है? - मुर ने उन्हें जैसे ही मारने का विचार किया, वैसे ही श्रीहरि विष्णु के शरीर से एक कन्या निकली और उसने मुर दैत्य का वध कर दिया। जागने पर श्रीहरि को उस कन्या ने, जिसका नाम एकादशी था, बताया कि मुर को श्रीहरि के आशीर्वाद से उसने ही मारा है। खुश होकर श्रीहरि ने एकादशी को सभी तीर्थों में प्रधान होने का वरदान दिया। व्रतों में सर्वाधिक महत्वपूर्ण व्रत एकादशी का होता है। एकादशी का नियमित व्रत रखने से मन कि चंचलता समाप्त होती है। धन और आरोग्य की प्राप्ति होती है, हार्मोन से जुड़ी समस्याएं भी ठीक होने के साथ मनोरोग भी दूर होते हैं।

पुत्रदा एकादशी का व्रत कैसे किया जाता है? - एकादशी की रात में भगवान का भजन-कीर्तन करना चाहिए। पूरे दिन निराहार रहकर संध्या समय में कथा आदि सुनने के पश्चात फलाहार किया जाता है। दूसरे दिन ब्राह्मणों को भोजन तथा दान-दक्षिणा अवश्य देनी चाहिए, उसके बाद खाना खाना चाहिए। इस दिन दीपदान करने का बहुत महत्व है। नियमित व्रत रखने से मन कि चंचलता समाप्त होती है। धन और आरोग्य की प्राप्ति होती है, हार्मोन से जुड़ी समस्याएं भी ठीक होने के साथ मनोरोग भी दूर होते हैं।

पुत्रदा एकादशी साल में कितनी बार आता है? - पुत्रदा एकादशी साल में दो बार आती है, पहली एकादशी श्रावण मास में तो दूसरी पौष मास में आती हैं। यह एकादशी बहुत शुभ फलदायक होने के कारण संतान पाने के इच्छुक व्यक्ति को इस दिन व्रत रखकर संतान की कामना करनी चाहिए। मान्यतानुसार इस चर और अचर संसार में पुत्रदा एकादशी के व्रत के समान दूसरा कोई व्रत नहीं है। यह एकादशी संतान न होने वाले मनुष्य के लिए एक खास अवसर के समान हैं, क्योंकि जिन व्यक्तियों को संतान प्राप्त होने में बाधाएं आ रही हैं या जिन्हें पुत्र प्राप्ति की कामना हो उन्हें पुत्रदा एकादशी का व्रत अवश्य करना चाहिए।

पुत्रदा एकादशी व्रत विधि - पुत्रदा एकादशी व्रत रखने वालों एक दिन पहले यानी दशमी तिथि की रात्रि से ही व्रत के नियमों का पूर्ण रूप से पालन करना चाहिए। दशमी के दिन शाम में सूर्यास्त के बाद भोजन ग्रहण नहीं करना चाहिए और रात्रि में भगवान विष्णु का ध्यान करते हुए सोना चाहिए। अगले दिन सूर्योदय से पहले जागकर दैनिक क्रिया से निवृत्त होकर स्नानादि करके शुद्ध व स्वच्छ धुले हुए वस्त्र धारण करके श्री विष्णु का ध्यान करना चाहिए। अगर संभव हो तो पानी में गंगा जल मिलाकर उस पानी से नहाना चाहिए। इस पूजा के लिए श्री विष्णु की फोटो के सामने दीया जलाकर व्रत का संकल्प लेकर कलश स्थापना करनी चाहिए। फिर कलश को लाल वस्त्र से बांधकर उसकी पूजा करें। भगवान विष्णु की प्रतिमा रखकर उसे स्नानादि से शुद्ध करके नया वस्त्र पहनाएं। तत्पश्चात धूप-दीप आदि से विधिवत भगवान श्री विष्णु की पूजा-अर्चना तथा आरती करें तथा नैवेद्य और फलों का भोग लगाकर प्रसाद वितरण करें। श्री विष्णु को अपने सामर्थ्य के अनुसार पुष्प, ऋतु फल, नारियल, पान, सुपारी, लौंग, बेर, आंवला आदि अर्पित करें। एकादशी की रात्रि में भजन-कीर्तन करते हुए समय व्यतीत करें। पूरे दिन निराहार रहे तथा सायंकाल कथा सुनने के पश्चात फलाहार करें। पारण वाले या दूसरे दिन ब्राह्मणों को भोजन तथा दान-दक्षिणा देकर खुद को बाद पारणा करना चाहिए।

पुत्रदा एकादशी महामंत्र - ऊँ नमो भगवते वासुदेवाय।, ऊँ विष्णवे नमः।, ऊँ श्रीकृष्ण गोविन्द हरे मुरारे। हे नाथ नारायण वासुदेवाः।, ऊँ नमो नारायणः।, ऊँ नारायणाय नमः।, ऊँ श्रींह्रीं श्रीं कमले कमलालये प्रसीद प्रसीद श्रीं ह्रीं श्रीं महालक्ष्मी नमः।, ऊँ श्रीं ह्रीं क्लीं श्री सिद्ध लक्ष्म्यै नमः।

पुत्रदा एकादशी की कहानी - भद्रावती नामक नगरी में सुकेतुमान नाम का एक राजा राज्य करता था। उसके कोई पुत्र नहीं था। उसकी स्त्री का नाम शैव्या था। वह निपुती होने के कारण सदैव चिंतित रहा करती थी। राजा के पितर भी रो-रोकर पिंड लिया करते थे और सोचा करते थे कि इसके बाद हमको कौन पिंड देगा। राजा को भाई, बांधव, धन, हाथी, घोड़े, राज्य और मंत्री इन सबमें से किसी से भी संतोष नहीं होता था। वह सदैव यही विचार करता था कि मेरे मरने के बाद मुझको कौन पिंडदान करेगा। बिना पुत्र के पितरों और देवताओं का ऋण मैं कैसे चुका सकूंगा। जिस घर में पुत्र न हो, उस घर में सदैव अंधेरा ही रहता है इसलिए पुत्र उत्पत्ति के लिए प्रयत्न करना चाहिए।

श्रीमती पूजा अनमोल काकानी, इंदौर

त्यौंहारों की शुरुआत श्रावणी से ही हो जाती है

सावन माह सभी सनातनियों के लिये खुशी लेकर आता है। आज तो इस उम्र में उत्साह में अवश्य ही कमी आयी है। अतः बाहर जाना तो हो ही नहीं पाता है लेकिन, बचपन से चालीस पचास उम्र तक की याद करते ही मन खुशी से भर जाता है। हां यह अवश्य ध्यान रखता हूँ कि परिवार के सभी बच्चे हों या बड़े श्रावण महीने का पूरा आनन्द उठा लें। इसलिये सभी को बैठे बैठे प्रोत्साहित करता हूँ। श्रावण महीने में घर में स्थापित शिवलिंग पर सभी सबेरे सबेरे नहाने के पश्चात आसन पर बैठ जल अर्पण अवश्य करें इसका ध्यान रख, सभी इसकी पालना करें, यह निश्चित करता हूँ।

श्रावण माह में बहुत त्यौंहार आते हैं वो सभी पूरे उत्साह व उमंग से मनाये जायें इस ओर ही मेरा प्रयास रहता है। तालाब पानी से लबालब भरे रहते हैं। अतः सभी को छूट्टी में किसी न किसी तालाब के किनारे गोठ के लिये पहले से ही योजना बना लेने का तकादा कर, योजना तैयार करवा कर, उस दिन सभी साज सामान के साथ भेजने की व्यवस्था कर भेज देता हूँ।

इसी तरह इस माह में पड़ने वाले सभी तीज-त्यौंहार पूरे उत्साह से सम्पन्न हो उस ओर भी पुत्र-पुत्री, वधुओं के साथ विचार-विमर्श पहले से ही कर, तय समय पर बढ़िया ढंग से सम्पन्न करवाने की जिम्मेदारी निभा लेने की लालसा रहती है।

श्रावण महीने में पन्द्रह दिनों तक मन्दिरों में झूलनोत्सव मनाया जाता है। झूलनोत्सव में भगवान का नित्य नया श्रृंगार किया जाता है। एक तरह से सभी मन्दिरों में प्रतिस्पर्धा सी चलती है। नित्य नये नये पकवान का भोग भी धराया जाता है। इसलिये मेरा प्रयास यही रहता है कि सभी बच्चे संध्या पश्चात परिवार के बड़े समझदार सदस्य के साथ मन्दिर अवलोकनार्थ जाय। घर लौटने पर मैं उनसे विस्तार से बताने को कहता हूं ताकि मेरा तो मन बहले ही साथ ही साथ उनमें भी अपनी संस्कृति की समझ बढ़े।

इसके अलावा सभी छोटे-बड़े सदस्यों को श्रावण महीने में पड़ने वाले एक सोमवार को व्रत कर लेना है इस ओर मैं पूरा पूरा प्रयास कर, सभी से यह कृत्य भी करवा लेता हूं।

उपरोक्त के अलावा भी श्रावण माह में पड़ने वाले बहुत से त्यौंहार/उत्सव सामाजिक तौर पर पूरे उत्साह से सामुहिक मनाये जाते हैं। आप सभी की जानकारी के लिये यहां दो विशेष त्यौंहार के बारे में संक्षेप में जानकारी सांझा कर रहा हूं -

सामुहिक तौर पर मनाये जाने वाले त्यौंहार में नाग पंचमी एक प्रमुख उत्सव है। यह उत्सव विशेषकर गाँवों में बड़े ही धूमधाम से मनाया जाता है। वाकायदा जीवित नाग की पूजा की जाती है। उस दिन औरतें उपवास भी रखती हैं।

दूसरा त्यौहार है रक्षाबन्धन। यह त्यौंहार भाई-बहनों के पवित्र रिश्ते को दर्शाता है। वैसे तो इस दिन साधारणतया बहनें अपने भाइयों को रक्षासूत्र बाँधती हैं। लेकिन अनेकों जगह पर शिक्षक भी अपने शिष्यों को रक्षासूत्र के माध्यम से ज्ञान परम्परा का निर्वहन करते हैं। इसी तरह पुरोहित (धार्मिक) भी समाज से रक्षा का संकल्प, रक्षासूत्र बाँध पूरा करते हैं। इस दिन साधारणतया श्रावणी कार्यक्रम होता है। यहां श्रावणी कार्यक्रम से मतलब है पवित्र नदियों व तीर्थ के तट पर आत्मशुद्धि का उत्सव। इस कर्म में आंतरिक व बाह्य शुद्धि गाय का गोबर, मिट्टी, भस्म, अपामार्ग, दूर्बा, कुशा एवं मंत्रों द्वारा की जाती है। इसलिए जो लोग जनेऊ धारण करते हैं वे श्रावणी पूर्णिमा के दिन धर्मावलंबी मन, वचन और कर्म की पवित्रता का सकंल्प लेकर जनेऊ बदलते हैं। प्रायः इस दिन जनेऊ के अनेक जोड़ों या कहिये दो तीन बण्डलों की पूजा कर रख लेते हैं और पूरे वर्ष में जब भी जनेऊ बदलना होता है तो इनमें से ही निकाल उपयोग कर लिया जाता है।

अगले माह पड़ने वाले जन्माष्टमी की तैयारी भी प्रायः प्रायः आज के दिन से ही शुरू हो जाती है। ऊपर उल्लिखित तथ्यों से यह स्पष्ट है कि श्रावण माह से त्यौंहारों की शुरुआत हो जाती है। इसलिये ही यह माह सभी को आनन्ददायक ही नहीं करता बल्कि आने वाले त्यौंहारों को धूमधाम से मना लेने के लिये प्रेरित भी करता है।

गोवर्धन दास बिन्नाणी 'राजा बाबू'
IV E 508 जय नारायण व्यास कॉलोनी
बीकानेर मो. 7976870397

हमारी बहू : हमारा स्वाभिमान व समाज का गौरव

पारिवारिक दृष्टि से 'बहू' समाज की वह 'धूरि' है, जिसके बिना समाज अपनी अस्मिता खोकर अपनी गरिमा बचाये रखने में असमर्थ है। घर-आंगन की शोभा, बच्चों का लालन-पालन, पारिवारिक सदस्यों में आपसी सामंजस्यता, दो परिवारों (पीहर-ससुराल) के अटूट रिश्तों की डोर को बांधे रखने में दूरदर्शिता, ननद भाभी के प्रेम बंधन व आवभगत में पलक पावड़ा बिछाना व उल्हाना सहकर भी बहू का 'ऊफ' न करना एक गौरव की बात है और ऐसी सुलक्षिणा बहू पाकर परिवार समाज में यशकीर्ति पाकर गौरवान्वित महसूस करता है। मगर आज समय की बलिहारी - उसी बहू को दहेज लोभी धन उपार्जन का साधन, प्रताड़ित व हत्या कर घिनौने अपराध में संलिप्तता में समाज यश कमा रहा है। आश्चर्य की पराकाष्ठा कि समाज के कर्णधार ऐसे कृत्य पर आंख मूंदे बैठे है। लड़कियों की कमी, प्रजाति विवाह व तलाक के मुहाने पर बैठा हर परिवार अपनी बेबशी पर आंसू बहा रहा है। महासभा व हर शहर के समाज के पदाधिकारी झूठे वादो के आगोश में अपनी जिम्मेदारी से जी चुरा रहे है। वे यह भूल रहे हैं कि दिन प्रतिदिन सामाजिक बुराइयों की आड़ में समाज अपनी अस्मिता न खो दे।

सत्यनारायण किसनलाल तोसनीवाल,
1/912 बेताल पेठ, इचलकरंजी
मो. 09422413921

हिंदी हमारी भाषा है, हिंदी हमारा व्याकरण,
हिंदी हमारी संस्कृति, हिंदी हमारा आचरण।

हिंदी हमारे संस्कारों की भाषा है, हिंदी के प्रति समर्पण रखें तो एक दिन हिन्दी विश्व भाषा बन जाएगी। एक भाषा के रूप में हिंदी न सिर्फ भारत की पहचान है बल्कि यह हमारे जीवन मूल्यों, संस्कृति एवं संस्कारों की सच्ची संवाहक, संप्रेषक और पारिचायक भी है बहुत सरल, सहज और सुगम भाषा होने के साथ हिंदी विश्व की संभवतः सबसे वैज्ञानिक भाषा है जिसे दुनिया भर में समझने, बोलने और चाहने वाले लोग बहुत बड़ी संख्या में मौजूद है। यह विश्व में तीसरी सबसे ज्यादा बोली जाने वाली भाषा है जो हमारे पारम्परिक ज्ञान, प्राचीन सभ्यता और आधुनिक प्रगति के बीच एक सेतू भी हैं।

संविधान सभा ने हिंदी भाषा को आधिकारिक भाषा के रूप में 14 सितंबर 1949 को चुना था। इसी वजह से 14 सितंबर को हर साल हिंदी दिवस के रूप में मनाया जाता है। 1981 में बिहार नें उर्दू भाषा की जगह हिंदी भाषा को कार्यालय में जगह दी इसी के साथ बिहार हिंदी को अपनाने वाला देश का पहला राज्य बन गया। हिंदी विश्व में बोली जाने वाली भाषाओं में से एक है। देश की स्वतंत्रता में हिंदी भाषा का अहम योगदान दिया। विश्व की प्राचीन समृद्ध और सरल भाषा होने के साथ हिंदी हमारी राष्ट्रभाषा भी है। बस दुनिया भर में हमें सम्मान दिलाती है यह सम्मान, स्वाभिमान एवं गर्व की भाषा है।

अपनी भाषा के प्रति अगाध स्नेह रखने वाले लोग बन्दनीय है। दुर्भाग्यवश भारत में एक विदेशी भाषा अंग्रेजी के प्रति प्रेम रखने वाले लोग, तेजी के साथ बढ़ रहे हैं आश्चर्य इस बात का होता है कि लोग ऐसी भाषा के प्रति प्रेम दिखाते हैं जिस भाषा के बोलने वालों ने उनको गुलाम बना कर रखा था यह आत्महीन लोग अपनी मातृभाषा व राष्ट्रभाषा को भूलकर उस भाषा के गुलाम बनते जा रहें हैं।

पहले स्कूलों में हिंदी भाषा का प्रयोग किया जाता था लेकिन आज बड़े-बड़े स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चे हिंदी में पिछड़ गए हैं उन्हें हिंदी लिखना, पढ़ना भी नहीं आता भारत में रहकर हिंदी भाषा का महत्व न देकर यह हमारी बहुत बड़ी भूल है। अपनी हिंदी भाषा को वह मान सम्मान नहीं दे पा रहे हैं जो भारत देश की भाषा के प्रति देशवासियों की नजर में होना चाहिए। घर पर बच्चा अतिथियों के सामने अंग्रेजी में कविता सुना देता है तो माता-पिता गर्व महसूस करने लगते हैं। इस कारण से लोग हिंदी बोलने से घबराते हैं।

प्रत्येक वर्ष हिंदी दिवस मनाया जाने तक सीमित है मानसिक दासता के प्रतीक अंग्रेजी भाषा कुछ व्यक्तिगत व राजनैतिक स्वार्थो के कारण हिंदी भाषा का जितना विशाल सम्पर्क होना चाहिए सर्व साधारण जनता में वह आज तक नहीं हो पा रहा है। अंग्रेजी भाषा के कारण ही हमारे देश की पाश्चात्य सभ्यता व संस्कृति हावी होती जा रही है इसी कारण हमारा खान-पान रहन-सहन आचार-विचार रीति-रिवाज तथा घर के सजावट पर काफी असर पड़ रहा है।

हिंदी देश की राजभाषा होने के बावजूद आज हर जगह अंग्रेजी का वर्चस्व कायम है। हिंदी जानते हुए भी लोग हिंदी में बोलने, पढ़ने का काम करने में

हिचकते है भारत सरकार का राजभाषा विभाग इस दिशा में प्रयासरत है कि केंद्र सरकार के अधीन कार्यालय में अधिक से अधिक कार्य हिंदी में हो रहे हैं यदि सरकार ठोस कदम उठाए तो हर जगह हिंदी बहुत जल्दी ही शुरू हो जाएगी।

कुमकुम काबरा, 10 मारवाड़ी गंज, बरेली मो. 9368166190

तीज त्यौंहार

संगीता लाहोटी, पुना मो. 9325539923

सखीयां, आज हरियाली तीज का जो है त्यौंहार
आप सभी के अखियों में है अलग ही निखार
और क्यो नहीं? लेकर आई है तीज माता आनंद का उपहार
सौंदर्य का तो देखकर पारावार, स्तुति कर रही बार बार
पर देती है जैसे एक मां अपनी बेटी को सौगात
यह मां भी कुछ कह रही हमारे शीर्ष पर माया का रख कर हाथ
सावन में इस उपवास के आने का कारण भी हो हमे ज्ञात
सावन सा सरसा दो जीवन को बरसा कर अंतर्मन का स्नेह भाव
फिर समय पर पडेगी आसमां से भी बरसात कृषि भी होंगे निहाल
पिया जी के प्रेम का सावन कर देगा तुम्हे भी मालामाल
देखो और अधीरता ही जो देखती जा रही मेरी आंख
धैर्य और विवेक से जब की रख्खी जा सकती जीवन की साख
प्रताप से सद्सद् विवेक के रोटी भी लगेगी सत्तू का प्रसाद
कई काल से पिंडे के प्रसाद से महादेव जी की पिंड
हमे यही समझाने का तो कर रही प्रयास
और हम है की दूध-लोणी बिल पत्तर से प्रभू का दर्शन करना चाहे प्राप्त
सद् सद् विवेक में है जब वो व्याप्त
फिर इस बात को अमल में लेने का अथक हो प्रयास
सार्थक होगा तीज का उपवास, पूरे वर्ष पाओगे पिंडे की मिठास

जीवन में समस्या क्यों और निदान क्या?

कुछ समय पहले स्व. श्री सोहनलाल द्विवेदी जी द्वारा लिखी और श्री अमिताभ बच्चन द्वारा स्वरबद्ध एक कविता 'कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती' सुनी। इसके अलावा एक कहानी - एक व्यक्ति ने पेड़ से पूछा तुम इतनी धूप, बरसात व ठंड सहते हो। आंधी के तेज थपेड़ों में भी अडिग खड़े रहते हो। इतनी तकलीफ सहने के बाद भी क्या तुम्हें किसी तरह का अवसाद या मलाल नहीं होता। ना तुम किसी को कोसते हो ना ही किसी तरह से गुस्सा करते हो। आगे वह व्यक्ति कहता है पेड़ ने जो जबाब दिया सुनने पर मुझे जिन्दगी जीने का एक नया सूत्र मिला। पेड़ ने कहा मैं इन बातों की परवाह नहीं करता और न ही किसी विपदा या परेशानी से डरता या घबराता हूं। मेरे जीवन की सार्थकता है मीठे फल देना और थके यात्री को छाया देकर विश्राम करवाना। मैं हरदम इसी चिन्तन में रहता हूं।

मुझे इन दोनों रचनाओं में जीवन जीने का अद्‌भुत सूत्र दिखाई देता है। परमात्मा द्वारा रचित सभी रचनाओं में मनुष्य को सबसे बुद्धिमान माना जाता है। उसने समुद्र की गहराई नाप ली। बड़े-बड़े पर्वतों पर चढ़कर पताका फहरा दिया। आकाश में पक्षियों की भांति उड़ता है। दूसरे ग्रहों पर पहुंच गया। पर जीवन में एक छोटी सी परेशानी या समस्या आने पर घबरा जाता है। मानसिक सन्तुलन खो देता है। उपद्रव करने लगता है। यहां तक कि आत्महत्या तक कर लेता है। क्या यही बुद्धिमत्ता है? क्या परेशानी या समस्या संसार में अन्य प्राणी, जिनमें जीवन है। उनको नहीं आती। कुछ समय पहले हमने देखा गायों को हम्पी वायरस नामक बीमारी आई। इससे उन्हें कितनी शारीरिक परेशानी होती थी। पर क्या किसी गाय ने ट्रेन या बस में भिड़कर आत्महत्या की? किसी पेड़ ने टक्कर मारकर सिर फोड़ा? अगर हम इस तरह के उदाहरण देखें तो मनुष्य को छोड़कर (अपवाद को छोड़) हर जीव मात्र और प्रकृति से समस्याओं से लडने की शिक्षा मिल सकती है। आप देखें ज्यादातर समस्याएं मनुष्य खुद अपने लिए पैदा कर लेता है और उसका निदान खोजें तो उसके अपने पास ही मिलेगा, क्योंकि वे वाह्य नहीं है। इसके लिए उसे चिन्तन और पुरुषार्थ करना पड़ेगा। पर वह शार्ट कट रास्ता खोजता है। शार्ट कट से किसी तरह की सफलता नहीं मिल सकती। हां उसे कुछ समय के लिए पोस्टपोन्ड कर सकता है निदान या निजात नहीं मिल सकती। यह एक तरह से समस्या से समझौता जैसी स्थिति है। हां कुछ कठिनाइयां परिस्थितिजन्य होती है। जिनका निदान संभव नहीं भी हो सकता। जैसे जन्म से किसी की लाईलाज बीमारी या अपन्गता। ऐसी स्थिति में वह व्यक्ति उसके साथ ही जीना सीख लेता है। कई व्यक्ति उसी कमजोरी को अपनी ताकत बनाकर बड़े बड़े लक्ष्यों को प्राप्त कर लेते हैं।

सारांश यह है कि जीवन जीने का यह एक बड़ा प्यारा सूत्र है। जैसे कोयले की गहरी खदान खोदने पर ही हीरा मिलता है। उसी प्रकार समस्याओं पर गहन चिंतन के बाद ही उसका निदान मिलता है। आज तेज गति का जमाना है। हर व्यक्ति अपने लक्ष्य और कामयाबी को जल्द से जल्द हासिल करना चाहता है। यहीं भूल करता है। यह तेजी रोमांच

तो पैदा करती है पर जीवन में उपद्रव शुरू हो जाता है। उसके लिए शान्त होकर, धैर्य और विवेक पूर्ण चिन्तन जरुरी है। यह मानकर चलें हमारी समस्या का निदान हमारे पास ही है अन्यत्र कहीं नहीं। जीवन के हर क्षण का आनन्द ले। जीवन का उत्सव मनाये।

बिनोद बिहानी, फरीदाबाद मो. 9312566095

उच्च शिक्षण से गृहस्थी पर दुष्परिणाम

शिक्षण हमें अर्थाजन के साथ संस्कार, संस्कृति पूर्ण होना जरुरी हैं। आज शिक्षण का प्रभाव बढ़ रहा है, यह निश्चित गौरव की बात है। उच्च शिक्षण लेकर युवक, युवतियां अपना कैरियर बनाती है। महानगरों में जाकर अच्छे पैकेज की नौकरी करना, इस बहाने वह अपने घर से निकल पड़ते हैं। एकत्रित परिवार, बुजुर्गों ने कड़ी मेहनत से कमाओ हुआ जायदाद, खेत खलिहान, पशुधन आदि छोड़कर महानगर में रहना उनके लिए अनिवार्य बनता है।

शारीरिक शिक्षण तो आज रहा ही नहीं। न महानगरो में पर्याप्त खुली जगह रहती है न क्रीडांगण, दिनभर लेपटॉप के सहारे काम करना। इसके परिणाम अंततः चिंताजनक हो रहे हैं। उच्च शिक्षित पती पत्नी में बेबनाव होना एवं तलाक होना यह समाज के लिए गंभीर बात है। दूसरी बात एक ही संतान में संतुष्ट होने से समाज की आबादी कम हुई है। उच्च शिक्षण लेने से घर काम करना, खेत खलिहान में काम करना आदि बातो से वह अनभिज्ञ रहते है। उच्च शिक्षण से, परिणामतः उनका धैर्य कम हो सकता है। कुछ करने की, जोखिम लेने की क्षमता भी कम होती है। शायद यही कारण है की संसार में उच्च पद पर कार्य करने वालो ने शिक्षण पूरा होने की तरफ ध्यान नहीं दिया। पुस्तकी ज्ञान पर्याप्त नही है यशस्वी होने को।

आज बढते हुए बाल संगोपन केन्द्र, शिशु पालन केन्द्र, वृद्धाश्रम इस का ही दुष्परिणाम है। सारांशः परिवार एकत्रित रहना, बच्चों को प्रेम मिलना, बुजुगों के आशीर्वाद ही सुख, शांति, समाधान के लिए जरुरी है, न कि ज्यादा पैकेज, जीवन भर घर संसार से दूर रहना। पहले गुरुकुलों में दी गई शिक्षा का अमल भी जरुरी तो है पर्यावरण संतुलन, आरोग्य के लिए भी यही यर्थाथ है। हमारे पुराने रीति रिवाज, संस्कार को, तीज त्यौंहारों को अंगीकृत करके ही हम सुख समाधान से रह सकते हैं।

गिरिजालाल तोषनीवाल, अहमदनगर (महाराष्ट्र)
संपर्क 0241-2550093

संस्कार की विधाएं

बहुत सही सटीक और सीधी बात है संस्कार की दो विधा समझ में आती है। एक गर्भाधान से लेकर अंत्येष्टि तक और दूसरे संदर्भ में दुर्गुणों, कमियों और हीनता को दूर करना तथा सद्गुणों को संचारित करना। विवाह पहले संदर्भ में मानव जीवन का एक बड़ा महत्वपूर्ण संस्कार है, जो मानव जाति के मानवता पूर्ण अस्तित्व का आधार है। इसे हम लोगों ने संस्कार के बजाय अपने वैभव के प्रदर्शन, अपनी भौतिक सुविधाओं और मनोकामनाओं की पूर्ति का साधन तथा मात्र मनोरंजन के रूप में परिवर्तित करके इस अटूट संस्कार को विभिन्न शर्तों वाले सौदे में बदल दिया है। नींव में जो सुदृढता अटूट बंधन से होती है, जो हर परिस्थिति में साथ और चारों पुरुषार्थों में साझीदार बनाती है, वो सुदृढ़ता मात्र भौतिक सुविधाओ के सौदे में नहीं हो सकती। सौदे में तो किसी भी बहाने या पूर्ति की कमी के आधार पर टूट होना काफी संभव है। अतः नींव का मजबूत होना बहुत जरूरी है।

संस्कार दूसरे संदर्भ में व्यक्ति के दुर्गुणों को दूर करना और सद्गुणों का व्यक्तित्व में संचार और विकास करना, अपने धर्म और संस्कृति में आस्था सुदृढ करना है। यह वो प्रक्रिया है जो यदि बाल्यावस्था में सावधानी से नींव की तरह मजबूती से डाली जाय तो स्थाई होने की सम्भावना प्रबल रहती है।

इसके लिए पालक, परिवार, समाज और विद्यालयों की बड़ी भूमिका है। माता-पिता पहले गुरु स्वयं बन कर विषय को जानें और समय निकाल कर संस्कार सिंचन को पहली प्राथमिकता दें, क्योंकि इस पर उनका और बच्चों का ही नहीं बल्कि समाज, देश या ये भी कह सकते हैं कि विश्व का स्वरुप सुखमय अथवा दुःखमय बनता है। यह समय का वो निवेश है जिसके बिना सुखी जीवन की कल्पना नहीं की जा सकती। सिर्फ लड़कियों को ही नहीं, लड़कों को भी सुसंस्कारो से सिंचित करना भी उतना ही जरूरी है।

सुसंस्कार संचार में पालक, परिवार, समाज और विद्यालयों को अपनी-अपनी भूमिका पूर्ण निष्ठा से निभाने में इस बड़ी समस्या का समाधान निहित है।

पालक की भूमिका - स्वयं अपने परिवेश, संस्कृति, धर्म, नियम, जाति और समाज की महत्ता समझें। अपने आचरण से उदाहरण प्रस्तुत करें। शुरुआत से ही बच्चों को इन विषयों से सरल चर्चा द्वारा परिचय कराते रहें। संध्या को शयन से पहले कुछ समय की नियमित पारिवारिक गोष्ठी एक अच्छा माध्यम है। यह पारिवारिक मित्रता को पुष्ट भी करती है और बच्चो के मार्ग दर्शन का मित्रता पूर्ण माध्यम भी होती है।

पढ़ाई-लिखाई महत्वपूर्ण है लेकिन यही एक मात्र जीवन का लक्ष्य नहीं है। अभिभावक भी समय के साथ होते हुए अच्छे बुरे परिवर्तनों से परिचित रहें और परिवार के सदस्यों को अच्छे परिवर्तन अपनाने को प्रोत्साहित करें। बुरे परिवर्तनों से सावधान करें।

समय-समय पर परिवार में उत्सव आदि परंपरागत रूप से मनाए और सभी को उसमें शामिल करें। परिवार में प्रभु की पूजा सेवा नियमित हों और कुछ भी सेवा का छोटा या बड़ा कार्य प्रत्येक सदस्य द्वारा भी हों। संपन्नता कितनी ही ज्यादा हों लेकिन कुछ कार्य परिवार के सदस्य स्वयं करें। यह स्वावलंबन, अनुशासन और उत्तरदायित्व जैसे गुणों के inculcation में सहायक रहेगा।

विवाह के महत्व और औचित्य, धार्मिक, सांस्कृतिक, सामाजिक पारिवारिक नियमों पर भी समयानुसार बात हो। इन विषय में स्वयं सरल रहते हुए उन्हे भी इस सरलता और सहजता का अर्थ समझाए। विवाह, मानव जीवन का एक बहुत बड़ा project हैं, इसे गंभीरता, तार्किक और सनातन संस्कृति और धर्म के अनुरूप लिया जाना श्रेष्ठ और श्रेयस्कर है।

धार्मिक और सांस्कृतिक प्रदूषण यह वह दुर्गुण हैं जो साहित्य, संचार के माध्यमों, सिनेमा, TV, Internet आदि के दुरुपयोग से बहुत हो रहा है। इनमें वो tool बहुत सक्रिय हैं जो हमारे धर्म और संस्कृति को नीचा दिखाने में लगे हैं, उद्दंड और स्वच्छंद आचरण को स्वतंत्रता बताते हैं। प्रस्थापित सही सामाजिक और पारिवारिक नियमों के हनन में लगे हैं। इनके दुष्प्रभावों से बचने के लिए पढ़ाई लिखाई के अलावा उपरोक्त सच्ची शिक्षा बहुत आवश्यक है।

एक और विशेष बात - सामाजिक और धार्मिक आयोजनो में जरुर जायें और अपने परिवार के सभी सदस्यों को लेकर जायें, विशेष रूप से बच्चों को लेकर। सामाजिक आयोजन कई बार मात्र मनोरंजन और सामाजिक राजनीति से ज्यादा ग्रस्त हो जाते हैं, तो भी इनकी कुछ उपयोगिता अवश्य बाकी होती है। इसमें सुधार की संभावना तभी बढेगी जब अधिक से अधिक लोग इनमें सक्रिय भाग लेंगे।

सामाजिक, धार्मिक, पत्रिकाओं में जिनमें अच्छे लेख, प्रेरक प्रसंग आदि छपते हों वो subscribe करें। इनका और सनातनी ग्रंथों का पठन-पाठन, चर्चा-विचारणा पारिवारिक गोष्ठी में समय समय पर हो।

इन सब में समय देना ऐसा Investment है जिसके प्रतिफल अनमोल होते हैं। अपने समय को स्वयं, परिवार, समाज और व्यवसाय के बीच उपयुक्त तरह से बांटना वो विज्ञान और कला है, जिससे हमारा जीवन आनंदमय बना सकते है। मजे और आनंद में क्या भेद है, यह हमारी संस्कृति और धर्म ने हमें अच्छे से बताया है।

श्री कृष्णकुमार माहेश्वरी,
अहमदाबाद

समाज के ध्वज को मूर्त रूप देने के लिए करने होंगे सांझा प्रयास

विशेषज्ञ और गुणीजन कहते आये है कि प्रगति के पथ पर हम कितने अग्रसर हुए है इसको आंकने के लिये सबसे पहले खुद का आंकलन करना जरूरी है, खुद के अंदर झाँकेंगे तब हम तय कर पाएंगे कि प्रगति पथ पर हम कितने कदम और वो कितनी सुदृढ़ता से बढे है, उसी पर हमारी प्रगति निर्भर करती है।

उपरोक्त को ही आधार बनाकर हम देख पाएंगे कि हमारा समाज और हमारी सामाजिक संस्थाओं कि गतिविधियां आज के परिवेश में कितनी कारगर रह पाई है और उनका कितना योगदान रहा है समाज की प्रगति पर। गत दिनों माहेश्वरी समाज को एक अनमोल और ऐतिहासिक प्राप्ति हुई है वो है आधुनिक युग का संभवत प्रथम 'महेश ध्वजः' जो कि प्रायोगिक रूप से बीकानेर कि पारिवारिक संस्था 'श्री प्रीति क्लब' ने दिनाक 27 मई 2023 को समाज के गणमान्य लोग एवं पदाधिकारीयों कि उपस्थिति में एवं वर्चुअल रूप से जुड़े राष्ट्रीय पदाधिकारियों द्वारा लोकार्पण करते समय निवेदन किया था कि इस ऐतिहासिक प्रयास को ज्यादा से ज्यादा और जल्द से जल्द तमाम प्रचार माध्यम से प्रचलित करके समाज के गुणीजन और समाज के इतिहास कि जानकारी रखने वालो से उनके विचार प्राप्त के संकलन के आधार पर एक राष्ट्रीय समिति को 'महेशध्वज' को मूर्ति रूप प्रदान करने का काम सोपे। हाल फिलहाल निजी व स्थानीय स्तर पर प्रचार का काम चार कदम चलने जितना हुआ है। जबकि इस अतुलनीय विषय को मूर्त रूप तक पहुंचने के लिए सम्पूर्ण समाज बंधू एवं संस्थाओ के द्वारा कही अधिक त्वरित गति से प्रयास होने चाहिए। हमें विश्वास है कि अखिल भारतीय कि अग्रणी संस्थाओ के द्वारा निश्चय ही इसकी रूप रेखा तैयार करने का काम चल रहा होगा और निकट भविष्य में पूरी रूप रेखा समाज बंधू के सामने लाई जाएगी ताकि जल्द से जल्द 'माहेश्वरी समाज' को अपना 'ध्वज' का प्रारूप प्राप्त होगा।

ये भी निवेदन रहेगा कि हमारे एम्बलम 'सेवा, त्याग, सदाचार' के प्रति भी एक मुहिम चले। ज्यादा से ज्यादा माहेश्वरी बंधू इसकी प्रतिमूर्ति को अपने घर, ऑफिस, दुकान आदि आदि पर विराजित करे इसके लिए प्रदेश, जिला, तहसील स्तर के पदाधिकारियों को निर्देश दे। पूरा विश्वास है इन दोनों कार्यक्रम द्वारा समाज में जागृति लाने में नए ऊर्जा का संचार होगा और समाज के प्रति सरोकारता बढ़ेगी। समस्त पाठको से भी विशेष आग्रह रहेगा कि हम सभी सामाजिक बंधु का यह कर्तव्य है कि जिस तरह भी हो सके अपना योगदान दे ताकि संस्थाओ को भी हम सबका जुड़ाव महसूस हो/आप अपने स्थानीय पदाधिकारियों को भी समय समय पर उपरोक्त विषय को लेकर हुई प्रगति पर चर्चा करे।

अशोक बागड़ी, बीकानेर मो. 998203 5337

पुरुषार्थी लोकलाज और समाज की दीवारों से नहीं घबराता

संसार में जब दो व्यक्तियों का पारस्परिक लौकिक प्रेम हो जाता है तो वे उस प्रेम में इतने मस्त हो जाते हैं कि लोकलाज की भी चिन्ता नहीं करते और लोगों द्वारा खड़ी की हुई दीवारों से भी नहीं घबराते। परन्तु हमारा तो प्रेम ईश्वर से है, हमारा प्यार तो सबके सद्गतिदाता एवं परमपिता से है, तब लोकलाज तथा लोगों द्वारा खड़ी की हुई दीवारों के कारण हमारे पुरुषार्थ में भी कमी क्यों होनी चाहिए? जिस परमपिता परमात्मा को प्राप्त करने से सर्व प्राप्तियाँ हो जाती हैं, अब उसको प्राप्त कर लेने पर तो हमारा सम्बन्ध पूरी तरह उससे होना चाहिए। अतः जब वह हमारी ही सद्गति करने के लिए हमें ज्ञान देने और योग सिखाने के उद्देश्य से अवतरित हुआ है तो फिर सीखने तथा अपनी सद्गति के लिए पुरुषार्थ करने में हमारी ओर से ढीलापन क्यों आना चाहिए? इस पुरुषार्थ के बारे में तो प्रसिद्ध है कि 'कोटि-कोटि में से कोई विरला ही यह पुरुषार्थ करता है', अतः पुरुषार्थी न करने वाले करोड़ों लोगों की आलोचना से हम क्यों डरें? इन बातों को सोचकर हमें अब अलबेलापन छोड़ना चाहिए और थकावट, आराम की आदत, लोक-लाज के डर आदि-आदि से तथा अपने ही संकल्पों से बनाई हुई ऊँची-ऊँची दीवारों से अपने पुरुषार्थ में रुकना व ढीला नहीं होना चाहिए। हमें पुरुषार्थ के लिए एक बार जो इशारा मिले. हम उसे खुशी-खुशी, स्फूर्ति से, बार-बार कहलाये बिना अपना कर्तव्य और लाभ समझकर तीव्रता से करें। फिर यदि हम यह याद रखें कि हरेक दिव्य गुण पद्मों रुपये मूल्य का है और उसे धारण करने से हम पद्मापद्म भाग्यशाली अथवा सतयुगी विश्व के महाराजन बनेंगे तो हमारे पुरुषार्थ में स्वाभाविक रूप से तीव्रता आयेगी ही।

रामस्वरूप झंवर, अंग्रेजी शिक्षाविद्,
9-10 शास्त्रीनगर विस्तार, भीलवाड़ा मो. 9252133251

मदमाती शाम

डॉ. नथमल झंवर, झंवर निवास
मेन रोड़, सिमगा मो. 9479107245

कैसी है सुबह और
कैसी यह शाम
दूर-दूर तक देखो
छाया अँधेरा
आए न आए
अब कोई सवेरा
लगता अब जीवन
का हुआ पूर्णविराम
जो अपने संग चले
साथी सब छूटे
काँटों के मारग ने
पाँवों कों लूटे
मंजिल तो मिली
नहीं हुआ अर्द्धविराम
फिर भी मैंने बाँधी
आशा की डोर
खुशियों का भोर
स्वर्णिम सी सुबह
और मदमाती शाम

समाज की गिरती जन्मदर व जनसंख्या चिंता का विषय है। गर्भधारण योग्य महिलाओं की व्यवहारिक समस्याओं को जाने-समझे बिना समस्या का निराकरण भी असंभव है। हमारा समाज अर्थोपार्जन हेतु व्यापार, उद्योग, खेती, आढत जैसी गतिविधियों में रत था। शनै-शनै नई पीढ़ी के युवक उच्च शिक्षा पाकर नौकरियों को अपना रहे हैं। युवतियां भी बेहतर जीवन-स्तर, आर्थिक सुरक्षा, स्वावलंबन व स्वाभिमान की चाह में नौकरियां करने लग गई हैं। वे जीवनसाथी के रूप में भी वेतन भोगी व दायित्व रहित छोटे परिवार के युवाओं को प्राथमिकता देती हैं। वे विवाहोपरांत नौकरी जारी रखने का विकल्प चाहती हैं। इस तरह से नवदंपत्ति के लिए मूल परिवार से जुड़े हुए, परंतु अलग स्वतंत्र जीवन यापन का वातावरण बन जाता है। दूसरे शहर में किराए के आवास में रहते हुए कम वर्जनाओं एवं मनोनुकूल वातावरण में कैरियर पर ध्यान केंद्रित करना तो आसान है, पर परिवार वृद्धि करने की चाह नहीं रह गई है। बच्चे के आगमन से निजी स्वतंत्रता में कटौती, आर्थिक पहलू, शारीरिक बनावट की चिंता, प्रसव सम्बन्धित व स्वास्थ्य जैसी दुश्वर चिंताएं जुड़ी है, पर इन सबसे भी गंभीर समस्या है गर्भावस्था, प्रसव, प्रसवोपरांत की देखभाल, बच्चे का लालन-पालन एवं देखभाल। वे युवतियां ही गर्भधारण का साहस कर पाती हैं जिनके पीहर, ससुराल में समुचित सहयोग मिलना सुनिश्चित हो, बच्चों के स्कूल जाने योग्य होने तक दम्पति को उसकी सार-संभाल के लिए पूरा समय देने की व्यवस्था हो। लेकिन परिवार से आयी अन्य महिलाओं की और जिम्मेदारियां भी होती है जिसके कारण वे बड़े लंबे समय तक लालन-पालन में सहयोग नहीं कर पाती हैं।

मातृत्व अवकाश के बाद भी महिलाओं का कैरियर खतरे में आ जाता है। शहरों में बच्चों की परिचारिका (आया) रखना भी महंगा सौदा है। उनसे संस्कारों की उम्मीद तो क्या ही करें। कैरियर, आर्थिक भार एवं अनुभवहीनता के चलते ज्यादातर दंपति संतानोत्पत्ति से ही हिचकते हैं। मेरा मत है कि यदि बच्चे की देखभाल के लिए एक संस्कारी, अनुभवी महिला उपलब्ध हो जिससे बच्चे की देखभाल से निष्फिक्र होकर जननी भी अपनी नौकरी जारी रख सके तो हालत में काफी सुधार आएगा।

दूसरी तरफ हमारा समाज अनेक विधवा, परित्यक्ता महिलाओं को मासिक आर्थिक मदद करता है जो कि उनके जीवनयापन का बड़ा सहारा है। यह अपने समय से प्रसव व बच्चों को पालने की गहरी समझ रखती हैं। बहुत सी महिलाएं एकाकीपन से भी ग्रस्त हैं। समाज को इन महिलाओं को प्रशिक्षण, प्रोत्साहन व आर्थिक सहयोग (अगर वह पालन घर चलना चाहे) देकर इन्हें परिचारिका के रूप में तैयार किया जा सकता है। इससे इन महिलाओं का जीवन भी सम्मानजनक व अर्थ पूर्ण हो जाएगा तो समाज को भी इस मद पर हो रहे खर्चे में आंशिक राहत मिलेगी। जिस मूल समस्या की हम चर्चा कर रहे हैं उसका काफी हद तक निदान मिलेगा।

निरंजन राठी, जयपुर मो. 9414055839

देहदान - महादान

स्वेच्छा से मृत्युपरांत अपनी देह का दान करना कानूनन मान्य है और एक नेक कार्य भी है पर हमारी मृतदेह का उचित उपयोग होगा भी या नहीं, इस बात पर मन आशंकित रहता है क्यूंकि हर क्षेत्र में भ्रष्टाचार उन्नति पथ पर है चाहे वह दानधर्म से संबंधित कार्य हो। सत्तर प्रतिशत लोगों का धर्म और ईमान सिर्फ और सिर्फ पैसा ही है। बेहतर होगा कि मृतक की मृत्युपरांत उसके सगे-संबंधी तुरंत ही निकटतम अंग-प्रत्यारोपण अस्पताल से संपर्क करे और वहां की आवश्यकतानुसार मृतक के अंग अथवा सम्पूर्ण देह का दान कर दे क्यूंकि एक निश्चित समय के बाद मृतदेह के अंग उपयोग में लेने के योग्य नहीं रहते हैं। बिना जरूरत के देहदान कर इतिश्री ना करें, देखा गया है कि ऐसे में उस मृतदेह की बड़ी दुर्गति होती है। मेडिकल कॉलेज में छात्रों को प्रेक्टिकल के लिए मृतदेह की आवश्यकता नहीं होती है, उनको अनगिनत लावारिस शव प्राप्त हो जाते हैं, वहां भी जब आवश्यकता से अधिक शव पहुंच जाते है तो आप समझ सकते हैं कि उनका क्या होता होगा। किसी नामचीन और कानूनन मान्यता प्राप्त संस्था के सहयोग से ही इस कार्य को पूरा करें वरना बिचौलिये अपनी झोली फैलाये मृत अंगों की तस्करी करने से भी नहीं चूकते। हिंदू तो देहदान को महादान मानते हैं पर बिना जरूरत के अंगदान या देहदान करना पुण्य का भागी नहीं बनाता। साथ ही इस बात से भी इंकार नहीं किया जा सकता कि सनातन धर्म में अंत्येष्टि का विशेष महत्व है, अन्यथा मोक्ष प्राप्त नहीं होती है। इसलिए अगर किसी को

आवश्यकता हो तो अंगदान अवश्य करें पर देहदान करके मानव जीवन की अंतिम विधि 'अंत्येष्टि' को अधूरा ना छोड़ें।

सौ. सुमिता मूंधड़ा, 7/8 अचल प्लाजा
मालेगांव - नाशिक मो. 7798955888

विविध समाचार

हैदराबाद-सिकंदराबाद (जिला) माहेश्वरी सभा प्रथम कार्यकारिणी बैठक आयोजित

हैदराबाद-सिकंदराबाद (जिला) माहेश्वरी सभा सत्र 2023-26 की प्रथम कार्यकारिणी बैठक दिनांक 17 अगस्त 2023 को VEG PARK (Shanbagh) बशीरबाग में संपन्न हुई। भगवान महेश पूजन एवं महेश वंदना से बैठक की शुरूआत हुई। सर्वप्रथम गत बैठक से इस बैठक में जिन समाज बंधुओं का निधन हुआ उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए 1 मिनिट का मौन रखा गया। सर्वप्रथम सभी पदाधिकारी एवं कार्य करने सदस्य जिला सभा द्वारा शपथ ग्रहण किया गया। अध्यक्ष भगवान पंसारी ने गत बैठक की कार्यवाही की स्वीकृति ली एवं सत्र 2023-26 की कार्यप्रणाली दीं। मंत्री राजेश मालपानी ने उक्त कार्यवाही का विश्लेषण देते हुए सभी समाज बंधुओं को तेलंगाना सरकार द्वारा प्रदत्त ईडब्ल्यूएस और कास्ट सर्टिफिकेट की जानकारी दी। दक्षिणांचल चुनाव प्रभारी ओमप्रकाश मोदानी, मुख्य चुनाव अधिकारी संजय लाहोटी, सह चुनाव अधिकारी भगवानदास सारडा एवं भगवानदास कासट द्वारा नवनिर्वाचित पदाधकारियों को निर्वाचन पत्र का वितरण किया गया, जिसमें अध्यक्ष भगवान पंसारी, मंत्री राजेश मालपानी, कोषाध्यक्ष पंकज मनियार, उपाध्यक्ष पवन मंत्री, वेणुगोपाल लोया एवं राजेश करवा, संयुक्त मंत्री राजेश बजाज, आनंदकुमार राठी व आनंद लखोटिया, संगठन मंत्री पंकज नावंदर, प्रचार मंत्री महेश (लड्डू) बंग, कार्यालय मंत्री रामदेव सारडा एवं शिवरतन बंग रहे। कार्यसमिति सदस्य श्री रमेश परतानी ने कहा की महासभा के निर्देशानुसार हमें सभी जिलो के क्षेत्रों में बाल संस्कार शिविर का आयोजन महिला एवं युवा संगठन को सम्मिलित करके करना अनिवार्य है। महासभा कार्यसमिति सदस्या श्रीमती भगवती देवी बल्दवा ने महासभा द्वारा संचालित सभी ट्रस्टों द्वारा प्रदत्त लाभों की जानकारी प्रस्तुत की। अखिल भारतीय माहेश्वरी महासभा दक्षिणांचल उपसभापति श्री अरूण कुमार भांगड़िया का सम्मान अध्यक्ष भगवान पंसारी एवं मंत्री राजेश मालपानी एवं कोषाध्यक्ष पंकज मनिहार ने किया। तेलंगाना आंध्र प्रादेशिक सभा के अध्यक्ष श्री कैलाश डालिया एवं महामंत्री CA कन्हैयालाल राठी ने भी अपने विचार व्यक्त किए। निवर्तमान अध्यक्ष श्री गोपाललाल बंग ने बैठक में पधारे सभी सदस्यो को धन्यवाद ज्ञापन दिया। बैठक के अंत में सभी सदस्यो एवं आमंत्रित अतिथियो ने शपथ ग्रहण किया। सभी नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को दक्षिणांचल चुनाव प्रभारी द्वारा प्रमाण पत्र दिए गए। मंच संचालन कार्यालय मंत्री रामदेव सारडा ने किया। यह जानकारी प्रचार मंत्री महेश (लड्डू) बंग ने दी।

माहेश्वरी युवा संगठन रांची द्वारा माहेश्वरी बॉक्स प्रीमियर लीग आयोजित

माहेश्वरी युवा संगठन रांची द्वारा द लीजेंड्स, कांके रोड में दो दिवसीय टूर्नामेंट माहेश्वरी बॉक्स प्रीमियर लीग का आयोजन किया गया, जिसका समापन 20/08/23 को हुआ। ROYALOAK (शुभम साबू) मुख्य प्रायोजक थे और बाबूलाल प्रेमसंस टूर्नामेंट के सह प्रायोजक थे। ट्रॉफी स्पांसर श्री राजकुमार चितलांगिया एवं श्रीमती सुमन चितलांगिया थे। टूर्नामेंट में 8 टीमों के माध्यम से कुल 75 खिलाड़ियों (54 पुरुष और 19 महिलाओं) ने भाग लिया। कार्यक्रम स्थल पर अद्भुत माहौल था, सभी प्रतिभागियों और दर्शकों ने उत्साह के साथ इसे देखा और स्वादिष्ट भोजन का आनंद लिया। अंकित काबरा, हिमांशु चितलांगिया, हार्दिक बिहानी और पीयूष सोढानी के नेतृत्व में टूर्नामेंट का आयोजन किया गया। माहेश्वरी ब्लास्टर्स टीम ने कप जीता और काबरा नाइट राइडर्स फर्स्ट रनरअप रही। टूर्नामेंट के दौरान झारखंड बिहार प्रदेश अध्यक्ष श्री राजकुमार मारू, झारखंड बिहार युवा संगठन अध्यक्ष श्री विवेक साबू, माहेश्वरी सभा रांची अध्यक्ष श्री किशन साबू, सचिव श्री नरेंद्र लखोटिया आदि विशिष्टजन ने उपस्थिति दर्ज करा के हौसला बढ़ाया। टूर्नामेन्ट के दौरान अध्यक्ष विनय मंत्री, सचिव हेमन्त चितलंगिया, सौरभ साबू, पंकज साबू, विकास काबरा, अंकुर डागा, श्याम बिहानी, अक्षय मालपानी, उत्सव मंत्री, धीरेन्द्र राठी, हर्षित चितलांगिया, कुणाल बोड़ा, अंकित मंत्री और माहेश्वरी युवा संगठन रांची के कई सदस्य उपस्थित थे।

अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन की प्रथम कार्यसमिति बैठक 'मंगलाचरण' सम्पन्न
महिला संगठन के नाम दर्ज हुआ एक ओर 'गोल्डन बुक ऑफ विश्व रिकॉर्ड'

राष्ट्रीय महिला संगठन के त्रयोदश सत्र की प्रथम राष्ट्रीय कार्यसमिति बैठक दिनांक 8, 9, 10 अगस्त 2023 प्रसिद्ध तीर्थ नगरी नासिक में संपन्न हुई। इस बैठक का आयोजन महाराष्ट्र प्रदेश माहेश्वरी महिला संगठन व आतिथ्य नासिक जिला माहेश्वरी महिला संगठन ने किया था। प्रकल्प प्रदर्शक पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष कल्पना गगरानी, स्वागत अध्यक्ष राष्ट्रीय कार्य समिति अरुणा लढ्ढा व स्वागत मंत्री शैला कलंत्री के नेतृत्व में यह बैठक अत्यधिक सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई। 8 अगस्त को सावन के अधिक मास की पुरुषोत्तम बेला में त्रयंबकेश्वर ज्योतिर्लिंग के दर्शन किये गये। त्रयम्बकेश्वर की स्थानीय संगठन की बहनो द्वारा पदाधिकारियों का स्वागत भी किया गया। संध्या 7 बजे सर्वप्रथम राष्ट्रीय अध्यक्ष, महामंत्री तथा राष्ट्रीय पदाधिकारियों द्वारा मंच पूजन किया गया। तत्पश्चात राष्ट्रीय महिला संगठन द्वारा सभी बहनों का पिन लगाकर स्वागत किया। आयोजक संस्था द्वारा सुंदर सावन महोत्सव का आयोजन मेले के रूप में किया गया था जिसमें सभी बहनों ने उत्साह पूर्वक भाग लिया। मनोरंजन गेम्स झूले के साथ सावनी गीत नृत्य संगीत का मनोहारी कार्यक्रम महोत्सव का विशेष आकर्षण रहा।

9 तारीख को सुबह 10 बजे से 1 बजे तक भव्य उद्घाटन समारोह हुआ। रामायण थीम के अनुरूप स्वागत करते हुए राष्ट्रीय पदाधिकारीयों को रथ में बैठाकर राम-राम की धुन के साथ सभागार में प्रवेश कराया गया। साथ ही रामायण के विभिन्न पात्रों अहिल्या शबरी आदि की वेशभूषा में खड़ी बहनों ने सुंदर स्वागत किया। अपनी अपनी तूलिका अपने अपने राम चित्र कला प्रतियोगिता के माध्यम से सम्पूर्ण सभागार श्री राम की विभिन्न लीलाओं से सुसज्जित था।

दीप प्रज्वलन के साथ ही गणेश वंदना के रूप में सुंदर नृत्य प्रस्तुत किया गया। अतिथियों के स्वागत में सुंदर सांस्कृतिक प्रस्तुति दी गई विशेष रूप से हनुमान चालीसा पर सामुहिक नृत्य प्रस्तुति अद्भुत तथा अविस्मरणीय थी जिसने सभी का मन मोह लिया। स्वागत अध्यक्ष श्रीमती अरुणा लढ्ढा द्वारा मंचासीन अतिथियों का अत्यंत सुंदर शाब्दिक स्वागत किया गया। उद्घाटनकर्ता राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती मंजू बांगड, प्रमुख अतिथि राष्ट्रीय महामंत्री श्रीमती ज्योति राठी, श्री रामनिवास मानधने, विशेष अतिथि श्री प्रमोद भुराडिया, लक्ष्मीकांत राठी, पियूष सोमानी व सविता राठी थे। निवर्तमान अध्यक्ष आशा माहेश्वरी, मां रत्नीदेवी काबरा आदि सभी अतिथियो को आयोजक संस्था महाराष्ट्र प्रदेश की अध्यक्ष सुनीता पलोड ने शब्द सुमन से स्वागत किया, स्वागत मंत्री शैलाजी कलंत्री द्वारा त्रिदिवसीय कार्यक्रम की जानकारी दी गई।

मंचासीन सभी अतिथियों ने सदन के समक्ष अपने विचारों को रखा। राष्ट्रीय महामंत्री ज्योति राठी द्वारा सर्वप्रथम मंगलाचरण के सुंदर व भव्य आयोजन के लिए आयोजक संस्था व आतिथ्य के लिए नासिक जिला को बधाई प्रेषित की। कार्यालय मत्री श्रीमती प्रीति तोषनीवाल के सौजन्य से राष्ट्रीय अध्यक्ष मंजू बांगड़ एवं अतिथियों द्वारा सर्वप्रथम संगठन की परिचय पुस्तिका 'पुष्पक' व महाराष्ट्र प्रदेश की परिचय पुस्तिका 'सेतुबंध' का विमोचन किया गया। महाराष्ट्र प्रदेश द्वारा पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती कल्पना गगरानी को जीवन गौरव सम्मान प्रदान कर उनका अभिनंदन किया गया उक्त अवसर पर आदरणीय कल्पना दीदी व गगरानीजी ने अपने सुंदर विचार रखें। राष्ट्रीय महिला संगठन की ओर से पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती विमला साबू व श्रीमती सुशीला काबरा का 75 वे जन्म दिवस के उपलक्ष में पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष गीता मूंदड़ा द्वारा अभिनंदन व सम्मान किया गया। राष्ट्रीय अध्यक्ष मंजू बांगड़ द्वारा उनका सम्मान पत्र वाचन कर उन्हें सम्मानित किया। इस अवसर पर श्री साबू भी उपस्थित थे। हर्ष उल्लास कि बेला में श्रीमती साबू तथा श्रीमती काबरा द्वारा संगठन के प्रति आभार भी अभिव्यक्त किया गया।

संगठन में शक्ति है-सत कार्यों की भक्ति है इसी कहावत को चरितार्थ करते हुए अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन ने संकल्प सिद्धा समिति के अंतर्गत 'नव हरीतिमा' स्वच्छ हवा-हरित-समृद्ध धरा कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसके अंतर्गत दिनांक 29 जुलाई 2023 को एक ही दिन में पूरे भारतवर्ष तथा नेपाल में औषधीय पौधों का वृक्षारोपण किया। संगठन ने संपूर्ण भारतवर्ष में विभिन्न शहरों और छोटे-छोटे गांवों में भी एक ही दिन में कुल 2,72,647 औषधीय पौधारोपण (तुलसी, नीम, गिलोय, आंवला, सदाबहार, हल्दी, हरसिंगार, एलोवेरा, अश्वगंधा, बबूल, करी पत्ता, नींबू, पुदीना, अर्जुन आदि) कर एक रिकॉर्ड लक्ष्य प्राप्त किया। एक ही दिन में यह सर्वाधिक

औषधीय पौधे स्कूल, हॉस्पिटल, वृद्धाश्रम, सामाजिक भवन, अनाथ आश्रम, फैक्ट्री, सोसाइटी परिसर आदि में लगाए गए।

इसके लिए गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड के एशिया हेड डॉ. मनीष विश्नोई ने स्वयं उपस्थित होकर मीटिंग में इसकी घोषणा की तथा राष्ट्रीय अध्यक्ष मंजू बांगड एवं राष्ट्रीय महामंत्री ज्योति राठी को यह प्रमाण पत्र प्रदान किया। राष्ट्रीय अध्यक्ष मंजू बांगड ने कहा यह संगठन की सामुहिक शक्ति का परिणाम है। त्रयोदश सत्र के घोषवाक्य 'पर उपकार वचन मन काया' को सार्थक करते हुए सभी आंचलिक, प्रादेशिक, जिला, स्थानीय, तहसील के पदाधिकारी तथा कार्यकर्ता बहनों ने मिलकर सामुहिक प्रयास किया। विशेष रुप से संकल्प सिद्धा ग्राम विकास व राष्ट्रोदय समिति की प्रभारी भावना राठी, प्रदर्शक रेनू सारड़ा, सह प्रभारी नीतू सोमानी, सुनीता रादंड, श्रद्धा राठी, मंजूषा राठी, प्रभा चांडक आदि के प्रयास सराहनीय थे तथा मध्यांचल की पदाधिकारी उपाध्यक्ष उर्मिला कलंत्री, संयुक्त मंत्री अनीता जावदिया, पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष कल्पना गगरानी की विशेष सहभागिता रही।

संपूर्ण कार्यक्रम के संयोजन में संचार सिद्धा तकनीकी ज्ञान समिति की राष्ट्रीय प्रभारी भाग्यश्री चांडक तथा उनकी टीम का अत्यधिक सहयोग प्राप्त हुआ। बड़े प्रदेशों में सर्वाधिक पौधारोपण पूर्वी मध्य प्रदेश द्वारा 31684 हुआ तथा छोटे प्रदेशों में सर्वाधिक पौधारोपण मध्य उत्तर प्रदेश कानपुर द्वारा 15300 हुआ। उक्त कार्यक्रम की सरकार, वन विभाग एवं प्रशासन के सभी अधिकारियों द्वारा अत्यधिक सराहना की गई तथा इस अवसर पर राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष किरण लढ्ढा राष्ट्रीय संगठन मंत्री ममता मोदानी तथा निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष आशा माहेश्वरी, स्वागत अध्यक्ष अरुणा लड्ढा, स्वागत मंत्री शैला कलंत्री, संरक्षक मंडल मां रतनी देवी, लता लाहोटी, गीता मूंदड़ा, विमला साबू, सुशीला काबरा एवं सम्पूर्ण भारतवर्ष की नेपाल चैप्टर सहित 27 प्रदेशों की अध्यक्ष, मंत्री, पदाधिकारी बहने उपस्थित थी। इस प्रकार प्रथम राष्ट्रीय बैठक मंगलाचरण मंगल सफलता का सूचक बनी।

नासिक जिला अध्यक्ष श्रीमती नैना हेडा द्वारा कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों, पदाधिकारीयों व सभी बहनों का आभार प्रगट कर अपनी सुंदर शब्द रचना द्वारा सभी को दिल की गहराइयों से धन्यवाद दिया। साथ ही उदघाटन समारोह संपन्न हुआ। श्रीमती रचना मालपानी व प्राची जाजू द्वारा सुन्दर व सटीक शब्दो में उद्घाटन सत्र का संचालन किया गया।

अष्टसिद्धा समिति द्वारा PST ट्रेनिंग प्रोग्राम गुरुकुल का प्रथम सत्र प्रारंभ हुआ

महामंत्री श्रीमती ज्योति राठी द्वारा कार्यक्रम को प्रारंभ कर गुरुकुल के प्रसिद्ध स्पीकर के रूप में पधारे अतिथियों को मंचासीन कर राष्ट्रीय अध्यक्ष मंजू बांगड़, निवर्तमान अध्यक्ष आशा माहेश्वरी, प्रकल्प प्रदर्शक मधु बाहेती द्वारा स्वागत किया गया। अष्ट सिद्धा समिति की राष्ट्रीय प्रभारी नम्रता बियानी ने कार्यक्रम का संचालन कर शुभारंभ किया। समिति के सभी सहप्रभारियों ने आए हुए ट्रेनर्स का परिचय दिया। श्री गिरीश मालपानी, श्री राजेश चांडक, श्री द्वारकादास जालान ने अपने अपने विचार व्यक्त किये। गुरुकुल के सभी ट्रेनर्स ने विभिन्न एक्टिविटी के साथ में कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षण दिया। सम्पूर्ण राष्ट्र के प्रदेश अध्यक्ष, सचिव, कार्यसमिति व कोषाध्यक्ष के ट्रेनिंग के लिए यह कार्यक्रम रखा गया था।

अष्टसिद्धा समिति प्रभारी श्रीमती नम्रता बियानी व सभी आंचलिक सहप्रभारियों ने बहुत ही सुचारू रूप से कार्यक्रम को संपादित किया। रात्रि में अधिक मास के उपलक्ष में महाराष्ट्र प्रदेश की समाज की प्रतिभाओं द्वारा अविस्मरणीय सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया गया।

कोलकात्ता में स्व. श्री बद्री विशाल नागौरी की पुण्यतिथि पर गीता प्रवचन एवं सम्मान समारोह

प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी श्री रामगोपाल सोहिनी देवी नागोरी चैरीटेबल ट्रस्ट, श्री डीडवाना नागरिक सभा एवं कोलकाता प्रादेशिक माहेश्वरी सभा के संयुक्त तत्वावधान में श्रद्धेय स्व. श्री बद्री विशाल नागोरी की 21वीं पुण्य तिथि पर वार्षिक व्याख्यानमाला का आयोजन 2 अगस्त, 2023 को स्थानीय कला कुंज सभागार में किया गया। हमारे जीवन में गीता का महत्व विषय पर ओजस्वी वक्ता एवं गीता मर्मज्ञ, इस्कॉन के स्वामीजी श्री राधावल्लभ दास जी महाराज का व्याख्यान हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री संतोष सराफ ने की। स्वागत भाषण श्री डीडवाना नागरिक सभा के अध्यक्ष श्री अरूण मल्लावत ने प्रस्तुत किया। श्रीमती मधु माहेश्वरी ने श्रीभगवत गीता एवं अपने पिता स्व. श्री बद्री विशाल नागौरी के प्रति अपने मनोभाव व्यक्त किए। इस अवसर पर डॉ. मनोज कुमार डागा को स्व. श्री बद्री विशाल नागोरी स्मृति सम्मान से सम्मानित किया गया। श्री सम्पत मानधना द्वारा भजन प्रस्तुति व श्री नीरव नागोरी द्वारा कविता पाठ किया गया। हरीश तिवाड़ी ने कार्यक्रम का कुशल संचालन किया तथा सूरज नागोरी द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

राजगढ़ माहेश्वरी महिला मंडल द्वारा पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित

राजगढ़ माहेश्वरी महिला मंडल द्वारा 28 जुलाई को भक्कड आदर्श बालिका विद्यालय, पौदार बगीची, खेल मैदान व अन्य कई जगह पर सैकड़ों की संख्या में पौधे लगाए गए। मंडल अध्यक्ष दुर्गा लोहिया द्वारा विधालय में 1100 रूपये बच्चों के लिए भेट स्वरूप दिऐ। उपाध्यक्ष सीमा मोहता, समिति सदस्य श्वेता तोषनीवाल, कलावती, रचना, मोनिका लोहिया व सरिता माहेश्वरी ने बच्चों को बिस्कुट वितरित किये। पौधारोपण में पीयुष लोहिया, प्रीयम लोहिया का सराहनीय सहयोग रहा।

माहेश्वरी भवन खामगांव के नवीनीकरण युक्त कार्यालय का हुआ उद्घाटन

माहेश्वरी भवन खामगांव के नूतन कार्यालय का उद्घाटन 30/7/2023 को अ.भा.मा. महासभा के राष्ट्रीय महामंत्री अजय काबरा के करकमलो द्वारा संपन्न हुआ। इस अवसर पर उनके साथ सभापति कार्यालय सह मंत्री नारायण राठी, संयुक्त मंत्री (मध्यांचल) दिनेश राठी, विदर्भ प्रादेशिक माहेश्वरी संगठन के वरिष्ठ उपाध्यक्ष कमल किशोर माहेश्वरी, पूर्व विदर्भ प्रदेश अध्यक्ष सज्जन कुमार मोहता, माहेश्वरी मंडल खामगांव के अध्यक्ष दिनेश गांधी, कार्यालय नवीनीकरण हेतु विशेष सहयोग देने वाले जेष्ठ समाज बंधु मदनलाल गोदाणी, कार्यक्रम सन्मवयक विवेक मोहता, जिला अध्यक्ष संजय सातल, विदर्भ प्रदेश सह मंत्री डॉ. विजय टावरी, महिला संगठन की जिला अध्यक्षा सुनिता भैय्या, तहसील अध्यक्षा नीता चांडक इत्यादि मान्यवर मंचासीन थे। अतिथि गणों का परिचय पूर्व अध्यक्ष सुभाष मंत्री, मंडल के कोषाध्यक्ष जगदीश नावंदर एवं सहसचिव आनंद झंवर ने सभागृह कार्यक्रम की प्रस्तावना मंडल के अध्यक्ष दिनेशजी गांधी ने की। राष्ट्रीय महामंत्री ने खामगांव माहेश्वरी समाज के कार्यो की सराहना की। माहेश्वरी भवन के नव निर्मित कार्यालय के नूतनीकरण के लिए जेष्ठ समाज बंधु श्री मदनलाल गोदाणी ने अपने स्वर्गीय पुत्र राजेश गोदाणी की स्मृति में सहकार्य किया। कार्यक्रम के अंत में खुला चर्चा सत्र भी रखा गया जिसमें उपस्थित समाज बंधुओ ने विविध प्रश्न उपस्थित किये जिसका निराकरण राष्ट्रीय महामंत्री द्वारा किया गया। कार्यक्रम का संचालन संजय सातल एवं सपना ने किया तथा आभार प्रदर्शन मंडल के सचिव विवेक मोहता ने किया। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए माहेश्वरी मंडल, महिला मंडल, बहु-बेटी मंडल, महेश सेवा समिति, महेश परिवार, वरिष्ठ महिला प्रकोष्ठ, तालुका संगठन, जिला संगठन के सभी साथियों ने सहकार्य किया।

सोमानी परिवार, लक्ष्मणगढ़ ने किया अनुकरणीय कार्य

लक्ष्मणगढ़ के मूल निवासी तथा वर्तमान अहमदाबाद निवासी श्री राजकुमार जी रतनकुमार जी सोमानी ने अपने पिता स्व. श्री मदनलाल जी सोमानी के मरणोपरान्त उनके द्वादशा के अवसर पर उनके द्वारा किये गये समाज सेवा के कार्यो का अनुसरण करते हुए श्री माहेश्वरी सेवा सदन, लक्ष्मणगढ को एक डीप फ्रीज भेंट किया। श्री लक्ष्मणगढ माहेश्वरी सेवा समिति के अध्यक्ष श्री अनिल सोमानी एवं समस्त कार्यकारिणी सदस्यों ने सोमानी परिवार को साधुवाद देते हुए भगवान महेश से दिंवगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान प्रदान करने की प्रार्थना की।

अकोला वरिष्ठ नागरिक महिला प्रकोष्ठ द्वारा पुरूषोत्तम मास में धार्मिक आयोजन

अकोला वरिष्ठ नागरिक महिला प्रकोष्ठ द्वारा भक्ति भाव- श्रृद्धा के साथ मंत्र उच्चारण के साथ सवा लाख चिरमी की लाखोळी प्रभु चरणों में अर्पित की। तत्पश्चात मंडल के संस्थापक मार्गदर्शक सुशीला गांधी, राजकुंवर लढ्ढा, अध्यक्षा सरोज लढ्ढा, उपाध्यक्षा पुष्पलता मालपानी, कुमुद राठी, सचिव मंगला तापडीया, सह-सचिव कान्ता चांडक, संतोष लोहिया, कोषाध्यक्ष सरला कोठारी तथा अंकेक्षक किरण लढ्ढा ने बादाम, काजू, किसमीस, माखन, मिसरी, मेवा तथा फलो द्वारा भगवान की तुला की सभी ने पूजा अर्चना तथा आरती प्रसाद का लाभ लिया। पश्चात नवनिर्वाचित माहेश्वरी महिला मंडल तथा नवयुवती मंडल के पदाधिकारी सल्लाहगार रचना लढ्ढा, हेमा खटोड, अध्यक्षा शिल्पा चांडक, उपाध्यक्षा मीना टावरी, सचिव ज्योति बियाणी, सह-सचिव स्मिता अटल तथा सरला कोठारी, स्नेहल सावल, सावी शंवर का टीआरो, पुष्प तथा सुयोग्य विशेषता से अलंकृत कर प्रकोष्ठ मंडल के पदाधिकारियों ने सम्मान किया। शिल्पा चांडक तथा स्नेहन सावल ने आगामी आयोजन की पृष्ठभूमि सादर की। राजकुंवर लढ्ढा ने उन्हें बधाई देकर उत्साह द्विगुनित किया। फूलकंवर बंग, सरला कोठारी, राजकुंवर लढ्ढा, वीणा चांडक, शान्ता लढ्ढा, पुष्पा भैय्या, सुशीला कोठारी आदि बहनों ने गा बजाकर माधुर्य की वर्षा की। आयोजन में माहेश्वरी समाज ट्रस्ट वरिष्ठ मंडल, महिला मंडल, प्रगति मंडल, नवयुवति मंडल की उपस्थिती रही। बड़ी संख्या में कार्यकारिणी तथा सदस्य बहनों का सहयोग रहा। आयोजन का संचालन सचिव मंगला तापड़िया तथा आभार प्रदर्शन कुमुद राठी ने किया। भोजन प्रसादी के पश्चात समापन हुआ।

माहेश्वरी महिला मंडल सीकर द्वारा तीज लहरिया के कार्यक्रम आयोजित

माहेश्वरी महिला मंडल सीकर द्वारा मौज महल में तीज लहरिया के कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें तीज क्वीन कविता सारडा राधिका सोमानी रही। प्रोजेक्ट चेयरमैन गरिमा सारडा, निर्मला चेचानी, मनीषा साबू ने अत्यंत शानदार तरीके से कार्यक्रम का संचालन किया। सभी महिलाओं ने खूब मस्ती की। अध्यक्ष गीता साबू, सचिव रुचि साबू सहित माहेश्वरी महिला मंडल की गणमान्य महिलाएं उपस्थित रही।

जयपुर में त्रिदिवसीय भागवत कथा का आयोजन

जयपुर जिला माहेश्वरी महिला संगठन के अन्तर्गत क्षेत्रीय माहेश्वरी महिला संगठन जोन-5 द्वारा श्री सिद्धेश्वर हनुमान मन्दिर (स्वेज फार्म रोड) में त्रिदिवसीय श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन किया गया। कथावाचक श्रीमती राज राजेश्वरी वल्लभ जी चितलांग्या ने दिनांक 28 से 30 जुलाई, 2023 तीन दिन में पूरी भागवत का सार बताया। श्रीमती चितलांग्या भागवत कथा वाचन हेतु कोई दक्षिणा नही लेती है। सिद्धेश्वर हनुमान मन्दिर के महन्त 1008 श्री अवधेश दास जी महाराज ने मन्दिर प्रांगण निःशुल्क उपलब्ध करवाया। इस कथा की प्रायोजक रेखा धूत, विजयलक्ष्मी बियाणी, संतोष बियाणी, प्रिन्सी मंडोवरा, उषा राठी, दुर्गा राठी एवं सरिता मोहता थी। तीनों दिन करीब 200 महिलाओं ने उपस्थित होकर कथा श्रवण का लाभ लिया। इस कथा में पूर्वोत्तर राजस्थान प्रदेश के पूर्व अध्यक्ष श्री राधेश्याम परवाल, प्रादेशिक सभा के उपाध्यक्ष श्री रामअवतार आगीवाल, महेश अस्पताल के चिकित्सा मंत्री श्री सत्यनारायण मोदानी, श्री भवानी शंकर बाहेती, प्रदेश महिला संगठन की अध्यक्ष पूनम दरगड़ एवं मंत्री सुनिता जैथलिया, श्री माहेश्वरी महिला परिषद की मंजू सोढानी, अल्पना सारडा, सुनीता पेडीवाल तथा जिला संगठन के विभिन्न पदाधिकारी भी उपस्थित रहे। समापन के दिन करीब 150 लोगों ने प्रसादी ग्रहण की।

माहेश्वरी परिवार मिलन समारोह आयोजित

सगंठन आपके द्वार बेनर तले 'माहेश्वरी परिवार मिलन' समारोह की अगली कड़ी में मीटिंग श्री गौरीशंकर जी मनीष चितलागींया के घर पर आयोजित की गई, जिसमे समिति, महिला व युवा तीनों संगठनों के करीब 18 सदस्यों ने भाग लिया। महिने में 2 बार माहेश्वरी परिवारों के घर जाकर केवल एक घंटा मीटिंग करने का मुख्य उद्देश्य माहेश्वरी परिवार को संगठित करना, समाज में जो समस्याएं आ रही है उन पर व उनके निवारण व पूर्वजो की धरोहर संस्कार व सभ्यता को छोड़कर अलग दिशा में जा रहे हैं उस पर विस्तार से चर्चा करना है। इस मीटिंग में स्पेशली 25 से 40 साल तक की उम्र की युवतियों व युवाओ के उपरोक्त विषयो पर विचार जानना मुख्य उद्देश्य था।

माहेश्वरी समाज, राजसमंद का सातूडी तीज-त्यौंहार सिंजारा सम्पन्न

श्री महेश प्रगति संस्थान राजसमंद का सिंजारा व सातूडी तीज महोत्सव का आयोजन रामेश्वर महादेव मंदिर पर किया गया। महोत्सव में महिलाओं द्वारा लहरिया क्वीन, ग्रुप डांस, हाउजीगेम का आयोजन किया गया। प्रतिभा सम्मान में पूजा काबरा के सीएस बनने व प्रमिला कालिया को बेस्ट पेंटिंग के लिए सम्मानित किये गये। समारोह में विधायक श्रीमति दीप्ति माहेश्वरी, अखिल भारतीय महासभा के श्री सत्य प्रकाश काबरा, रामगोपाल सोमानी, प्रादेशिक केदारमल न्याति, जिला सदस्य लक्ष्मी लाल ईनाणी, भगवतीलाल असावा संगठन मंत्री, संस्थान के अध्यक्ष रामगोपाल अजमेरा, सचिव विनोद पोरवाल, किशन न्याति, जगदीश गोपाल मंडोवरा, कल्पेश इनानी, महेश पोरवाल, गौरव दाखेडा, लोकेश कोगटा, बादल बियानी, सीता राम मंत्री, हरक चंद मंत्री, चिरंजी लाल बजाज, महिला अध्यक्ष श्रीमती मानकंवर न्याति, उपाध्यक्ष तारा ईनाणी, सरिता लढा, मीनाक्षी, सुशीला असावा, सरोज गट्टानी, पूर्व अध्यक्ष सीमा असावा, कोषाध्यक्ष मंजू जेथलिया, मंजू अजमेरा सहित कई समाज जन एवं महिलाए उपस्थित थी। मंच संचालन राधिका लढ़ा ने किया। यह जानकारी समाज मीडिया प्रभारी श्री लक्ष्मी लाल ईनाणी द्वारा प्रदान की गई।

वसंत विहार क्षेत्र सभा, भीलवाड़ा द्वारा सिंजारे का कार्यक्रम

बसंत विहार गांधीनगर माहेश्वरी क्षेत्रिय सभा भीलवाड़ा के तत्वाधान में महिला मंडल की ओर से सिंजारे का कार्यक्रम मंडल अध्यक्ष शोभा राठी के नेतृत्व में आयोजित किया गया। संगठन मंत्री ज्योति माहेश्वरी ने बताया कि इस अवसर पर क्षेत्रीय सभा की महिलाओं ने मेहंदी लगाकर सजधज कर उत्साह पूर्वक भाग लिया। महिलाओं ने एक से बढ़कर एक पारंपरिक गीत गाये व अंताक्षरी खेली। कार्यक्रम में राधेश्याम चेचाणी, कैलाश कोठारी, जगदीश कोगटा, राधेश्याम सोमानी, अनिल बागड़, सुरेश कचोलिया, अशोक बाहेती, देवेंद्र सोमानी आदि व सभी क्षेत्र सभा के अध्यक्ष, सचिव अतिथि के रूप में मौजूद रहे। आयोजन को सफल बनाने में सत्येंद्र बिरला, राजेंद्र प्रसाद बिरला, पवन मंत्री, दिनेश सोमानी, मनीष अजमेरा, सौरभ माहेश्वरी, पवन राठी, विपिन असावा सहित सभी सदस्यों का सहयोग रहा। अंत मे सामुहिक भोज का आयोजन भी किया गया। कार्यक्रम में लीला राठी, स्नेहलता आगाल, सुधा असावा, मोनिका मून्दड़ा, शकुंतला नामधर, शशि धुपर सहित बसंत विहार गांधी नगर माहेश्वरी महिला मंडल की सभी सदस्याएं उपस्थित रही।

माहेश्वरी कला संस्कृति वाराणसी ने किया जरूरत की वस्तुओं का वितरण

पुरषोत्तम मास के पुण्य महीने में माहेश्वरी कला संस्कृति की 55 सदस्याओ ने हर घर से 33 वस्तुओं का वितरण शहर के कुटुम्ब संस्था, खुला आसमान, अन्ध विद्यालय, खुशी आश्रम, वृद्ध आश्रम, कुष्ट आश्रम, सड़क किनारे रहने वाले बच्चों में दैनिक उपयोग में आने वाली वस्तुओं का वितरण किया। कहते हैं ना कि बूंद-बूंद से घड़ा भरता है इस कहावत को चरितार्थ करने के लिये स्नेहा मूंदड़ा, ज्योति मारू, राधिका डागा, डॉ. भाग्यश्री लोहिया, सलोनी लखोटिया, निशा कोठारी, खुशबू लढा, साक्षी मारू पेशवानी के अद्धितीय सहयोग से यह सम्भव हो पाया। माहेश्वरी कला संस्कृति की अध्यक्ष सविता राठी, मंत्री अदिति बिसानी ने सभी का आभार व्यक्त किया।

चन्द्रयान-3 में माहेश्वरी महिला वैज्ञानिक

देशनोक (बीकानेर) के श्री मोहनलाल कासट की पुत्रवधु, श्री पंकज कासट की धर्मपत्नी नेवीगेशन सिस्टम की वैज्ञानिक श्रीमती नीलू कासट (कालू -बीकानेर निवासी स्व. श्री काशीराम राठी की सुपौत्री और बीकानेर निवासी श्री मगनलाल राठी की सुपुत्री) ने इसरो की वैज्ञानिक टीम का महत्वपूर्ण हिस्सा बनकर एक नया इतिहास रच दिया।

जिन गांवों में न बिजली थी और न ही पानी की समुचित व्यवस्था थी वहां की बेटी और बहू की यह छलांग सिद्ध करती है कि माहेश्वरी संख्याबल से नहीं बुद्धिबल से आंका जाने वाला समाज है। सुन्दर लाल साड़ी में लिपटी, साधारण सी दिखने वाली महान वैज्ञानिक सोमनाथ जी के दाहिनी तरफ खड़ी नीलू चन्द्रयान-3 की अपनी सफल और महत्ता की कहानी बिन बोले ही सुना रही है। माहेश्वरी सेवक पत्रिका परिवार श्रीमती नीलू कासट का हार्दिक अभिनन्दन करता है।

फरीदाबाद में सुपोषित माँ अभियान कार्यक्रम आयोजित

माहेश्वरी सेवा ट्रस्ट, फरीदाबाद ने 17 अगस्त, 2023 को एफ.आर.यू-1 (FRU-1), सेक्टर-30, फरीदाबाद में 'सुपोषित माँ अभियान' कार्यक्रम को सुचारू रूप से चलाते हुए सातवीं बार 'सुपोषित आहार ' की किट वितरित की। कार्यक्रम की शुरुआत महेश वंदना से की गई। इसके पश्चात मुख्य अतिथि 'निकिता माहेश्वरी' का स्वागत ऋचा माहेश्वरी (मिमाणी) एवं पूर्वी माहेश्वरी (आगीवाल) द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम का संचालन कार्यक्रम संयोजक श्रीमती आशु झंवर ने किया। इसमें 170 गर्भवती महिलाओं और 33 टीबी मरीजों को सुपोषित आहार की किट प्रदान की गई। इस कार्यक्रम में लगभग 325 लोगों द्वारा सुपोषित आहार ग्रहण किया गया। हमेशा की तरह सुपोषित आहार की व्यवस्था श्री देवेश चांडक जी द्वारा की गई। इस कार्यक्रम में माहेश्वरी सेवा ट्रस्ट के अध्यक्ष श्री कमल आगीवाल, सचिव श्रवण मिमाणी, महिला मंडल की अध्यक्षा श्रीमती पुष्पा झंवर, श्रीमती आशु झंवर, श्रीमती रेखा राठी, श्रीमती सुमन सोढाणी, मधु झंवर, संगीता केला एवं शिखा मंत्री, माहेश्वरी सेवा ट्रस्ट के श्री रामनिवास भूतड़ा, विकास झंवर, ललित परवाल (रेवाड़ी) एवं कलकत्ता से आये हुए श्री सुभाष सोमानी एवं धीरज चितलांग्या का योगदान सराहनीय रहा।

श्री महालक्ष्मी शिक्षण संस्थान, जोधपुर में स्वाधीनता दिवस समारोह

श्री महालक्ष्मी शिक्षण संस्थान, जोधपुर में स्वाधीनता दिवस पर ध्वजारोहण के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ मनाया गया। 1920 में इसकी स्थापना माध्यमिक विद्यालय के रूप में 103 वर्ष पूर्ण हुई थी। अभी इसमें 5 हजार विद्यार्थी पढ़ रहे हैं। स्वाधीनता दिवस पर श्री जगदीश चन्द्र मूंधड़ा मुख्य अतिथि थे। उनका सम्मान साफा एवं अंगवस्त्र पहनाकर मोमेन्टो देकर किया गया। इस संस्थान के अंतर्गत एक संस्था श्री मूंधड़ा ने अपनी माताश्री के नाम से लक्ष्मी देवी मूंधड़ा पब्लिक स्कूल के नाम से हायर सेकेंडरी स्कूल के रूप में की गई। स्वाधीनता दिवस समारोह में समाज के गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

जालोर-सिरोही जिला माहेश्वरी युवा संगठन के चुनाव सम्पन्न

अध्यक्ष

सचिव

जालोर-सिरोही जिला माहेश्वरी युवा संगठन कार्यकारी मंडल सत्र 2019-22 के सदस्यों की बैठक 6/8/2023 को माहेश्वरी समाज भवन सांचोर में आयोजित की गई जिसमें नखतमल एन. माहेश्वरी का सत्र 2023-26 हेतु सर्व-सम्मति से जिलाध्यक्ष पद पर चयन किया गया। इस बैठक में चुनाव अधिकारी सुरेश चांडक, प्रदेश युवा संगठन से पर्यवेक्षक के रूप में जितु गांधी, हितेष राठी, अनिल धूत, मनीष राठी, पंकज करवा के साथ-साथ सहायक चुनाव अधिकारी के रूप में मुकेश कसुम्बिया उपस्थित रहे। नवनिर्वाचित अध्यक्ष माहेश्वरी द्वारा सांचोर सत्र 23-26 हेतु जिला युवा संगठन की कार्यसमिति का गठन कर पांच पदाधिकारी एवं पांच कार्यसमिति सदस्य के रूप में नियुक्ति की गई है। नवगठित कार्यसमिति में पदाधिकारी के तौर पर अमृत राठी धानसा एवं मुकुल भूतड़ा जालोर को उपाध्यक्ष, रमेश गीगल रानीवाड़ा को सचिव, लजपतराय भूतडा सेवड़ी को कोषाध्यक्ष, सोनू माहेश्वरी भीनमाल को खेलकूद मंत्री का दायित्व सौपा गया है। वहीं तरूण कड़वा ऊनड़ी, कमल भूतड़ा आबूरोड़, रमेश सारडा मंडार, जयन्तिलाल माहेश्वरी हालीवाड़ा एवं राजेश बाहेती दयालपुरा को जिला कार्यसमिति सदस्य के रूप में जिम्मेदारी प्रदान की गई है। जिलाध्यक्ष माहेश्वरी ने सभी नवनियुक्त पदाधिकारीयों एवं सदस्यों से अपने-अपने दायित्व के प्रति पूर्ण निष्ठा से कर्तव्य निर्वहन की आशा व्यक्त की है।

सरदारशहर महिला मंडल द्वारा पिकनिक आयोजित

सावन महीने में 18 जुलाई को कंदोई फार्म हाउस में सरदारशहर महिला मंडल द्वारा एक शानदार पिकनिक का प्रोग्राम रखा गया। सभी बहनों ने इस पिकनिक में सावन के झूलों के साथ खूब मस्ती की। पुल पार्टी, हाऊजी और बहुत सारे मस्ती भरे गेम और लजीज भोजन का आनंद लिया।

लक्ष्मणगढ में हुआ बैठक का आयोजन

लक्ष्मणगढ जिला सीकर में सामाजिक आर्थिक सर्वेक्षण कार्य के लिये एक बैठक का आयोजन दिनांक 6 अगस्त 2023 को स्थानीय रामलीला मैदान स्थित माहेश्वरी भवन में किया गया। इस अवसर पर पूर्वोत्तर राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी सभा के मंत्री श्री राजकुमार धूत, अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा के कार्यकारी मण्डल सदस्य श्री महेश होलानी तथा प्रादेशिक सभा के कार्यसमिति सदस्य श्री राजकुमार काबरा उपस्थित थे। श्री माहेश्वरी सेवा समिति लक्ष्मणगढ के अध्यक्ष श्री अनिल सोमानी ने जानकारी देते हुए बताया कि लक्ष्मणगढ में कुल 29 माहेश्वरी परिवार है जिसमें 21 परिवारों का मीटिंग में ABMM सम्पर्क APP पर रजिस्ट्रेशन करवाया गया।

जयपुर में क्षेत्रीय महिला संगठन जोन-3 द्वारा पौधारोपण

क्षेत्रीय माहेश्वरी महिला संगठन जोन-3 द्वारा दिनांक 30.07.2023 को सीकर रोड पर खेतान हास्पीटल एवं विद्याधर नगर स्थित गणेश पार्क में 500 पौधे लगाए गए। क्षेत्रीय महिला संगठन की अध्यक्ष कविता जाखोटिया ने बताया कि इस कार्यक्रम में जिला अध्यक्ष उमा सोमानी, भाजपा जयपुर जिला महिला मोर्चा अध्यक्ष अनुराधा कचोलिया, जिला संगठन की सांस्कृतिक मंत्री कृष्णा सोनी एवं संयुक्त मंत्री मीना बिन्नानी उपस्थित थी। क्षेत्रीय संगठन की मंत्री हेमलता जाखोटिया के अनुसार क्षेत्रीय संगठन के विभिन्न पदाधिकारी एवं सदस्यों ने भी उपस्थित होकर वृक्षारोपण किया।

श्री विधि मालपानी, चेन्नई का सुयश

चेन्नई निवासी श्री ओमप्रकाश मालपानी की सुपौत्री व शैलेष-कामिनी मालपानी की प्रतिभाशाली सुपुत्री श्री विधि मालपानी ने बेस्ट स्टूडेंट इन बेचलर आफ साइंस (इकोनोमिक्स) 2020-23 बैच में अवार्ड प्राप्त कर परिवार के साथ माहेश्वरी समाज को गौरवान्वित किया है।

पीलीबंगा माहेश्वरी महिला मंडल ने किया चुनरी मनोरथ

हनुमानगढ़ जिले के पीलीबंगा माहेश्वरी महिला मंडल इकाई द्वारा सरंक्षक व जिला कोषाध्यक्ष निर्मला पेड़ीवाल के नेतृत्व में श्रीधाम वृन्दावन में तीन दिवसीय यमुना जी चुनरी मनोरथ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। आयोजन में बड़ी संख्या में महिला मंडल सदस्य शामिल हुई। श्रीमती पेडीवाल ने बताया कि महिलाओं ने यमुना जी में स्नान, ध्यान व दान पुण्य भी किया। इस यात्रा के दौरान पावन गिरिराज परिक्रमा भी बड़े भाव और चाव से की गई। महोत्सव में वृंदावन के प्रमुख मंदिरों के दर्शन का लाभ भी सभी ने उठाया। जिले के किसी मंडल द्वारा इस प्रकार की धार्मिक यात्रा के आयोजन का यह प्रथम अवसर था। कार्यक्रम में उमा, मिनी, पूनम, मंजू, मिनल, अनिता, कीर्ति, निर्मला, सुमन, प्रीति आदि ने सक्रिय भूमिका निभाई।

श्री राकेश कुमार बिडला, कासगंज हुए सम्मानित

निर्झर साहित्यिक संस्था, कासगंज द्वारा दिनांक 29 अगस्त 2023 को प्रतिभा सम्मान एवं कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विभिन्न क्षेत्रो में उल्लेखनीय कार्य करने वाले व्यक्तियों को सम्मानित किया गया। इसी कड़ी में कासगंज के वरिष्ठ समाजसेवी व अधिवक्ता श्री राकेश कुमार जी बिडला को सम्मानित किया गया। श्री बिडला का यह सम्मान कर सलाहकार के रूप में अपनी विशिष्ट सेवायें देने के लिये प्रदान किया गया। माहेश्वरी सेवक पत्रिका परिवार श्री बिड़ला का हार्दिक अभिनन्दन करता है।

माहेश्वरी विद्या प्रचारक मंडल, पुणे और उनके भूतपूर्व छात्रों द्वारा किया गया भव्य रक्तदान शिविर

गत 94 सालों से समाज सेवा से जुड़ी संस्था माहेश्वरी विद्या प्रचारक मंडल तथा उसके भूतपूर्व छात्र और सभी सामाजिक संस्थाओं के एकजुट प्रयास से 20 अगस्त 2023 को भव्य रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। MVPM के भूतपूर्व छात्र जो महाराष्ट्र के हर कोने में फैले हुए हैं, ऐसे 15 शहर भी इस मुहिम में शामिल थे। इस शिविर में कुल 4812 रक्तदाताओ ने रक्तदान करके एक दिन में सबसे ज्यादा बोतल रक्त संकलित करने का एक अनोखा रिकॉर्ड स्थापित किया। भूतपूर्व छात्र संगठन की अध्यक्षा सौ कीर्ति लढ्ढा और उनके सभी सदस्यों ने इस भव्य रक्तदान शिविर का संचालन कर के एकता की ताकत का एक अनूठा उदाहरण समाज के सामने रखा है। यह कार्यक्रम पुणे स्थित श्री अभय भूतड़ा फाउंडेशन के सहयोग से आयोजित किया गया था।

नखतमल एन. माहेश्वरी सम्मानित

नवसृजित सांचोर जिले मुख्यालय पर 77 वां स्वाधीनता दिवस श्री सुखराम विश्नोई के मुख्य आतिथ्य, सांसद देवजी एम.पटेल की अध्यक्षता, पूर्व उप मुख्य सचेतक रतन देवासी, जिला कलेक्टर श्रीमती पूजा पार्थ, पुलिस अधीक्षक श्री सागर के विशिष्ट आतिथ्य में मनाया गया। इस दौरान राज्यमंत्री सुखराम विश्नोई ने ध्वजारोहण कर मार्चपास्ट की सलामी ली एवं परेड का निरीक्षण किया। जिला बनने के बाद आयोजित प्रथम स्वतंत्रता दिवस समारोह में उत्कर्ष कार्यों हेतु विभिन्न गणमान्यों, नागरिकों, कर्मचारीगणों एवं अधिकारीयों का जिला प्रशासन द्वारा प्रशस्ति पत्र एवं चरखा भेंट कर सम्मान किया गया। कार्यक्रम में सामाजिक सेवा कार्य विशेषकर जालोर महोत्सव, राजस्थान स्थापना दिवस कार्यक्रम में सहभागिता एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का प्रचार प्रसार के लिए केरिया, चितलवाना निवासी नखतमल एन. माहेश्वरी को भी सम्मानित किया गया।

पुस्तक समीक्षा

पुस्तक - चौराहे के तीन रास्ते (कहानी-संग्रह)
लेखक - डॉ. विनोद सोमानी 'हंस' (अजमेर)
प्रकाशक - साहित्यकार, धामाणी मार्केट, चौड़ा रास्ता, जयपुर
पृष्ठ सं. - 112 मूल्य - 250/-

प्रस्तुत कहानी-संग्रह 'चौराहे के तीन रास्ते' में मौलिक एवं दिशाबोध देती 24 कहानियां संग्रहित है। यह पुस्तक लेखक ने अपनी जीवन संगिनी श्रीमती विद्या सोमानी के परलोक गमन पर उन्हीं को समर्पित की है। स्वयं लेखक, श्यामकुमार सोमानी एवं श्रद्धा गट्टाणी के श्रद्धांजलि देते लेख है। विधाजी लेखक, प्रकाशक व समाजसेवी रही है। संग्रह की कहानियां पठनीय ही नहीं बल्कि पाठक को बाँधे रखती हैं और जीवन के हर क्षेत्र पर प्रकाश डालने वाली हैं। शीर्षक कहानी स्वयं में अनूठी है। हॉकर कहानी में अखबार बेचने वालों की मानसिकता दशाई गई है। कैंसर की गांठ में दूसरों को हानि पहुंचाने का प्रतिफल है। धूली का श्राप रसिक लोगो पर प्रहार है। चाह में जीवन का यथार्थ है। भाषा सरल प्रवाहमयी व मुहावरेदार है जो कथानक में रस भर देती है। लेखक की लेखनी जीवन के हर रंग को उभारती है। श्री विनोदजी की यह कृति भी सार्थक उद्देश्य को लेकर लिखी गई है। छपाई सुन्दर व मुखपृष्ठ आकर्षक है। मूल्य भी वाजिब है। आशा है यह पुस्तक भी हिन्दी पाठकों को रुचिकर होगी और संग्रहणीय होगी। श्री हंस जी को इस सुन्दर प्रस्तुति के लिए ढेर सारी बधाईयाँ।

समीक्षक - रामकुमार मून्दडा, बीकानेर मो. 9460414372

श्री अंकित कुमार हेड़ा, केकड़ी सम्मानित हुए

श्री अखिल भारतीय हेड़ा (माहेश्वरी) संगठन राजस्थान द्वारा आयोजित सावन मिलन समारोह एवं सम्मान समारोह 19 व 20 अगस्त 2023 को पुष्कर मे केकड़ी के श्री माहेश्वरी नवयुवक मंडल के निर्विरोध अध्यक्ष अंकित कुमार हेड़ा के मनोनीत होने पर राजस्थान प्रदेश के कार्यक्रम पर सम्मानित किया गया जिसमें श्री अखिल भारतीय माहेश्वरी सेवा सदन पुष्कर के अध्यक्ष श्री रामकुमार भूतड़ा द्वारा सम्मान किया गया। जिसमें सम्पूर्ण राजस्थान के हेड़ा परिवार बंधु उपस्थित थे।

राजेश माहेश्वरी, जबलपुर की कृति प्रेम डोर का विमोचन सम्पन्न

जबलपुर के सुप्रसिद्ध उद्योगपति एवं लेखक राजेश माहेश्वरी की 20 वीं कृति प्रेम डोर का विमोचन विगत 31 जुलाई को रामायण सीरियल की अभिनेत्री सीता फेम सुश्री दीपिका चिखलिया द्वारा होटल विजन महल जबलपुर में वूमेन एंपावरमेंट अवॉर्ड शो में एक भव्य गरिमामय समारोह में संपन्न हुआ। इस पुस्तक का प्रकाशन सुप्रसिद्ध इंदिरा पब्लिकेशन भोपाल द्वारा किया गया है। इस अवसर पर नगर के अनेक गणमान्य व्यक्तियों ने श्री माहेश्वरी को शुभकामनाएँ प्रेषित की हैं।

अहमदाबाद जिला माहेश्वरी सभा ने नरोडा में रोपे पौधे

अहमदाबाद जिला माहेश्वरी सभा-ओढव क्षेत्र की ओर से नरोडा जीआईडीसी स्थित राज्य सरकार संचालित द सेंटर फॉर एंटरप्रिन्योरशिप डवलपमेंट परिसर में पौधारोपण किया गया।

महेश बैंक के 46वें स्थापना दिवस पर भव्य समारोह आयोजित

दक्षिण भारत के अग्रणीय सहकारी बैंक महेश बैंक के 46वें स्थापना दिवस पर बैंक के बंजारा हिल्स स्थित प्रधान कार्यालय के सभागार में भव्य समारोह आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का शुभारम्भ विशिष्ट अतिथियों के रूप में उपस्थित नेशनल फेडरेशन आफ स्टेट कोआपरेटीव बैंक्स के चेयरमैन एवं तेलंगाना स्टेट कोआपरेटीव एपेक्स बैंक के अध्यक्ष श्री कोंडुरु रविन्द्रराव, फेडरेशन आफ तेलंगाना चेम्बर्स एन्ड कामर्स, इन्डस्ट्री के अध्यक्ष मीता जयदेव के साथ बैंक के चेयरमैन रमेशकुमार बंग, सीनियर वाइस चेयरमैन पुरषोत्तमदास मानधना, वाइस चेयरमैन लक्ष्मीनारायण राठी एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी वी.के. खण्डेलवाल ने दीप प्रज्जवलित कर किया।

चेयरमैन रमेश कुमार बंग ने कहा कि पिछले 46 वर्षों के अल्प काल में आज बैंक जिस मजबूती से ग्राहकों की सेवा कर रहा है उसके लिये पूर्व पदाधिकारियों एवं निदेशक मण्डलों ने कठिन परिश्रम किया। 31 मार्च 2023 को 3289 करोड के व्यापार के साथ बैंक का कोष 407 करोड रु. पहुँच गया है। मीता जयदेव, श्री कोंडुरु रविन्द्रराव, बैंक के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं वी.के. खण्डेलवाल ने भी विचार व्यक्त किये।

इस अवसर पर बैंक के मासिक प्रकाशन हमारा प्रयास के विशेषांक का विमोचन विशिष्ट अतिथियों ने किया। बैंक को उत्कृष्ट सेवाये प्रदान करने वाले वरिष्ठ अधिकारियों, विभागिय प्रबन्धकों एवं शाखा प्रबन्धकों को सम्मानित किया गया। प्रति वर्षानुसार इस वर्ष भी बैंक कर्मियों के उच्च शिक्षा रत मेधावी विद्यार्थियों को स्कालरशीप प्रदान की गयी। जो बैंक कर्मी लगातार 25 वर्ष से बैंक को सेवाये दे रहे हैं उन्हें प्रश्सति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

स्थापना दिवस समारोह में निदेशक मन्डल के बदरीविशाल मूंदडा, बृजगोपाल असावा, गोविन्दनारायण राठी, सीए मुरलीमनोहर पलोड, प्रेमकुमार बजाज, रमाकान्त इनानी, सीएस सुमन हेडा के साथ पूर्वपदाधिकारी एवं निदेशकों में डॉ. आर.एम साबू, श्रीगोपाल इनाणी, श्यामसुन्दर मूंदडा, रामदयाल राठी, देवेन्द्र झंवर, जयदेव बलदवा, रामनिवास सोनी, चैनसुख काबरा, श्रीकान्त इनाणी, सीए रामदेव भूतडा, राजकुमारी जाजू, नारायणलाल बाहेती, सीए बजरंगलाल झंवर, श्रीगोपाल बंग, श्रीनिवास असावा उपस्थित रहे। सीनियर वाइस चेयरमैन पुरषोत्तमदास मानधना के आभार प्रदर्शन के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

श्रीगंगानगर माहेश्वरी महिला समिति द्वारा किया गया सेवा कार्य

श्री गंगानगर माहेश्वरी महिला समिति द्वारा पुरुषोत्तम मास के महीने में राजकीय सरकारी अस्पताल में संचालित मां अन्नपूर्णा रसोई में मारिजु व उनके परिवर्तन तथा जरूरतमंदों को खाना खिलाया गया। प्रचार मंत्री दिव्या मोहता ने बताया की इस कार्यक्रम में समिति के अध्यक्ष सुनीता बिहानी सचिव अंजू पेड़ीवाल व समिति के सभी मेंबर उपस्थित थे।

रायगंज माहेश्वरी सभा द्वारा आजादी का महापर्व

77 वा स्वतंत्रता दिवस सभा के अध्यक्ष श्री नरेश मूंधड़ा के निवास स्थान पर धूमधाम से मनाया गया। सभा के अध्यक्ष द्वारा तिरंगा फहराया गया एवं फिर सभी समाज जनों द्वारा राष्ट्रीय गीत सम्मान के साथ गाया गया एवं गर्मजोशी के साथ वंदेमातरम, जय हिंद एवं भारत माता की जय का नारा लगाकर तिरंगे को नमन किया गया। उसके बाद ब्रह्मकुमारीज संस्था द्वारा शिव-चर्चा एवं मेडिटेशन का एक डेमो किया गया जिसमें आज की भागदौड़ की जिंदगी में तनाव रहित रहने के कुछ टिप्स भी बताए गये। समाज बंधुओं की उपस्थिति अच्छी रही। नारीशक्ति का भी योगदान रहा। अल्पाहार के साथ सभी का आभार प्रकट करते हुए कार्यक्रम का समापन किया गया।

डॉ. श्याम जी भूतड़ा, अजमेर एडिशनल प्रिंसीपल बने

अजमेर निवासी डॉ. श्याम जी भूतड़ा को जवाहर लाल नेहरू मेडिकल कॉलेज अजमेर में एडिशनल प्रिंसीपल नियुक्त किया गया है। डॉ. श्याम भूतड़ा जे. एल.एन. हॉस्पिटल अजमेर के सर्जरी विभागाध्यक्ष है। अत्यन्त मिलनसार और सौम्य स्वभाव के धनी डॉ. भूतड़ा लोकप्रिय सर्जन है।

माहेश्वरी समाज द्वारा विभिन्न योजनाओं का लोकार्पण

माहेश्वरी भवन डुनडा में अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा के सभापति संदीप काबरा द्वारा ध्वजारोहण किया गया। पूरे समाज ने राष्ट्रगान के साथ झंडे को सलामी दी। परंपरागत तरीके से तिलक लगाकर राष्ट्रीय पदाधिकारियों एवं आमंत्रित अतिथियों का स्वागत किया गया। सभापति द्वारा तीन समाज उपयोगी योजनाओं के शुभारंभ की घोषणा की गई। स्टार्टअप एवं व्यापार सृजन, भावी पीढ़ी योग्य एवं दक्ष बने, विवाह पूर्व और विवाहोत पारिवारिक संबंधों को तनाव रहित रखने हेतु परामर्श केंद्र की स्थापना की शुरुआत हुई। योजनाओं के बेहतर क्रियान्वन पर कार्यशाला रखी गई जिसमे राष्ट्रीय एवं प्रदेश पदाधिकारियों ने प्रकाश डाला। सभापति ने महिलाओं की हिस्सेदारी बढ़े, आत्मनिर्भरता, हमारी भावी पीढ़ी के लिए समाज का योगदान पर अपने विचार रखे। पूरे सत्र की कार्ययोजना से रूबरू कराया। महामंत्री अजय काबरा ने पुरानी योजनाओं के नवीनीकरण पर प्रकाश डाला। आदित्य विक्रम बिरला ट्रस्ट के नयें प्रावधानों के बारे मे विशेष जानकारी दी गई। योजनाओं को प्रभावी तरीके से धरातल पर उतारने हेतू विभिन्न समितियों की जानकारी समाज को दी गई। प्रदेश अध्यक्ष सुरेश मूंधडा ने प्रादेशिक गतिविधियों पर उद्बोधन दिया एवं माहेश्वरी समाज की शैक्षणिक, मेडिकल योजनाओं की जानकारी दी। समाज के अंतिम छोर तक हर बंधु लाभान्वित हो इस पर मंथन किया गया। पूरे प्रदेश से लगभग पाँच सौ समाजजन कार्यक्रम मे उपस्थित थे। सभापति संदीप काबरा, अजय काबरा, विजय राठी, नारायण राठी, दिनेश राठी, स्थानीय माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष संपत काबरा, उपस्थित थे। सुप्रसिद्ध बच्चों के विशेषज्ञ रमेश परतानी एवं स्टार्टअप विषय पर हितेश पोरवाल ने प्रस्तुतीकरण दिया। बड़ी संख्या मे महिलाओं एवं समाज के युवा वर्ग ने कार्यक्रम मे हिस्सा लिया। प्रश्न-उत्तर सत्र मे कई समाज बंधुओं ने अपनी रखी, जिसका महासभा पदाधिकारियो द्वारा उत्तर दिया गया। छ.ग माहेश्वरी सभा द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम का आतिथ्य माहेश्वरी सभा रायपुर का था। उक्त जानकारी माहेश्वरी सभा रायपुर के मीडिया प्रभारी विष्णु सारडा ने दी।

माहेश्वरी समाज की 14 गौत्र की कुलदेवी बंधर माता का नौ बीघा जमीन पर 15 करोड़ की लागत से बनेगा भक्त निवास और मंदिर

माहेश्वरी समाज की 14 गौत्र मुख्यतः सोमानी, मर्दा, छापरवाल, गदिया, हिंगड़ आदि की तानागांव, काननखेड़ा, भोपालसागर तहसील, जिला चित्तौड़ (राजस्थान) में भक्त निवास और मंदिर का निर्माण कार्य की लागत 14 करोड़ का निर्माण कार्य शुरू हो गया है। मंदिर के ट्रस्ट के अध्यक्ष श्याम सुंदर सोमानी, औरंगाबाद, सचिव मनमोहन बागड़ी मुंबई, कोषाध्यक्ष सम्राट सोमानी बारामती, प्रचार प्रसार मंत्री पूरण मरदा, मालेगाव (नाशिक) ने माताराणी के दर्शन और नवनिर्माण का अवलोकन करते हुए टेक्सटाइल नगरी भीलवाड़ा में सोमानी परिवार के साथ एक मीटिंग का आयोजन किया गया। इस मीटिंग में सर्वश्री राधाकिशन सोमानी, पूर्व पार्षद राधेश्याम सोमानी, बालमुकुन्द सोमानी, देवेंद्र सोमानी और ब्रजमोहन सोमानी के साथ विस्तृत चर्चा हुई। 9 बीघा जमीन में प्रथम चरण में 12 A/C कमरा, कार्यालय, भोजन कक्ष, स्वागत कक्ष और वेटिंग रूम का निर्माण होगा। द्वितीय चरण में 18 A/C कमरे, दो हाल तथा तृतीय चरण में माता का विशाल (लैंडमार्क) मंदिर का निर्माण होगा, सभी तरह की जानकारी अध्यक्ष श्री श्याम सुंदर सोमानी ने दी। इसके साथ सचिव मनमोहन बागड़ी ने बताया कि गत वर्ष 2 नवंबर 22 को गोपाष्टमी को भूमि पूजन और प्रथम विशाल सामुहिक जागरण से भारत वर्ष से 350 माता के भक्तों की उपस्थिति रही। यह मंदिर उदयपुर नाथद्वारा और चित्तौड़ से सड़क मार्ग द्वारा 60 किलोमीटर दूरी पर है। रेलवे स्टेशन फतेहनगर व मावली जंक्शन लगता है। प्रचार प्रसार मंत्री पूरण मर्दा ने बताया कि इस वर्ष दूसरा सामुहिक जागरण गोपाष्टमी 20.11.23 तथा महाप्रसादी 21.11.23 पर उपस्थित रहने के लिये सभी भक्तों को आमंत्रण दिया जा रहा है।

स्थानीय लोग बंधर माता को बिजासन माता के नाम से भी जानते हैं। आभार प्रदर्शन श्री राधाकिशन सोमानी ने किया और श्री राधेश्याम सोमानी ने भीलवाड़ा में निवासी सोमानी परिवार के लगभग 450 परिवार में से ज्यादा से ज्यादा संख्या में इस वर्ष माता के सामुहिक जागरण में उपस्थित होने के लिए प्रयास करने की बात की। भीलवाड़ा जिला के सोमाणी परिवार को जोड़ने का कार्य श्री देवेंद्र सोमाणी करेंगें।

माहेश्वरी कला संस्कृति वाराणसी ने किया पुस्तक का विमोचन

माहेश्वरी कला संस्कृति वाराणसी के द्वारा तीज त्यौंहार की पुस्तिका का विमोचन 27 अगस्त को माहेश्वरी भवन में किया गया। इस पुस्तक में सारे तीज, त्यौंहार, शादी ब्याह आदि के बारे में जानकारी प्राप्त होगी तथा साथ ही उन्हें किस विधि द्वारा किया जाता है और उसमें कौन कौन सी सामग्री चाहिए यह भी इस पुस्तिका से ज्ञात होगा। इस पुस्तक 'अलंकृति संस्कृति से सुसज्जित' की संपादिका सोनिया मारू है। सहायक समिति में श्रीमती प्रीति झंवर, श्रीमती ऋतु दुजारी, श्रीमती ज्योति झंवर, श्रीमती खुशबू लढ्ढा एवं श्रीमती अलका चांडक है। अध्यक्षा सविता राठी, मंत्री अदिति बिसानी, कोषाध्यक्ष ज्योति मारू हैं। इस कार्यक्रम में अ.भा.मा. महासभा के महामंत्री श्री अजय काबरा, गोविंद बजाज, इंदु चांडक, भारती करवा उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन ज्योति झंवर और खुशबू लढ्ढा ने किया। अध्यक्षा सविता राठी ने पुस्तक के बारे में जानकारी दी एवं धन्यवाद ज्ञापन अदिति बिसानी ने दिया। कार्यक्रम में माहेश्वरी समाज के बच्चों ने बहुत ही मनमोहक प्रस्तुति दी। कार्यक्रम में कुछ एनजीओ के बच्चों ने भी कार्यक्रम प्रस्तुत किया। इस कार्यक्रम में करीब 150 लोगो की उपस्थिति रही।

जयपुर वासियों के बीच बढ़ा माहेश्वरी समाज का गौरव

श्री माहेश्वरी समाज जयपुर का गौरव दिनांक 22 अगस्त 2023 को उस समय गौरवान्वित हो गया जब गुलाबी नगरी में स्थित मानसरोवर इलाके के वंदे मातरम रोड के निकट दी एजुकेशन कमेटी ऑफ दी माहेश्वरी समाज जयपुर ने बैंक ऑफ इण्डिया से ई नीलामी के मार्फत वर्धमान सरोवर के पारस, सांगानेर तहसील में 20243 वर्ग गज भूमि जिसकी लागत रुपये 31173 प्रति वर्ग गज की दर से कुल रूपये 63.07 करोड़ में खरीद की गई है। समाज महामंत्री मनोज मूंदड़ा ने बताया कि सबसे बड़ी बात तो यह रही कि जयपुर शहर के तमाम प्रसिद्ध बिल्डर्स की उपस्थिति और उनके अथक प्रयासों के बावजूद भी समाज के वरिष्ठ जनों ने प्रयास करके अन्य बिल्डरों को ऊंची नीलामी लगाने से रोकते हुए दी एजुकेशन कमिटी आफ दी माहेश्वरी समाज जयपुर के नाम यह ऑक्शन छुड़ाने में सफलता प्राप्त कर इतिहास रच दिया।

क्षेत्रीय माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित

जयपुर जिला माहेश्वरी महिला संगठन के अन्तर्गत क्षेत्रीय माहेश्वरी महिला संगठन जोन-6 के पदाधिकारियों द्वारा 11 अगस्त, 2023 को महारानी महाविद्यालय के एनीबिसेंट छात्रावास में पौधारोपण किया गया। क्षेत्रीय संगठन की अध्यक्ष श्रीमती सुलभा सारडा ने बताया कि उन्होंने परिसर में फलों वाले और छायादार वृक्ष लगाकर छात्राओं को उनकी सुरक्षा करने का संकल्प दिलाया। छात्रावास में सौ से अधिक पौधे लगाकर पर्यावरण को सुरक्षित करने हेतु अनुपम पहल की गई जिसमें छात्राओं की सजग भागीदारी से इसमें चार चाँद लग गए। श्रीमती झंवर ने छात्रावास प्रशासन का धन्यवाद ज्ञापित किया। इस कार्यक्रम में क्षेत्रीय माहेश्वरी महिला संगठन जोन-6 के सभी पदाधिकारी पूर्ण उत्साह के साथ उपस्थित रहे।

पा लिया है हमने चाँद को

राम गोपाल मून्धड़ा
बेंगलूरु मो. 9341833353

खुद पर था भरोसा जो चाँद जीत पाए
चार चाँद लगा के हमने दुनिया में नाम पाया
जो कर ना सके वो अब तक वो हमने कर दिखाया
पहचान बनाई हमनें आशीर्वाद प्रभु का पाकर
भारत ने जग में अपने तिरंगे का परचम फैलाया
तिरंगे के रंगों में रंग रहा विश्व का कोना कोना
विश्व गुरु ने अपना अद्भुत खेल रचाया
गर्वित हैं देशवासी विश्वास रंग लाया
आत्मनिर्भर बना है भारत कड़ी तपस्या कर के
पर्दे के आगे-पीछे जो छप्पन इंच खड़ा है।
बड़ी इबारत करके उसने लोहा मनवाया जग में
जो सपना सा लगता था सबको वो काम कर दिखाया
दिव्य दृष्टि है यह उसकी दिव्य शक्ति भी है पास उसके
चाहत है सिर्फ उसकी भारत महान बनाना
यह दौर भी ऐसा आया मंदिर भी बनाया हमनें
जो काम कर ना सके थे वो सब कर दिखाया
जो जीता है चांद हमनें वो इतना सरल नहीं था
ISRO ने कर दिखाया कमाल अपना अपना
दिन रात लगकर इसने तिरंगा वहाँ फैराया
अपनी मंजिल पर पहुँचा कामयाबी गले लगा के
सारी दुनिया ने तारीफे कर कर बधाईयाँ बांटी जग में
पा लिया है हमने चाँद को उसके पास जाकर
देश का है गौरव खुशहाल बने अपना भारत

कोलकात्ता में सावन सिंजारा कार्यक्रम आयोजित

वी.आई.पी. महिला समिति (अन्तर्गत वी.आई.पी. सभा) का आया सावन झूम के सावन सिंजारा कार्यक्रम अति हर्षोल्लास से विवाह बैकवेट में करीब 300 बहनों की उपस्थिति में मनाया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नंदिनी झंवर, अरुणा जाजू एवं रेखा ओझा, कार्यक्रम निर्णायकगण सीमा भट्टड़ एवं वंदना तापड़िया, वृहतर कोल प्रा. युवा संगठन अध्यक्ष केशव डागा, वी.आई.पी. अंचल माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष राजेन्द्र झंवर, मंत्री राजेन्द्र बागड़ी, वीजेंद्र झंवर, नारायण मूंधड़ा, युवा समिति के अध्यक्ष संजय मोहता, मंत्री ऋषभ डागा थे। महेश पूजन एवं वंदना उपरांत उद्घाटन सत्र का शुभारंभ हुआ। सभी अतिथिगण का दुपट्टा ओढ़ा कर सम्मान किया गया। सभा से गिरिराज लोहिया, विश्वनाथ थिरानी, विक्रम तेनानी तथा युवा समिति से अश्विनी लखोटिया ने भी कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग प्रदान किया। वी.आई.पी. महिला समिति की अध्यक्ष संध्या तेनानी ने अपना स्वागतीय उद्बोधन रखा और मंत्री बीना लोहिया ने मंत्री प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। अतिथियों ने भी अपने विचार सदन के समक्ष रखे। संचालन उपाध्यक्ष रजनी डागा ने बखूबी किया।

सांस्कृतिक कार्यक्रम में नृत्य, गेम्स, हाऊजी तथा विभिन्न प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। सभी विजेताओं को दुपट्टा और आकर्षक उपहार प्रदान किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रम का संचालन रीता थिरानी ने करते हुए धन्यवाद ज्ञापन भी प्रदान दिया। कोलकाता प्रादेशिक माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष श्री विनोद जाजू ने उपस्थित हो कर कार्यक्रम में चार चांद लगाए। कार्यक्रम प्रायोजक श्री एड़ी ज्वैलर्स, महाबीर ज्वैलर्स, डॉ. राहुल सिपानी, खास खबर, खुश्बू मूंधड़ा फोटोग्राफी, नरेन्द्रकुमार डागा ने सहर्ष सहयोग प्रदान किया। वी.आई.पी. अंचल माहेश्वरी महिला समिति की अध्यक्षा श्रीमति संध्या तैनानी, मंत्राणी श्रीमती बीना लोहिया, उपाध्यक्षा श्रीमति रजनी डागा, कोषाध्यक्ष श्रीमति शिखा दम्मानी, संयुक्त सचिव श्रीमति सीमा परतानी, संयोजक श्रीमती मीनाक्षी कोठारी एवं कार्यकारिणी सदस्यगण एवं अन्य सभी सदस्याओं ने सहयोग प्रदान कर कार्यक्रम को सफल बनाया। अंत में सभी ने लजीज व्यंजनों का लुत्फ उठाया और कार्यक्रम पूर्ण हुआ।

माहेश्वरी सभा विशाखापटनम द्वारा किया गया सेवा कार्य

15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस पर माहेश्वरी सभा विशाखापटनम के द्वारा बीच रोड काली माता मन्दिर के सामने गरीबो में बर्तन भोजन एवं कपड़ा वितरण किया गया जिसमें सभा अध्यक्ष शंकर प्रसाद राठी, उपाध्यक्ष अशोक कुमार माँधनी, गोपी किशन गट्टानी, राजीव कुमार खटोड़, महावीर बिहानी, किशन चांडक व सदस्य उपस्थित रहे।

जलगांव में परिचय सम्मेलन का आयोजन सम्पन्न

श्री जलगाव माहेश्वरी विवाह सहयोग समिति की ओर से दिनांक 12 एवं 13 अगस्त 2023 को माहेश्वरी समाज के शिक्षित-उच्च शिक्षित विवाहोच्छुक युवक-युवतियों का ऑनलाइन 29 वां परिचय सम्मेलन महेश प्रगति मंडल, जलगाव में आयोजित किया गया। 12 अगस्त को शाम 5 बजे अतिथियों द्वारा दीप-प्रज्वलन एवं महेश पूजन करके कार्यक्रम की शुरुआत की गई। सम्मेलन का ऑनलाइन उद्घाटन अ.भा.मा. महासभा के सभापति श्री संदीप काबरा जोधपुर ने किया। सम्मेलन के प्रमुख अतिथि अ.भा.मा. महासभा के कार्यालयीन मंत्री श्री नारायण राठी एवं महाराष्ट्र प्रदेश माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष मधुसूदन गांधी, मुम्बई से ऑनलाइन उपस्थित थे।

मंच पर अध्यक्ष मनीष झंवर, सचिव डॉ. जगदीश लढ्ढा, प्रकल्प प्रमुख प्रा.संजय दहाड, उपाध्यक्ष प्रमोद झंवर, सहसचिव तेजस देपुरा, कोषाध्यक्ष विवेकानंद सोनी, सहकोषाध्यक्ष वासुदेव बेहेडे, सहप्रकल्प प्रमुख विशाल मंत्री, प्रशांत बियाणी उपस्थित थे। महेश वंदना मनीषा झवर, सायली झवर, वैष्णवी झंवर ने प्रस्तुत की। सूत्र संचालन रमण लाहोटी ने किया। कार्यक्रम की प्रस्तावना जिल्हाध्यक्ष प्रा.बी.जे.लाठी ने की। अध्यक्षीय भाषण में मनीष झंवर ने ऑनलाइन परिचय संमेलन की विशेषताएं बताई। आभार प्रदर्शन डॉ.जगदीश लढ्ढा ने किया।

परिचय सम्मेलन में योगेश कलंत्री, सुभाष मु.जाखेटे, दीपक लढ्ढा, सूरजमल सोमाणी, एड.राहुल झवर, गिरीश झंवर, जगदीश जाखेटे, नारायण सोमाणी, विजय झंवर, विनोद मूंदडा, कैलाश लाठी, आदि एवं बड़ी संख्या में समिति सदस्य एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे। परिचय सम्मेलन में 130 युवतियां एवं 450 युवको ने भाग लिया। 13 अगस्त को विवाहेच्छुक युवक-युवती एवं उनके अभिभावक एवं समिति की ओर से समन्वयको के बीच ऑनलाइन मीटिंग ली गई।

महीप तापड़िया, जयपुर भारतीय किसान यूनियन किसान सरकार के राजस्थान प्रदेश का युवा प्रदेशाध्यक्ष बने

भारतीय किसान यूनियन किसान सरकार ने नोखा प्रवासी ओर हाल जयपुर निवासी समाजसेवी महीप तापड़िया को राजस्थान प्रदेश का युवा प्रदेशाध्यक्ष बनाया गया है। श्री तापड़िया कई संगठनो से जुड़े हुए होने के साथ पूरे भारतवर्ष में ब्लड, जरूरतमंदो को अस्पताल में इलाज और जरूरतमंद बच्चों को फ्री में स्कूली शिक्षा के साथ पौधारोपण की मुहिम चला रहे हैं। जिसमें पूरे भारतवर्ष के 9 हजार से ज्यादा कार्यकर्ता जुड़े हुए हैं।

अहमदाबाद में धार्मिक यात्रा का आयोजन

अहमदाबाद जिला माहेश्वरी सभा साबरमती क्षेत्र (2023-25) माहेश्वरी समाज की ओर से श्रावण के महीने में अधिक मास का लाभ लेते हुए दिनांक 06 अगस्त 2023 को श्री सालंगपुर कृष्टभन्जन बालाजी, शनिदेव, गणेशपुरा सिद्धि विनायक एवं बुट भवानी दर्शन धार्मिक यात्रा का आयोजन किया गया। अध्यक्ष श्री दीनदयाल मालपानी ने बताया की इस यात्रा में 200 से अधिक श्रद्धालुओं ने हिस्सा लिया। यात्रा दिनांक 6 अगस्त 2023, प्रातः 6 बजे, 4 A.C बसों के साथ अहमदाबाद के अलग अलग क्षेत्र से प्रारंभ होकर, गणेशपुरा एवं बुट भवानी के दर्शन और सवेरे के नाश्ते के बाद दोपहर 1 बजे श्री सालंगपुर बालाजी पहुंची जहां सभी श्रद्धालुओं ने भगवान के दर्शन करके, भगवान का आशीर्वाद प्राप्त किया। श्रद्धालुओं ने मंदिर परिसर में भजन में भी हिस्सा लिया। दोपहर के भोजन के बाद, देर शाम आनंदमय वातावरण में हर्षोल्लास से ओतप्रोत सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमे सभी यात्रियों ने गरबा नृत्य किया। रात्रि भोजन के बाद श्री सालंगपुर बालाजी दर्शन यात्रा संपन्न हो गई। आनंद और उल्लास के साथ शुरू हुआ धार्मिक यात्रा का यह कार्यक्रम आनंदमय वातावरण मे सराबोर होता हुआ फोटो के रूप में यादों को सजाते हुए खुशियों के साथ पूर्ण हुआ।

श्री महेश नवयुवक मंडल, इचलकरंजी द्वारा मंथन-23 आयोजित

श्री महेश नवयुवक मंडल इचलकरंजी द्वारा मंथन-23 (सावन वन गोठ) का आयोजन विश्वासगढ़ रिसोर्ट, पुणे में किया गया। लगभग 133 लोगों ने अपनी उपस्थिति दर्शाते हुए इस आयोजन को सफल बनाया। सभी युवा साथीयों ने इसमें डांस, एडवेंचर एक्टिविटी के साथ मौज मस्ती से चार चांद लगा दिये। इस आयोजन को सफल बनाने के लिए प्रोजेक्ट कमिटी किशोर हेड़ा, दीपक लोया और नितेश ईनाणी ने 1 महीने दिन रात मेहनत की और शानदार बनाया। श्री महेश नवयुवक मंडल के अध्यक्ष चंद्रशेखर बांगड़ और सचिव अमित कुमार काबरा ने सभी युवा साथियों का धन्यवाद ज्ञापित किया।

माहेश्वरी महिला मण्डल सरदारशहर तीज महोत्सव आयोजित

माहेश्वरी महिला मण्डल सरदारशहर द्वारा 'तीज महोत्सव' 13 अगस्त को माहेश्वरी भवन में बड़े ही हर्षोल्लास के साथ माहेश्वरी महिला मण्डल द्वारा मनाया गया। कार्यक्रम की चौमासा थीम रखी गई जिसमें सावन, भादवा, आसोज और कार्तिक मास के अंतर्गत आने वाले सभी तीज-त्यौहारों की झलकियां नृत्य के माध्यम से बहुत ही अनोखे तरीके से दिखाई गई।

कार्यक्रम का आगाज वरिष्ठ कार्यकर्ता श्रीमती मैना देवी झंवर, उत्तरी राजस्थान की संगठन मंत्री श्रीमती सुनीता डागा स्थानीय अध्यक्ष श्रीमती प्रेरणा लखोटिया व मंत्री श्रीमती दीप्ति बजाज ने दीप प्रज्वलन के साथ किया। कार्यक्रम में नृत्य, नाटक और विभिन्न तरह की झाँकिया भी शामिल थी। समाज की महिलाओ, पदाधिकारी गण और बच्चों ने कार्यक्रम के नए रूप की बहुत प्रशंसा की। कार्यक्रम का समापन अल्पाहार और शीतल पेय के साथ किया गया। संचालन श्रीमती सोनम पेड़ीवाल और श्रीमती कविता तोषनीवाल ने किया।

चन्द्रयान 3 सफल अभियान

माहेश्वरी समाज के पूर्व अध्यक्ष बालकिशन सोमानी व अरूण अग्रवाल ने बताया कि बनीपार्क स्थित डी. सर्किल उद्यान समिति द्वारा देश के यशस्वी वैज्ञानिकों द्वारा विश्व में प्रथम बार चन्द्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर चन्द्रयान-3 के सफल अभियान ने देश वासियों को जो ऐतिहासिक अविस्मरणीय क्षण प्रदान किये हैं वे विश्व के इतिहास में 'युग परिवर्तनकारी' सिद्ध होंगे और स्वर्ण अक्षरों से अंकित होंगे, उनके सम्मान में एक तिरंगा शोभायात्रा का आयोजन किया गया, जिसमें स्थानीय नागरिकों का उत्साह, उल्लास और उमंग मानो चरमोत्कर्ष पर हो एवं समस्त उद्यान भारतमाता के जयघोष के नारों से गूंज उठा। यह पूरा दृश्य मनमोहक था, तत्पश्चात स्वल्पाहार का वितरण किया गया।

कोलकात्ता में दो दिवसीय इंडोर क्रिकेट दक्षिण प्रीमीयर लीग आयोजित

दक्षिण कलकत्ता माहेश्वरी सभा एवं दक्षिण कोलकाता युवा माहेश्वरी संगठन के सयुक्त तत्वावधान में आयोजित दो दिवसीय इंडोर क्रिकेट दक्षिण प्रीमीयर लीग का उद्घाटन 29 जुलाई 2023 को हुआ व समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह 30 जुलाई 2023 को सिल्वर स्प्रिंग, कोलकाता मे संपन्न हुआ। प्रतियोगिता का शुभारम्भ भगवान महेश की वन्दना से हुई। मुख्य अतिथि सुप्रसिद्ध समाजसेवी श्री राजेश सिन्हा (काउन्सलर) और विशिष्ट अतिथि विनोद जाजू (अध्यक्ष-वृहत्तर कोलकाता माहेश्वरी सभा), संपत मानधना (मंत्री-वृहत्तर कोलकाता माहेश्वरी सभा), निवर्तमान अध्यक्ष सीए भंवर लाल राठी आदि उपस्थित थे। सभी अतिथियों को माला भेंट की गयी।

इस कार्यक्रम में अरविंद करनानी, दीनदयाल जाजू, सूरज नागौरी, विनय बिन्नानी, नीरज माहेश्वरी, सुरेंद्र कुमार काबरा, रमेश कुमार, शशि भइया, सुरेश राठी, अजय माहेश्वरी, आनंद कल्याणी, गणपति मार्बल एंड ग्रेनाइट, अरुण गगड आदि ने आर्थिक रूप से सहयोग किया।

दक्षिण सभा अध्यक्ष राजेश नागोरी एवं सचिव मुरली मनोहर मानधणा, दक्षिण युवा अध्यक्ष रामकिशोर मानधना एवं सचिव देवेश नागोरी ने सभी अतिथिगणों का यथोचित सम्मान देते हुए कार्यक्रम की सफलता का श्रेय सभी आयोजकों, सभी कार्यक्रम संयोजक, सभी अंचलों से पधारे हुए अध्यक्ष व मंत्री, सभी पदाधिकारीगण, सदस्यों युवा संगठन की पूरी टीम को दिया।

महासभा के अर्थ मंत्री श्री राजकुमार काल्या की उपस्थिति से कार्यक्रम में चार चांद लग गया। सभा अध्यक्ष राजेश नागोरी, सभा मंत्री मुरली मनोहर मानधना, उपाध्यक्ष दीनदयाल जाजू, अनिल लखोटिया, संगठन मंत्री भगवती प्रसाद मून्दडा, कोषाध्यक्ष अरुण गगड, संयुक्त मंत्री सूरज नागोरी व प्रचार व मंत्री हरीश जाजू, अरुण लढ्ढा, दिलीप लाहोटी, प्रवीण गगड, रमेश चाण्डक, गिरीराज चितलांगिया आदि ने

सभी अतिथिगणों का स्वागत सत्कार किया। सभी अतिथिगण, आयोजकगण दक्षिण प्रीमियर लीग के लिए अपनी शुभकामनाएँ एवं अनुभव सभी के सामने व्यक्त किया।

इस क्रिकेट प्रतियोगिता को सफल व रोचक बनाने में दक्षिण कोलकाता माहेश्वरी युवा संगठन से अध्यक्ष राम किशोर मानधना, सचिव देवेश नागोरी, उपाध्यक्ष पुनीत गगड़, उपाध्यक्ष अमृततांशु मानधना, अर्थ मंत्री अभिषेक तोषनीवाल, कार्यक्रम संयोजक एवं निवर्तमान अध्यक्ष कृष्ण गोपाल मानधना, खेल मंत्री कृष्णा कांत मानधना एवं डीपीएल सपोर्ट टीम संदीप मूधड़ा, रोहित सोमानी, शालिनी मानधना, राधेश्याम कोठारी, सीमा कोठारी, नीरजा मोहता गग्गड़, अनिरुद्ध मूधड़ा आदि और पूरी सभा एवं युवा टीम के पदाधिकारियों सभी सदस्यों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

तीन महिला टीम ने इस क्रिकेट प्रतियोगिता में भाग लिया और डागा रॉकस्टार्स इसके विजेता रहे। दस पुरूष टीमों ने इस क्रिकेट प्रतियोगिता में भाग लिया था जिसमें विजेता जाजू सुपर किंग्स रहे। क्रिकेट प्रतियोगिता का प्रसारण यूट्यूब चैनल पर लाइव किया गया था।

श्री माहेश्वरी महिला समिति श्रीगंगानगर द्वारा किया गया सेवा कार्य

श्री माहेश्वरी महिला समिति श्रीगंगानगर ने पुरुषोत्तम मास में श्री कृष्ण गौशाला चुनावढ़ कोठी में जाकर गायों को हरा चारा व गुड खिलाया व दलिये की 2 सवामणी की गई तथा अधिक मास के चलते सभी मेंबर ने 33 दीपक गऊशाला में जलाए एवं समिति के मेम्बर ने वहां पर भजन कीर्तन किया व सभी ने भजनो का आनन्द उठाया ओर कार्यक्रम बहुत ही शानदार रहा। जयको लंगर सेवा समिति संस्था द्वारा इस गौशाला में कार्यक्रम के बाद माहेश्वरी महिला समिति को गौ माता की प्रतिमा भेंट स्वरूप दी गई।

चन्द्रयान-3 सरोज गट्टाणी, परभणी

चन्द्रपथ पर चलने की अब तो शुभ घड़ी आई,
बधाई हो बधाई, बधाई हो बधाई।
कोई न कर सका जो भारत ने कर दिखाया,
सफलता पूर्वक चाँद पर उतरकर देश का तिरंगा लहराया।
ISRO की चार सालों की कड़ी मेहनत रंग लाई,
दक्षिणी ध्रूव पर चन्द्रयान-3 की सफलता चाँद पर हुई उतराई।
हार से भी सबक सीखकर हासिल की है विलक्षण जीत,
ऐतिहासिक कार्य करके सारे विश्व की पाई है प्रीत।
गर्व है इस भारत माँ की बुद्धिमान सन्तानों पर,
जिनके कारण आज चन्द्रयान उतर आया चाँद पर।
उज्ज्वल भविष्य की ओर प्रेरित कर वैज्ञानिकों ने करिश्मा किया शानदार,
विकसित भारत को विश्व गुरु बनाने का सपना होगा साकार।
स्वर्णिम अवसर आज का करेगा सारे विश्व पर राज,
वैज्ञानिकों की संकल्पना और सामर्थ्य से भारत के माथे सजता रहेगा ताज।
चन्द्रमा की कक्षा की आगे, अब तो होगी भारत की उड़ान
भारतीय हैं हम सभी माँ भारती का है हमें अभिमान।

अलवर-भरतपुर जिला माहेश्वरी सभा का गठन सम्पन्न

पूर्वोत्तर राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी सभा के प्रदेशाध्यक्ष श्री जुगल किशोर सोमानी के निर्देशानुसार (अलवर, भरतपुर, करौली, धौलपुर सहित) का गठन किया जाकर ओ.पी. माहेश्वरी भरतपुर को अध्यक्ष एवं आनंद माहेश्वरी अलवर को मंत्री बनाया जाकर निम्न प्रकार कार्यकारिणी का गठन किया गया - अर्थमंत्री संजय माहेश्वरी भरतपुर, संगठन मंत्री अनुज कालानी अलवर, उपाध्यक्ष गोविन्द किशोर माहेश्वरी भरतपुर, भरतराम माहेश्वरी थानागाजी, संयुक्त मंत्री मुकेश कुमार माहेश्वरी भरतपुर, दीपक माहेश्वरी अलवर, कार्यसमिति सदस्य बाबूलाल सोमानी अलवर, संजय माहेश्वरी भरतपुर, नरेन्द्र कलंत्री अलवर, पंकज माहेश्वरी अलवर, राजेश माहेश्वरी अलवर, लक्ष्मीनारायण माहेश्वरी भरतपुर, ललित माहेश्वरी भरतपुर, जितेन्द्र माहेश्वरी भरतपुर, योगेश माहेश्वरी भरतपुर, विकास काबरा भरतपुर, दीपक माहेश्वरी भरतपुर। इस सभा के गठन के बाद अब क्षेत्र के समाज बंधुओं को प्रदेश/राष्ट्रीय महासभा एवं विभिन्न ट्रस्टों द्वारा चलाई जा रही योजनाओं का जरूरतमंद परिवारों को लाभ मिल सकेगा।

माहेश्वरी महिला समिति श्रीगंगानगर द्वारा तीज कार्यक्रम आयोजित

श्री माहेश्वरी महिला समिति श्रीगंगानगर ने तीज का प्रोग्राम बड़े धूमधाम से मनाया। जिसमे विशिष्ट अतिथि सभापति करुणा चांडक उपस्थित थी उन्होंने सभी को तीज की शुभकामनाएं दी। प्रोग्राम में शिवलिंग सजाओ प्रतियोगिता रखी गई व युगल नृत्य कम्पटीशन रखा गया। जिला माहेश्वरी महिला समिति और माहेश्वरी महिला समिति द्वारा डांस प्रस्तुत किया गया। आकर्षक तम्बोला 12 ज्योतिर्लिंग पर खिलाया गया। सुंदर व ज्ञानवर्धक प्रश्न पूछे गए। प्रतिभागियों को प्रथम, द्वितीय व तृतीय पुरस्कार दिए गए। कार्यक्रम बहुत ही शानदार व सफल रहा। अंत मे सबके जलपान की व्यवस्था की गई।

जयपुर जिला माहेश्वरी सभा ने आयोजित की तीर्थ यात्रा

जयपुर जिला माहेश्वरी सभा समिति, जयपुर की ओर से दिनांक 20/8/2023 को शिवाड़ श्री घुश्मेश्वर ज्योतिर्लिंग महादेव व डिग्गी श्रीकल्याण धणी की धार्मिक यात्रा का बसों द्वारा सफलतम आयोजन किया गया। जिसमें जिले के समितियों से पधारे साधारण से असाधारण माहेश्वरी धर्मानुयायी बंधु-बांधवों, मातृशक्तियों ने एक दिवसीय धार्मिक यात्रा का सकारात्मक धर्म-कर्म एवं भरपूर आनंद लिया।

व्यवस्थाओं की देखरेख जिलाध्यक्ष श्री सुरेन्द्र बजाज, मंत्री श्री गोविन्द परवाल, कोषाध्यक्ष श्री राधेश्याम काबरा व वरिष्ठ अनुभवी पूर्वोत्तर राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी सभा उपाध्यक्ष श्री रामअवतार आगीवाल तथा सर्वश्री राधेश्याम सोढानी, कन्हैयालाल छापरवाल, रमेश कुमार भैया, राजेश कुमार सारड़ा, जयन्त बाहेती व अनिल अत्तार का निष्ठावान सहयोग रहा। इस यात्रा की सफलता में जयपुर जिला माहेश्वरी महिला संगठन की अध्यक्षा श्रीमती उमा सोमानी, मंत्री श्रीमती सविता राठी, संयोजक श्रीमती कृष्णा सोनी का भी महत्वपूर्ण योगदान रहा है। सबने धार्मिक यात्रा को सात्विक मनोरथ व आनन्दमय बताया। सभी आयोजकों व संयोजकों को यात्रियों ने धार्मिक यात्रा कार्यक्रम के आनन्ददायक सफल रहने पर साधुवाद दिया।

सावन व अधिक मास के उपलक्ष्य में हिण्डोला उत्सव, पौधारोपण

माहेश्वरी महिला गौरव उदयपुर द्वारा निजी आवास पर सावन व अधिक मास के उपलक्ष्य में हिण्डोला उत्सव व पौधारोपण किया। आशा नरानीवाल ने बताया कि सभी बहनें हरे वस्त्र पहन कर आई झूला सजाया। बहनों ने भजनों पर झूमते हुए नृत्य किया। संरक्षक कौशल्या गट्टानी व जनक बांगड के सानिध्य में कार्यक्रम हुए। सभी बहनों ने सावन की मस्ती व फुहारो में औषधिक पौधे लगाये। इस कार्यक्रम में पूर्व अध्यक्ष सरिता न्याति, जिला अध्यक्ष मंजू गांधी, सीमा मंत्री, कला गट्टानी, रेणु मूंधड़ा, राजकुमारी, उमा काबरा, भगवती, रमा जागेटिया व सभी सदस्य मौजूद थे।

माहेश्वरी समाज द्वारा मोटीवेशनल स्पीकर श्रीमती निशा चांडक का भव्य स्वागत किया गया

माहेश्वरी मंडल समिति जिला भरतपुर द्वारा मुंबई से पधारी मोटीवेशनल स्पीकर श्रीमती निशा चांडक का दिनांक 29.8.23 को कोषाध्यक्ष दीपक माहेश्वरी के निवास पर सम्मान एवं अभिनन्दन समारोह आयोजित किया गया। समिति के जिलाध्यक्ष ओ.पी. माहेश्वरी एवं महामंत्री मुकेश कुमार माहेश्वरी द्वारा पुष्पगुच्छ प्रदान किया गया एवं श्रीमती प्रभावती टावरी द्वारा पुष्पहार पहनाकर अभिननदन किया गया। संरक्षक मोहन लाल माहेश्वरी द्वारा एक बिल्वपत्र का पौधा एवं उपहार प्रदान किया गया। माहेश्वरी धर्मार्थ होम्योपेथिक चिकित्सालय प्रभारी गोविन्द किशोर द्वारा होम्योपेथिक चिकित्सालय द्वारा लोगों को उपलब्ध कराई जा रही चिकित्सा सुविधाओं के बारे में भी श्रीमती चांडक को अवगत कराया गया। इस अवसर पर श्रीमती चांडक द्वारा समाज सुधार एवं मोटीवेशन पर विस्तृत चर्चा की गयी। समिति के जिलाध्यक्ष ओ.पी. माहेश्वरी ने भरतपुर के माहेश्वरी समाज द्वारा संचालित विभिन्न गतिविधियों के बारे में जानकारी प्रदान की गई। इस अवसर पर ललित कुमार, लक्ष्मी नारायण, अर्पित, ऋषि, ममता टावरी, स्वास्थ्य मंदिर की अध्यक्ष कविता गोयल भी उपस्थित थी। स्वल्पाहार के बाद कार्यक्रम का समापन किया गया।

महेश वेलफेयर सोसायटी चित्तौड़गढ़ के चुनाव संपन्न

महेश वेलफेयर सोसाइटी, प्रताप नगर, चित्तौड़गढ़ के चुनाव माहेश्वरी भवन प्रताप नगर पर संपन्न हुए जो चुनाव अधिकारी राकेश मंत्री एवं शांति लाल भराडिया के निर्देशन में समाज के वरिष्ठ जनों मदन लाल नामधर, मोहन लाल नामधर, शंकर लाल कोठारी, डॉ राधेश्याम लढ्ढा, रामकिशन पलोड एवं सीए (डॉ.) अर्जुन मूंदड़ा के मार्गदर्शन में सर्वसम्मति से निर्विरोध चुनाव संपन्न कराए गए जिसमें सर्वसम्मति से रामेश्वर लाल गादिया अध्यक्ष, भगवती लाल पोरवाल उपाध्यक्ष, महेंद्र कोठारी महासचिव, महेश गगरानी कोषाध्यक्ष, बालकृष्ण सोनी संगठन सचिव एवं संजय गट्टानी, अनुपम भंडारी, योगेश काबरा, रविंद्र न्याति, जनार्दन चौखड़ा एवं बसंत भराडिया कार्यकारिणी सदस्य चुने गये। कार्यकारिणी के निर्वाचन पर राकेश मंत्री, शांति लाल भराड़िया ने निर्वाचन सर्टिफिकेट दिए व मदनलाल नामधर, शंकर लाल कोठारी, सीए अर्जुन मूँदड़ा, प्रहलाद नामधर, सुशील मंडोवरा, अशोक डाड, घनश्याम पलोड, कैलाश काबरा, मुरली मनोहर जागेटिया, सत्यनारायण चोखड़ा द्वारा उपर्णा ओढ़ा कर निर्वाचित सदस्यों का स्वागत किया गया। सर्वप्रथम माहेश्वरी वेलफेयर सोसायटी की आम सभा बैठक रखी गयी जिसमें अध्यक्ष प्रहलाद राय नामधर ने आभार प्रकट किया व कोषाध्यक्ष ने आय व्यय का विवरण प्रस्तुत किया व सचिव महेंद्र कोठारी ने कार्यकाल का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया।

प्रो. डॉ. बिन्नानी, बीकानेर का हुआ सम्मान

राजस्थानी भाषा, साहित्य एवं संस्कृति अकादमी, राजस्थान सरकार के अध्यक्ष शिवराज छंगाणी द्वारा पूर्व प्राचार्य, चिंतक व लेखक प्रोफेसर डॉ. नरसिंह बिन्नानी को मोटिवेशनल व अन्य विविध साहित्य लेखन का उल्लेखनीय कार्य करने पर सम्मानित किया गया। अकादमी अध्यक्ष शिवराज छंगाणी ने बीकानेर स्थित राजस्थानी भाषा, साहित्य एवं संस्कृति अकादमी भवन में आयोजित एक समारोह के दौरान अकादमी द्वारा हाल ही में महिला साहित्यकारों पर प्रकाशित 'जागती जोत' नामक महत्वपूर्ण पत्रिका की 'महिला लेखन विशेषांक' प्रति भेंटकर प्रोफेसर डॉ. बिन्नानी को सम्मानित किया। इस अवसर पर अकादमी अध्यक्ष शिवराज छंगाणी ने प्रोफेसर डॉ. बिन्नानी के युवाओं हेतु प्रेरणात्मक लेखन कार्य, आर्थिक-सामाजिक हित एवं काव्य रचनाकर्म की सराहना करते हुए इसे आगे भी निरंतर जारी रखने का आव्हान किया। इससे पूर्व डॉ.सतीश मेहता ने पूर्व प्राचार्य, चिंतक व लेखक प्रोफेसर डॉ. बिन्नानी का परिचय दिया। प्रोफेसर डॉ. बिन्नानी ने अपना सम्मान किए जाने पर अकादमी अध्यक्ष शिवराज छंगाणी का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर राजस्थानी भाषा, साहित्य एवं संस्कृति अकादमी के सचिव डॉ. शरद केवलिया, डॉ. सतीश मेहता, सुशील छंगाणी, डॉ. कविता मेहता, आदित्य व्यास, इन्द्र कुमार छंगाणी, श्रीमती कल्पना नागौरी, कानसिंह, लाल मोहम्मद, आनंद छंगाणी, मनोज मोदी आदि सहित राजस्थानी भाषा, साहित्य एवं संस्कृति अकादमी के अनेक कार्मिकों के साथ ही बड़ी संख्या में गणमान्यजन उपस्थित थे।

माहेश्वरी सदन बीकानेर में सावन मेले का आयोजन सम्पन्न

विगत 3 वर्षों की तरह चौथे वर्ष भी जस्सूसर गेट के बाहर स्थित माहेश्वरी सदन में तीन दिवसीय "THE HAAT" सावन मेले का आयोजन किया गया। प्रेस नोट जारी करते हुए माहेश्वरी समाज के सामाजिक संवाददाता पवन कुमार राठी ने बताया कि मेले का उद्घाटन बीकानेर के प्रमुख भागवताचार्य पंडित पुरुषोत्तम व्यास ने विधिवत रूप से मंत्रोच्चार के साथ भगवान गणेश की पूजा अर्चना के साथ करवाया वही इस अवसर पर मेले का उद्घाटन यूआईटी के पूर्व चेयरमैन महावीर रांका, विमला मेघवाल, सुमन छाजेड़, अनिल सोनी, किशन बजाज ने संयुक्त रूप से फीता काटकर विधिवत रूप से किया। कार्यक्रम संयोजिका कंचन राठी ने बताया कि इस मेले में विभिन्न प्रकार की राखी, भगवान कृष्ण की श्रृंगार सामग्री,ज्वैलरी एवं अन्य घरेलू वस्तुओं संबंधित 46 स्टॉल्स लगाई गई है इसके अलावा फूड जोन की भी व्यवस्था रखी गई है। इस मेले में प्रतिदिन विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिताओं का आयोजन भी किया गया।

इस मेले में आगंतुक ग्राहकों की एंट्री निशुल्क थी साथ ही प्रत्येक 1 घंटे के बाद आने वाले ग्राहकों के लिए लकी ड्रॉ कूपन भी रखा गया। मेले के समापन अवसर पर प्रत्येक स्टोर्स ओनर का हौसला बढ़ाने के लिए गोपाल राठी रिद्धि सिद्धि की ओर से प्रत्येक स्टॉल्स के ऑनर्स को पापड़ के पैकेट वितरित किए गए। वही संजय करनानी द्वारा गिफ्ट हैंपर के रूप में मिठाई के पैकेट भी वितरित किए गए। सभी स्टॉल्स के ऑनर्स ने मेले की संयोजकों को धन्यवाद ज्ञापित किया।

25 साल बाद माहेश्वरी के नेतृत्व में रायपुर आयकर बार एसोसिएशन

विगत दिनो रायपुर आयकर बार एसोसिएशन की वार्षिक आमसभा में हरीश बजाज बने अध्यक्ष एवं आगामी वर्ष हेतु कार्यकारिणी का गठन हुआ। एसोसिएशन में 620 CA एवं ADVOCATE मेंबर हैं। आप स्व. जीवन लाल जी बजाज के सुपुत्र हैं। इसके पहले आप माहेश्वरी युवा मंडल रायपुर के पूर्व अध्यक्ष एवं रायपुर जिला माहेश्वरी युवा संगठन के जिला अध्यक्ष रह चुके हैं। वर्तमान में रायपुर जिला माहेश्वरी सभा के कार्यकारिणी सदस्य हैं।

माहेश्वरी संस्कृति, इन्दौर की मैत्री यात्रा सानंद सम्पन्न

6 से 16 अगस्त 2023 तक थाइलैंड (फुकेट, क्राबी, पटाया, बैंकाक) तक यात्रा आयोजित की गई। यात्रा निर्देशक मधुसूदन-किरण सोमानी, अध्यक्ष विजय-उषा खटोड़ एवं प्रभारी संतोष-अनिता साबू ने बताया कि यात्रा के 10 दिनों के अंतर्गत फुकेत में फी-फी आइलैंड को निहारा तथा बिग बुद्धा टेम्पल एवं चेलांग टेम्पल के दर्शन किये। क्राबी में फोर आइलैंड के भ्रमण किये। पटाया में नांग नूच ट्रापिकल गार्डन भ्रमण भी उत्साहवर्धक रहा। बैंकाक में भी गोल्डन बुद्धा के दर्शन किये और फ्लोटिंग मार्केट देखा सफारी वर्ल्ड भ्रमण के दौरान एलिफेंट और डॉल्फिन शो रोमांचकारी रहा। यात्रा के दौरान 15/08/2023 को थाईलैंड की राजधानी बैंकाक में स्वतंत्रता दिवस महोत्सव पूर्ण हर्षोल्लास के साथ मनाया। यह जानकारी संयोजक मुनीश-किरण मालानी ने दी।

श्री गोवर्धन नाथ जी की हवेली में चुनरी मनोरथ हुआ

महात्मा गाँधी मार्ग नागदा स्थित श्री गोवर्धन नाथ जी की हवेली मे पुरषोत्तम मास श्रावन के चलते वर्ष भर में आने वाले त्यौंहारो के दर्शन एवं उत्सव बड़े धूम धाम से मनाये गये। इसी क्रम में नागदा माहेश्वरी महिला मण्डल के तत्वाधान में चुनरी मनोरथ करवाया गया। मण्डल की सभी बहनो ने इस अवसर का बहुत धर्म लाभ लिया। यह जानकारी अध्यक्ष श्रीमती ज्योति मोहता एवं सचिव श्रीमती ऋषिता खटोड द्वारा संयुक्त रूप से प्रेषित की गई।

अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा द्वारा उत्तरी राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी सभा से चयनित समाज बंधु

उत्तरी राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी सभा के गठन पश्चात प्रथम बार अ.भा.मा. महासभा के सभापति श्री संदीप जी काबरा द्वारा महासभा के विधान की धारा 17 (5) के तहत श्री महेश दम्मानी निवर्तमान कोषाध्यक्ष उत्तरी राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी सभा को अ.भा.मा. महासभा के कार्य समिति सदस्य के रूप में चयनित किया है। इसके साथ-साथ श्री गंगानगर जिला माहेश्वरी सभा के पूर्व जिलाध्यक्ष श्री राजेंद्र राठी को वाद विवाद निवारण समिति, बीकानेर जिला माहेश्वरी सभा के निवर्तमान जिलाध्यक्ष श्री ओमप्रकाश करनानी को माहेश्वरी व्यापारिक पोस्ट एवं ई बिजनेस तथा माहेश्वरी सभा, शहर बीकानेर के मंत्री श्री पंकज भूतड़ा को राष्ट्रीय प्रतिभा सम्मान समिति के सदस्य के रूप में चयनित किया गया हैं। श्री राठी, श्री करनानी एवं श्री भूतड़ा महासभा के कार्यकारी मंडल के विशेष आमंत्रित सदस्य के रूप में रहेंगे।

श्री माहेश्वरी नवयुवक मंडल केकड़ी के चुनाव सम्पन्न

श्री माहेश्वरी नवयुवक मंडल केकड़ी के चुनाव अध्यक्ष गुलाब चंद सोमानी, चुनाव अधिकारी सत्यनारायण सोमानी, चुनाव पर्यवेक्षक राकेश चौधरी, युवा मंडल संरक्षक मुकेश नुवाल, जिला युवा संगठन कोषाध्यक्ष महेश बागला, मंडल कार्यसमिति सदस्य आनंद मंत्री की देखरेख में संपन्न हुए जिसमें अध्यक्ष के लिए सर्व सम्मति से अंकित हेडा को अध्यक्ष, नवल दुदानी को उपाध्यक्ष पद की जिम्मेदारी दी गई।

श्री माहेश्वरी नवयुवक मंडल की कार्यकारिणी गठित करते हुए संरक्षक महेश काबरा, सतीश मालू, निलेश राठी, शिव प्रकाश बांगड़, कैलाश बसेर, मनीष राठी, परामर्शदाता विजय तोषनीवाल, महेश सोमानी, मयंक न्याति, नवरत्न राठी, अध्यक्ष अंकित कुमार हेड़ा, उपाध्यक्ष नवल दुदानी, अवनीश न्याति, सचिव मनीष नुहाल, सह सचिव कुश बागला, कोषाध्यक्ष विशाल राठी, क्रीड़ा सचिव कपिल सोमानी, संगठन मंत्री गिरिराज हेड़ा, अंकेशक भरत भूतड़ा, सांस्कृतिक सचिव अंकित तोषनीवाल, प्रचार मंत्री आशीष बियानी, अर्पित मांनधना, सदस्य केशव बांगड़, अभिषेक मूंदड़ा, अशोक बियानी, दीपक नुवाल, शशांक बियानी, गौरव न्याति, सौरभ झंवर, अमन काबरा, विपुल राठी, आनंद तोषनीवाल चुने गये। इस मौके पर माहेश्वरी मंडल अध्यक्ष श्री गुलाब चंद सोमानी, सचिव कमलेश बसेर, रोहित राठी आदि अन्य समाज बंधु उपस्थित थे।

स्वतंत्रता दिवस पर फरीदाबाद माहेश्वरी समाज सम्मानित

जिला प्रशासन फरीदाबाद द्वारा 15 अगस्त 2023 स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर समाज एवं माहेश्वरी सेवा ट्रस्ट फरीदाबाद की उत्कृष्ट सेवाओं की बदौलत डिप्टी कमिश्नर फरीदाबाद श्री विक्रम सिंह, पुलिस कमिश्नर फरीदाबाद श्री विकास अरोड़ा की उपस्थिति में श्री संदीप सिंह मंत्री हरियाणा सरकार द्वारा प्रदत्त प्रशस्ति पत्र माहेश्वरी मंडल सचिव श्री महेश गट्टानी एवं सेवा ट्रस्ट उपाध्यक्ष श्री अरुण माहेश्वरी ने प्राप्त किया। माहेश्वरी मंडल अध्यक्ष श्री रामकुमार राठी, सेवा ट्रस्ट अध्यक्ष श्री कमल गुप्ता, मार्गदर्शक श्री ओम प्रकाश पसारी, श्री सुशील नेवर, ट्रस्ट सचिव श्रवण मिमानी, पूर्व अध्यक्ष रमेश झंवर, उपाध्यक्ष महावीर बिहानी, संजय सोमानी, प्रोग्राम कोऑर्डिनेटर विनोद बिनानी, लक्ष्मीकांत पसारी एवं अन्य सदस्यों ने बधाई देते हुए प्रसन्नता व्यक्त की।

श्री माहेश्वरी बालक छात्रावास संस्थान भीलवाड़ा के चुनाव सम्पन्न

अध्यक्ष मंत्री

श्री माहेश्वरी बालक छात्रावास संस्थान भीलवाड़ा जो कि समाज के जरुरतमंद लोगो के पढने/कोचिंग/ट्रेनिंग करने वाले बच्चो को आवास एवं भोजन आदि कि व्यवस्था अपने स्व निर्मित भवन में पिछले दो वर्षो से निःशुल्क मुहैया करा रहा हैं। इस संस्थान कि वर्ष 2023-2025 हेतु प्रबंधकारिणी समिति के चुनाव गत दिनों ए-156 अंशल सुशांत सिटी भीलवाड़ा में संपन्न हुए उसमे अध्यक्ष श्री सत्यनारायण मंत्री, उपाध्यक्ष श्री राम राय सेठिया, मंत्री कैलाश चन्द्र दरगड तथा कोषाध्यक्ष बृजमोहन सोमानी निर्वाचित हुए तथा 7 अन्य समाज जन कार्यकारिणी सदस्य बनाये गये।

आओ लौट आओ न अटल

मनोज चाण्डक नायाब, गुवाहाटी

देखो तुम जो रिक्त कर गए थे
अब तक न भर पाया वो पटल
तोड़ आतताइयों के अहंकार
तुमने जो भरी थी गहरी हुंकार
लो स्वप्न तुम्हारा पूर्ण हुआ
गूंजेगी मंदिर में घंटियों की टंकार
तुम होते तो देखते अटल
जो रिक्त कर गए थे
अब तक न भर पाया वो पटल
कश्मीर मां भारती का है ताज
बेड़ियों से मुक्त हुआ आज
कल तक जो चिड़िया थी
हिन्द बन गया अब बाज
तुम जो होते तो देखते अटल
जो रिक्त कर गए थे
अब तक न भर पाया वो पटल

श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी को श्रद्धांजलि

नागदा में श्रीमती अनिता जावंदीया एवं श्री राजेश जावंदिया का स्वागत, सम्मान

अखिल भारतीय माहेश्वरी महिला संगठन मध्यांचल की संयुक्त मंत्री श्रीमती अनिता जावंदिया एवं होशंगाबाद के पूर्व जिला अध्यक्ष श्री राजेश जावंदिया के नागदा आगमन पर समाज जन एवं महिला मंडल द्वारा स्वागत एवं सम्मान किया गया। हाल ही में त्रयोदश सत्र 2023-26 की नवीन कार्यकारिणी में नरेंद्र जी राठी परिवार की बेटी बनखेड़ी (होशंगाबाद) निवासी श्रीमती अनिता जावंदीया जो की निर्विरोध चुनकर आई साथ ही होशंगाबाद के पूर्व जिला अध्यक्ष श्री राजेश जावंदीया भी पधारे थे। इस अवसर पर नागदा माहेश्वरी समाज एवं महिला मंडल नागदा द्वारा उनका स्वागत सम्मान किया गया। यह जानकारी माहेश्वरी समाज नागदा के पूर्व अध्यक्ष सतीश बजाज द्वारा प्रेषित की गई।

प्रिया भट्टड़, बनहट्टी का सुयश

बनहट्टी निवासी श्री विष्णुकांत भट्टड की प्रतिभाशाली सुपुत्री प्रिया भट्टड़ ने दिनांक 30-08-2023 को बेंगलूर में जज के पद को सुशोभित करते हुए शपथ ग्रहण कर परिवार तथा समाज का नाम रोशन किया है। प्रिया की इस उपलब्धि पर माहेश्वरी सेवक पत्रिका परिवार प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उनके उज्जवल भविष्य की मंगलमय कामना करता है।

श्रीगंगानगर में स्वतंत्रता दिवस उल्लासपूर्वक मनाया गया

आजादी के अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में श्रीगंगानगर के श्री माहेश्वरी भवन प्रांगण में स्वतंत्रता दिवस उल्लासपूर्वक मनाया गया। सुबह 9 बजे श्री माहेश्वरी भवन प्रांगण में प्रदेशाध्यक्ष श्री मनोज चितलांगिया, प्रोफेशनल सैल अध्यक्ष श्री बी.डी. चांडक, महिला समिति अध्यक्ष श्रीमती सुनीता बिहाणी, युवा समिति अध्यक्ष डॉ. पवन भट्टड़ व समाज के गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति में सेवा समिति अध्यक्ष श्री महेश कुमार नढ़ाणी ने ध्वजारोहण किया। ध्वजारोहण के बाद मिठाई वितरण के साथ-साथ शुभकामनाओं का आदान-प्रदान भी हुआ। इससे पूर्व दिनांक 11 से 14 अगस्त, 2023 तक निःशुल्क तिरंगा झंडा वितरण की व्यवस्था भी जवाहर नगर स्थित श्री माहेश्वरी भवन में की गई थी।

सरदारशहर माहेश्वरी महिला मंडल द्वारा महारुद्राभिषेक सम्पन्न

सरदारशहर माहेश्वरी महिला मंडल द्वारा माहेश्वरी राधा कृष्ण मंदिर के प्रांगण में 27 अगस्त 2023 को महारुद्राभिषेक का आयोजन किया गया। श्री नन्दलाल मूंधड़ा, श्री पवन डागा, श्री राजकुमार खटोड़, श्री श्रीराम बजाज द्वारा मनोकामना के साथ सामुहिक शिवाभिषेक किया गया। जिसमें समाज के प्रबुद्ध नागरिक और वरिष्ठ महिलाओ और बच्चों ने अपना यथायोग्य समय निकालकर सभी उपस्थित हुए और भगवान आशुतोष का आशीर्वाद लिया। मन्त्रोंचार से मंदिर भक्तिमय हो गया। पधारे सभी जन ने अभिषेक का आंनद लिया। आरती करके ठंडाई और प्रसाद देकर अभिषेक का समापन किया गया।

सलुम्बर में श्रीमद् भागवत महापुराण कथा सम्पन्न

सलूम्बर माहेश्वरी समाज के तत्वाधान में श्रीमद भागवत महापुराण कथा का आयोजन श्री चारभुजा नाथ मन्दिर के प्रांगण में किया गया। भव्य शोभायात्रा के साथ पवित्र भागवत पोथी एवं कथा वाचक पण्डित श्री लक्ष्मीनारायण आमेटा को ससम्मान मन्दिर में पदरावणी की गई। पण्डित जी ने अपने श्रीमुख से रोचक व पौराणिक दृष्टांतों से कथा का रसास्वादन कराते हुए संकीर्तन व भजनों के द्वारा आनन्द रस बरसाया गया। कथा मंडप में नित्य लगभग तीन सौ महिला-पुरुषों ने श्रोता बन कथा-श्रवण का लाभ लिया। विभिन्न श्रद्धालुओं द्वारा समय-समय पर ठंडाई प्रसाद व अन्य प्रसाद का वितरण किया गया। इस अवसर पर श्री चारभुजा नाथ की कृपा से विशेष आयोजन किया गया, जिसमें श्री जगदीश भंडारी, रमेश कचोरिया, श्याम लाल सोनी, नाथू लाल कचोरिया, शिव नारायण आगाल, अनिल कुमार कचोरिया, प्रदीप सोनी एवं प्रमोद बाहेती ने प्रमुख भूमिका का निर्वहन किया। अन्त में समापन पर पण्डित साहब को ससम्मान शोभायात्रा के साथ पोथी के संग पहुँचाया गया। समापन के अवसर पर श्री अनिल कचोरिया द्वारा एक किलो के चाँदी के बर्तन प्रतिदिन ठाकुर जी के भोग लगाने हेतु भेंट की गई तथा महाप्रसाद स्वरुप भन्डारा किया गया। समाज द्वारा अनिल जी का साफा, शॉल एवं चारभुजा की तस्वीर के संग अभिनन्दन किया गया।

जयपुर में नर सेवा, नारायण सेवा

श्री माहेश्वरी समाज, जयपुर के गौरवशाली इतिहास में समाज के भामाशाहों द्वारा जरूरतमंद वर्ग के सेवार्थ श्री माहेश्वरी समाज, जयपुर के नवीनतम प्रयास महेश अन्न सेवा द्वारा दिनांक 14 अगस्त, 22 अगस्त व 29 अगस्त 2023 को जे. के. लॉन हास्पिटल के बाहर लगाए गए सेवा केंद्र पर 450 जरूरतमंद भाइयों और बहनों को भोजन प्रसादी का वितरण किया गया।

इन विभिन्न अवसरो पर समाज अध्यक्ष श्री केदार मल भाला, महामंत्री श्री मनोज मूंदड़ा, कोषाध्यक्ष श्री सुशील जाजू, संगठन मंत्री श्री विमल किशोर सारडा, श्री बजरंग लाल बाहेती, श्री बजरंग जाखोटिया, श्री सत्यनारायण काबरा (जेडी सुपारी), श्री बिहारी लाल साबू, श्री किशन राठी, श्री शांतिलाल जागेटिया, श्री कौशल सोनी, श्री गोपाल राठी, श्री श्यामसुन्दर भूतड़ा व श्री चन्द्र मोहन कासट, श्री अशोक माहेश्वरी (भूतड़ा), श्री रमेश मणिहार एवं परिवार सहित अनेकों समाज के गणमान्य व प्रबुद्ध जन एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

जयपुर में महिलाओं ने हरित क्रान्ति उत्सव सम्पन्न

जयपुर जिला माहेश्वरी महिला संगठन के अन्तर्गत क्षेत्रीय माहेश्वरी महिला संगठन जोन-2 द्वारा दिनांक 30 जुलाई, 2023 को अ.भा. माहेश्वरी महिला संगठन के आह्वान पर पौधारोपण किया गया। क्षेत्रीय अध्यक्ष राजोल तापडिया ने बताया कि जिला महिला संगठन की संरक्षक उमा परवाल, जिला अध्यक्ष उमा सोमानी एवं जिला मंत्री सविता राठी द्वारा प्रोत्साहित इस कार्यक्रम के अन्तर्गत गोपेश्वर महादेव मन्दिर प्रांगण तथा विद्याधर नगर सेक्टर-2 के शहीद सैनिक उद्यान में कुल 275 पौधे लगाए गए। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि बीजेपी की जिला महिला मोर्चा अध्यक्ष अनुराधा कचोलिया थी जिन्होंने 100 पौधे भी निःशुल्क उपलब्ध करवाये। कार्यक्रम संयोजक स्नेहा साबू ने पौधे भेंट करने वाली सभी महिलाओं की सराहना की। कार्यक्रम के अन्त में चाय-नाश्ता रखा गया।

रांची समाज की 15वीं चौपाल कार्यक्रम आयोजित

रांची समाज की 15वीं चौपाल के अंतर्गत समाज के 40 वरिष्ठ जनों की एक टीम ने 27 अगस्त को रांची मुख्यालय से 21 किलोमीटर दूर मराशिल्ली पर्वत पर स्थित स्वयंभू शिवलिंग मंदिर शिवलोक धाम में पूजा अर्चना की, प्रकृति के अलौकिक सौंदर्य का आनंद उठाया तथा उसके पश्चात रांची टाटा हाईवे पर स्थित ड्राइव एंड डाइन रेस्टोरेंट में शाम की चाय नाश्ता का आनंद लिया। राजा उलाहातू क्षेत्र में 230 एकड़ में फैले इस विशाल पर्वत की चोटी पर मराशिल्ली बाबा यानी भोलेनाथ का स्वयंभू मंदिर है। यह विशाल पर्वत एक सिंगल चट्टान का है और इसमें कहीं भी कोई कटिंग नहीं है। इस पर्वत पर कुल मिलाकर 9 जल कुंड है। रांची समाज अपने वरिष्ठ लोगों के लिए जून 2022 से एक मंच चौपाल का संचालन कर रहा है। संयोजक श्री राजकुमार मारू एवं सहसंयोजक श्री अशोक साबू ने बतलाया कि इस मंच के अंतर्गत हर महीना वरिष्ठ लोगों की बैठक होती है तथा बीच-बीच में उन्हें धार्मिक स्थलों का भ्रमण भी कराया जाता है। अभी तक चौपाल के अंतर्गत रांची के आसपास के तीन प्रसिद्ध धार्मिक स्थल का भ्रमण कर लिया गया है।

माहेश्वरी महिला मंडल छापर द्वारा तीज उत्सव का आयोजन

माहेश्वरी महिला मंडल द्वारा माहेश्वरी भवन छापर में तीज उत्सव दिनांक 25 अगस्त 2023 को धूमधाम से मनाया गया, जिसमें सांस्कृतिक कार्यक्रम, गेम्स और नाटक जैसी प्रस्तुतियां रखी गई। कार्यक्रम में सभी महिलाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। सर्वश्रेष्ठ श्रृंगार प्रतियोगिता में भूमि मूंधड़ा को तीज क्वीन का ताज पहनाया गया। कार्यक्रम में श्वेता तापड़िया, सरला लाहोटी, सरोज जाजू, आनंदी राठी, गीतांजलि तापड़िया, वीणा बिहानी, चंद्रकला तापड़िया, संजू सारड़ा, भगवती बिहानी एवं शारदा पेड़ीवाल का सहयोग रहा। कार्यक्रम का संचालन मनीषा मूंदड़ा एवं कोमल मूंदड़ा द्वारा किया गया।

अहमदाबाद में श्रावण की फुहार कार्यक्रम आयोजित

लायन्स क्लब ऑफ वाइब्रेंट फेमिना महिला मण्डल द्वारा अहमदाबाद में श्रावण की फुहार कार्यक्रम प्रथम बार मनाया गया। संगठन की सदस्य प्रेमीला जागेटिया ने बताया सावन की माह में प्रकृति के प्रति आभार प्रदर्शन दर्शाते हुए हरियाली तीज पर लहरिया उत्सव मनाया गया। साथ ही संगठन की अध्यक्षा श्रीमती आशा खटोड ने प्रकृति के प्रति आस्था रखते हुए सभी को पौधारोपण एवं सरंक्षण करने का आह्वान किया। कार्यक्रम में संगठन की सेक्रेटरी श्रीमती चंदा ने 15 अगस्त के मौके पर देश भक्ति आयोजन किये। कार्यक्रम में महिला रेमवाक किया गया तथा महिला उत्थान हेतु विचार विमर्श किये गये। संचालन रीना समदानी ने किया तथा आशा खटोड़ ने आभार व्यक्त किया।

माहेश्वरी महिला संगठन वाराणसी द्वारा तीज कार्यक्रम आयोजित

माहेश्वरी महिला संगठन वाराणसी द्वारा तीज के कार्यक्रम का आयोजन रिश्तों की गुलदस्ता के रूप में 25 अगस्त 2023 को माहेश्वरी भवन महमूरगंज के मुख्य सभागार में अपार हर्ष और उल्लास के माहौल में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर महिलाओं के मनोरंजन और श्रावण आधारित गीत संगीत की सुमधुर प्रस्तुतियां की गई। कार्यक्रम के आरंभ में एक श्रावणी मेला समाज की महिलाओं द्वारा संचालित किया गया जिसमें विभिन्न परंपरागत मनोरंजन वाले गेम्स तथा विभिन्न प्रदेशों खासकर राजस्थानी व्यंजनों को प्रस्तुत किया गया। फिर 'रिश्तों का गुलदस्ता' थीम पर रंगारंग कार्यक्रम शुरू हुआ जिसमें। समाज की महिलाओं ने नाट्य मंचन, स्क्रिप्ट प्रस्तुतियां, समूह नृत्य आदि प्रतियोगिताओं में बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया। विभिन्न प्रतियोगिताओं में विजेताओं को पुरस्कृत और सम्मानित किया गया। अन्य सहभागी कलाकारों को भी प्रोत्साहन स्वरूप गिफ्ट्स दिए गए। आयोजन की अध्यक्षता इन्दू चाण्डक, अतिथियों का स्वागत मंत्री सुषमा कोठारी, संचालन सरोज भरानी, प्रीति झंवर, लक्ष्मी लढ्ढा, वीणा कोठारी, सांस्कृतिक मंत्रीद्वय सुधा डागा व भावना लढ्ढा ने किया। धन्यवाद ज्ञापन वीणा मूंदड़ा ने किया। अंजू बियानी, कविता मारू, नमिता भुराड़िया और गीतिका मल्ल का भी सहयोग प्राप्त हुआ। आयोजन के आउटडोर प्रबंधन में श्री श्रवण करवा, श्री संजीव चाण्डक, श्री गिरिराज कोठारी, श्री धीरज मल्ल का सहयोग मिला।

श्री बालकिशन सोमानी, जयपुर हुए सम्मानित

द एज्युकेशन कमेटी ऑफ माहेश्वरी समाज द्वारा स्वतंत्रता दिवस का मुख्य समारोह माहेश्वरी इन्टरनेशनल स्कूल, तिलकनगर जयपुर में मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ श्री माहेश्वरी समाज जयपुर के पूर्व अध्यक्ष श्री बालकिशन सोमानी ने दीप प्रज्जवलन कर किया। इस अवसर पर श्री सोमानी द्वारा की जा रही समाज सेवाओं के लिये उनका साफा पहना कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में समाज अध्यक्ष श्री केदारमल भाला, महामंत्री श्री मनोज कुमार मूंधड़ा, महासचिव (शिक्षा) श्री मधुसूदन बियानी, उपाध्यक्ष (शिक्षा) श्री बजरंग बाहेती सहित अनेक गणमान्य समाज बंधु उपस्थित थे।

डेगाना में महिलाओं ने की तीज माता की पूजा

डेगाना शहर सहित ग्रामीण अंचल में माहेश्वरी समाज की महिलाओं ने सिंजारा पर्व व सातुड़ी तीज का पर्व धूमधाम से मनाया। सुहागिन महिलाओं व बालिकाओं ने अपने हाथों पर मेहंदी लगाकर उपवास रखा। सिंजारे के दिन महिलाओं ने बाग बगीचों में झूले झूलने का आनंद लिया। महिलाओं ने शाम के समय सोलह श्रृंगार कर मंदिर व घरों में तीज माता की पूजा अर्चना कर कहानी सुनी। देर रात्रि को चंद्रमा को अर्क देकर उपवास खोला व सातू की पूजा की। इस दौरान राजूदेवी करवा, कृष्णा करवा, शांति करवा, कलावती करवा, जया भूतड़ा, सुमन करवा, कोमल करवा, पूनम भूतड़ा, मधु करवा, संतोष करवा, दिव्या करवा, पुष्पा करवा, चांदनी करवा, जया भूतड़ा, संतोष करवा, शीतल करवा, प्रियंका करवा आदि महिलाए मौजूद थी। यह जानकारी हमारे प्रतिनिधि राकेश करवा ने दी।

वाराणसी में स्वतंत्रता दिवस धूमधाम से मनाया गया

77 वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर माहेश्वरी भवन, महमूरगंज (वाराणसी) पर समाज बंधुओं व महिलाओं द्वारा ध्वजारोहण किया गया। इस अवसर पर माहेश्वरी परिषद के अध्यक्ष गोविंद बजाज, पूर्वी उत्तर प्रदेश माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष राजकुमार कोठारी ने सभी समाज बंधुओं को स्वतंत्रता दिवस की बधाई दी। मांगीलाल सारड़ा, पप्पू सोमानी, गौरीशंकर नेवर, अनिल मूंदड़ा, नवनीत कोठारी, गोविन्द भरानी, गिरिराज कोठारी, राकेश दरक, मनीष काबरा, मनीष सोमानी, रामजी लाल चांडक, गोपाल दम्मानी, नंदू सोनी, रमेश साबू, प्रतीक मूंदड़ा, अनुराग सोनी, राहुल, सागर, आशीष, शुभम, वत्सल, नटवर, श्रीमती इंदु चांडक, सरोज भरानी, सुषमा कोठारी, सविता, अदिति, ज्योति एवं उपस्थित सभी ने बधाई दी, देश भक्ति के गानों ने चार चांद लगा दिये।

माहेश्वरी बॉयज हॉस्टल में छात्रों ने मनाया 77 वं स्वतंत्रता दिवस

बेंगलुरु के राजराजेश्वरीनगर में स्थित माहेश्वरी बॉयज हॉस्टल में ध्वजारोहण के साथ 77वां स्वतंत्रता दिवस बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर हॉस्टल के छात्र, माहेश्वरी फाउंडेशन के चेयरमैन राजगोपाल भूतड़ा व अन्य ट्रस्टीगण, माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष निर्मल कुमार तापड़िया सहित कार्यसमिति सदस्य, विशिष्ट अतिथि श्रीगोपाल सारडा व अन्य समाज सदस्य उपस्थित रहे। छात्रों को सम्बोधित करते हुए माहेश्वरी फाउंडेशन के चेयरमैन राजगोपाल भूतड़ा ने कहा अनुशासन, कृतज्ञता और कर्तव्य यह वे तीन स्तंभ हैं जो स्वतंत्रता संग्राम के दौरान मजबूती से खड़े रहे। ये मूल्य सदैव हमारे जीवन के मार्गदर्शक सिद्धांत बने रहने चाहिए। विशेष अतिथि श्रीगोपाल सारडा ने कहा वे देश को अपने कार्यकुशलता की सेवाएं दें और देश के प्रति अपने ऋण चुकाएँ। धन्यवाद ज्ञापन के साथ सभा को विराम दिया गया।

श्री माहेश्वरी रामायण मण्डल ओढव अहमदाबाद द्वारा सवा करोड हनुमान चालीसा पाठ का लक्ष्य

श्री हनुमान महाराज (टेबली) की प्रेरणा से श्री माहेश्वरी रामायण मण्डल ओढव अहमदाबाद द्वारा सवा करोड हनुमान चालीसा का संकल्प दिनांक 14-1-2023 को किया गया था जिसमें अब तक लगभग 900 भक्त जुड़ चुके हैं। ये भक्त प्रतिदिन अपना पाठ कर उसकी संख्या ग्रुप में डालते हैं और कोई भी भक्त इस ग्रुप में जुड़ना चाहे तो जुड़ सकता है।

विजय कुमार थिरानी, बीकानेर सम्मानित

अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा के कार्यकारी मण्डल सदस्य श्री विजय कुमार थिरानी बीकानेर मूल निवासी नोहर को उनके द्वारा किये जा रहे सेवा रूपी कार्यो के लिए 15 अगस्त को नोहर में उप जिला कलेक्टर द्वारा सम्मानित किया गया। श्री विजय कुमार थिरानी अपने पिता स्व. श्री मोहनलाल जी थिरानी की पुण्य स्मृति में विगत 7 वर्षो से नोहर क्षेत्र में निःशुल्क नैत्र जांच व शल्य चिकित्सा शिविर का आयोजन करवा रहे हैं। हर वर्ष चयनित रोगियों को नोहर से बीकानेर ले जाकर सफल ऑपरेशन करवा कर रोगियों को वापिस नोहर भिजवाने की व्यवस्था व ऑपरेशन किये गये जाते हैं। 2016 से 2023 तक नोहर में कैम्प के दौरान ओपीडी में 4390 लोगो की आंख की जांच की गई व 566 मरीजो के आंखो के ऑपरेशन किये गये हैं।

माहेश्वरी संगठन और एकता का संकट के समय तारिफे काबिल सहयोग

श्री गिरिराज रतनजी झंवर 29/08 को मथुरा से चेन्नई के लिए GT Exp से आ रहे थे, रास्ते में ट्रेन में उनका देहांत हो गया। ट्रेन से उनकी बॉडी को बेल्लमपल्ली स्टेशन पर उतार दिया गया, चेन्नई में गोपालजी झंवर एवं सुशीलजी झंवर द्वारा कमलजी गोयदानी से संपर्क कर इस घटना से अवगत कराया गया। कमलजी गोयदानी ने अपने कंवर साहब विजयजी राठी (अध्यक्ष मारवाड़ी युवा मंच, कोतागुडम) से संपर्क किया। उन्हें जानकारी दी गई, इस पर उन्होंने बेल्लमपल्ली माहेश्वरी समाज के अध्यक्ष श्री ओमजी मारू को पूर्ण विगत बताई। तत्पश्चात बेल्लमपल्ली माहेश्वरी समाज एवं मारवाड़ी युवा मंच के कार्यकर्ताओ ने इस कार्य में अपना पूरा सहयोग दिया। झंवर परिवार ने यह निर्णय लिया कि उनका अंतिम संस्कार बेल्लमपल्ली में ही करेंगे, दिनांक 30/08/23 को बेल्लमपल्ली में समाजजन ने बड़ी संख्या में उपस्थित होकर झंवरजी का अंतिम संस्कार विधिवत करने में सहयोग दिया। समाज में संगठन की महत्ता एवं सेवा भावना से ही ऐसे कठिन समय में तत्कालिक सहयोग मिला, जिससे संतप्त परिवार को संबल तथा हिम्मत मिली। चेन्नई माहेश्वरी समाज बेल्लमपल्ली समाज का सदैव ऋणी रहेगा

प्रेषक - जय किशन झंवर, जागरुक सामाजिक कार्यकर्ता

समर्पण सोशल ऑर्गेनाइजेशन संस्था की तरफ से जयपुर में वृक्षारोपण का कार्यक्रम का आयोजन

संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष महीप तापड़िया के जन्मदिन के उपलक्ष्य में समर्पण सोशल ऑर्गेनाइजेशन संस्था की तरफ से कान्ति चंद्र रोड़ बनीपार्क स्थित पार्क में वृक्षारोपण का कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर संस्था के अध्यक्ष तापड़िया जी के चालीस साल पूर्ण होने पर चालीस पेड़ लगाए गए। संस्था की तरफ से पूरे भारतवर्ष में पौधारोपण की एक मुहिम चलाई गई है। जिसमें कोई भी अपने परिवार के किसी भी सदस्य की जन्मदिन या सालगिरह को संस्था की तरफ से पौधारोपण करवा सकता है। इस मौके पर संस्था के जितेन्द्र अग्रवाल, प्रवीण बिहाणी, अनिल कुमार, आयुषी शर्मा और आस पड़ोस के बच्चे काफी थे। कई महिलाएं भी इस अभियान में शामिल हुई।

With Best Complimnts From

MANIYAR

GROUP OF INDUSTRIES

MANUFACTURERS OF
CALCINED PETROLEUM COKE,
CARBON ELECTRODE PASTE
AND PULVERISED PET COKE

GUWAHATI CARBON LTD.	GUWAHATI (ASSAM)
BRAHMAPUTRA CARBON LTD.	BONGAIGAON (ASSAM)
DIGBOI CARBON PVT. LTD.	DIGBOI (ASSAM)
NEO CARBONS PVT. LTD.	BARAUNI (BIHAR)
PARADIP CALCINER PVT. LTD.	PARADEEP (ORISSA)
MANIYAR COTTAGE A Royal Wddding Palace	SHAHPURA (BHILWARA) RAJASTHAN

Corporate Office :
14B, Canal Street,
Kolkata-700014
West Bengal

Ph : (033) 2255-1800/1/2/3,
Fax : (033) 2255-1860/70
Email : cpc@maniyargroup.com
Website : www.maniyargroup.com

राजसमंद जिला माहेश्वरी संस्थान की नवीन कार्यकारिणी की पहली बैठक आयोजित

आमेट कस्बे की जय सिंह श्याम गोशाला में राजसमंद जिला माहेश्वरी संस्थान की नवीन कार्यकारिणी की पहली बैठक हुई। जिलाध्यक्ष विष्णु गोपाल सोमानी, दक्षिणी राजस्थान प्रादेशिक सभा सचिव रामगोपाल सोमानी, सह सचिव केदारमल न्याति, निवर्तमान जिला अध्यक्ष अर्जुन लाल चेचाणी, महिला मंडल जिला अध्यक्ष प्रेमलता चेचाणी मौजूद थी। चारभुजा जलझूलनी पर आयोजित होने वाले मेले में शीतल पेयजल की व्यवस्था करने, प्रतिभावान समारोह सम्मान आयोजित करने, विधवा व असहाय महिलाओं की सहायता व आदित्य विक्रम बिरला ऋण से सम्बधित जानकारी देने, प्री-वेडिंग पर पूर्ण रोक लगाने आदि निर्णय लिये गये। बैठक से पूर्व गोशाला में गायों को गुड़ का प्रसाद खिलाया। जिला अध्यक्ष विष्णु सोमानी ने आगंतुक समाजजनों का आभार व्यक्त किया। भगवती लाल असावा, नारायण लाल बाहेती, जगदीश मंडोवरा, मनोज छापरवाल, लक्ष्मी लाल ईनाणी, जगदीश चंद्र लड्ढा, सुभाष काबरा, मदन लाल मालानी आदि मौजूद थे। कार्यक्रम का संचालन जिला सचिव खूबचंद झंवर ने किया।

लखनऊ में तिरंगा रैली का आयोजन सम्पन्न

माहेश्वरी समाज लखनऊ, माहेश्वरी महिला मंडल एवं माहेश्वरी युवा संगठन द्वारा समाज के परिवारों के साथ हनुमान सेतु मंदिर से खाटूश्याम मंदिर के लिए तिरंगा रैली का आयोजन किया गया जिसमें समाज के वृद्धजन, महिलाएं, युवा एवं बच्चों ने भी तिरंगा रैली में उपस्थित होकर सभी ने अपने आपको गौरवान्वित महसूस किया। तिरंगा रैली में समाज के सभी जनों ने हाथों में झंडा लेकर देशभक्ति के गीत गाए एवं समाज द्वारा सभी देशवासियों को एकजुट रहने का संदेश दिया गया। सभी ने खाटू श्याम मंदिर में राष्ट्रीय गान गाया एवं आरती दर्शन किए। पदाधिकारियों द्वारा तिरंगा रैली में शामिल होने के लिए सभी को धन्यवाद दिया गया।

उद्योगपति श्री राजेश माहेश्वरी, जबलपुर सम्मानित

जबलपुर चेम्बर ऑफ कॉमर्स एण्ड इंडस्ट्री द्वारा उद्योगपति श्री राजेश माहेश्वरी का जबलपुर चेम्बर के गठन से लेकर व्यापार एवं उद्योग को बढ़ाने में जबलपुर चेम्बर के साथ कंधे से कंधा मिलाकर संघर्ष किया और व्यापार एवं औद्योगिक विकास को एक उत्कर्ष आयाम दिया। श्री माहेश्वरी का प्रयास सदैव अविस्मरणीय एवं प्रेरणादायक रहा है। इस अवसर पर आपके निवास पर सम्मान समारोह में जबलपुर चेम्बर के चेयरमेन श्री कमल ग्रोवर, कार्यकारी अध्यक्ष श्री प्रेम दुबे, सचिव पंकज माहेश्वरी, वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्री अजय अग्रवाल, उपाध्यक्ष श्री नरिन्दर सिंह पांधे, श्री नरेश ग्रोवर, श्री प्रकाश मालपाणी, श्री रवि गुप्ता (मनेरी उद्योग संघ), म. प्र. कैंट के दीपक सेठी, होटल एण्ड रेस्टॉरेंट एसों. के सचिव श्री अरुण पवार, शशिकांत पांडेय, उमेश ग्रावकर आदि उपस्थित थे।

दुमदुमा में माहेश्वरी समाज का सातुड़ी तीज सिंजारा आयोजित

दुमदुमा माहेश्वरी परिवार ने सातुड़ी तीज सिंजारा विभिन्न कार्यक्रमों के साथ आयोजित किया। दुमदुमा के ढाबा में आयोजित सिंजारा के पावन अवसर पर कई खेल एवं मनोरंजन कार्यक्रम कर विजेताओं को पुरस्कृत भी किया गया। सभी माहेश्वरी परिवारों ने कार्यक्रम में बढ़ चढ़कर भागीदारी दिखाई एवं आपसी एकजुटता का परिचय दिया। कई तरह के खेल, नृत्य व संगीत के साथ कार्यक्रम आयोजित हुआ, जिसमें मुरली मनोहर लाहोटी, कमला देवी लाहोटी और सुनीता लाहोटी विजयी रहें। नृत्य संगीत कार्यक्रम में सभी उम्र के लोगों ने जमकर अपनी लोक संस्कृति राजस्थानी नृत्य पेश किया। कहते हैं ज्ञान अर्जित करने की कोई निर्धारित उम्र नहीं होती है। इसी कहावत को अपने जीवन में उतारते हुए 70 वर्ष की उम्र में समाज के बुजुर्ग नारायण बाहेती ने वकालत की परीक्षा पास कर वकील बनने पर सभी ने बधाइयां देते हुए केक काट कर उनका अभिनंदन किया। कार्यक्रम को सफलतापूर्वक आयोजित करने में सुनीता लाहोटी, शालिनी सारडा, प्रियंका लाहोटी एवं अनुज लाहोटी का विशेष सहयोग रहा।

With Best Compliments from

Baheti Steel Traders

Stockist in : TATA TISCON, Radha (T.M.T), JAIRAJ, DEVASHREE TMT BAR

H.O. : 3-1-336, Esamia Bazar, Hyderabad - 500 027

Ph : (O) 24652539, 24656753, 24653542, 24653543 (R) 24656631, 24653233

Manoj Baheti M: 9390037995

B.O. : Nacharam, Hyderabad Karmanghat, Hyderabad

Viashal Baheti M : 8185815252

Shyam Baheti M: 9391038450

DAGA BROS.

DAGA BROS.

Stockist of : Umbrella and Raincoat, ADI K.C. Paul & Sons.

Strolly : VIP, Diplomat, Sky Bag, Safari, American Tourister Bags : Duck Back, EMY, HAPPY, SKY BAG

Raincoat, Gumboot, Duckback, Jacket, Wind cheaters, & Wollen Garments

We Accept Promitional & Corporate Order also.

156/1B Radha Bazar Street, Near Lal Bazar, KOLKATA-700001

M : 9830960606 Email : nand52001@gmail.com

Hari Kishan Daga M 9830005486

Nand Kishor Daga

जमशेदपुर माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा राखी उत्सव मेला आयोजित

जमशेदपुर माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा 30 जुलाई से 1 अगस्त 2023 तक आयोजित 3 दिवसीय राखी उत्सव मेला सम्पन हुआ। मेले का उद्घाटन अ.भा.मा. महासभा के पूर्वांचल सह सचिव श्री छित्तरमल धूत एवं स्थानीय बीजेपी के युवा नेता कुणाल सारंगी की धर्मपत्नी समाज सेविका डॉक्टर श्रद्धा सुमन ने किया। इस मेले में सभी स्टॉल वालों की खूब बिक्री हुई। संगठन ने अपने तरफ से 60 कस्टमर जिन्होंने 2500/- से ज्यादा की खरीद की थी को 500/- का गिफ्ट दिया। आखिरी दिन 5000/- से ज्यादा की खरीद की उनके बीच लकी ड्रा किया गया। विजेताओं को प्राइज दिया गया। इस मेले के आयोजन में पूर्व प्रदेश एवं स्थानीय अध्यक्ष श्रीमती संतोष धूत, वर्तमान प्रदेश कार्य समिति सदस्य उषा फलोर, वर्तमान महिला अध्यक्ष अनीता शारदा, पूर्व प्रदेश महिला अध्यक्ष प्रमिला आगीवाल, सचिव शशि लढ्ढा, उर्मिला शारदा, चंद्रकांता शारदा, संध्या आगीवाल आदि सदस्य का साथ रहा।

जयपुर में क्षेत्रीय महिला संगठन द्वारा चौथ का सामुहिक उद्यापन

जयपुर जिला माहेश्वरी महिला संगठन के अन्तर्गत क्षेत्रीय माहेश्वरी महिला संगठन जोन-1 द्वारा 4 अगस्त, 2023 को श्रावण के अधिकमास की चौथ का लहरिया योग पर सामुहिक उद्यापन का आयोजन किया गया जिसमें 14 महिलाओं ने अपना उद्यापन किया। जोन-1 की अध्यक्ष उर्मिला लोहिया ने बताया कि संत श्री कौशलदास की बगीची में यह कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। सर्वप्रथम करीब 80 संतों ने प्रसादी ग्रहण की तथा कुल करीब 200 महिलाओं ने सहभोज का आनन्द लिया। इस अवसर पर जिला संरक्षक उमा परवाल, जिला अध्यक्ष उमा सोमानी, जिला मंत्री सविता राठी तथा जिला संगठन, प्रदेश संगठन एवं सभी जोनों के विभिन्न पदाधिकारी भी उपस्थित थे। इस अवसर पर हनुमान चालीसा का ग्यारह बार सामुहिक पाठ किया गया तथा महिलाओं द्वारा शंकर भगवान की सामुहिक पूजा एवं आरती भी की गई। इस कार्यक्रम में प्रेमलता मांधना, अनिता मूंदड़ा एवं श्री रमेश मूंदड़ा का सराहनीय सहयोग रहा।

महाराष्ट्र प्रदेश माहेश्वरी युवा संगठन पदग्रहण समारोह संपन्न

छ. संभाजी नगर महाराष्ट्र प्रदेश माहेश्वरी युवा संगठन के त्रयोदश सत्र का पद ग्रहण समारोह छ. संभाजी नगर युवा संगठन के सानिध्य में संपन्न हुआ। त्रयोदश सत्र के अध्यक्ष विनीत तोष्णीवाल इचलकरंजी, सचिव पीयुष राठी भायन्दर, कोषाध्यक्ष आनंद तोतला, संगठन मंत्री प्राजल पलोड नाशिक, सांस्कृतिक मंत्री कृष्णा राठी पुणे, क्रिडामंत्री रोहित भैया सोलापुर एवं विभिन्न पदाधिकारीयों का पदग्रहण संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम मे विशेष रूप से अ.भा.मा. युवा संगठन अध्यक्ष शरद सोनी महाराष्ट्र प्रदेश माहेश्वरी सभा सचिव सत्यनारायण सारडा ABMYS क्रीडा मंत्री पुष्पक लढ्ढा, उपाध्यक्ष केशव कांकाणी, प्रदेश निवर्तमान अध्यक्ष हार्दिक सारडा, छ. संभाजी नगर युवा अध्यक्ष भूषण मालपाणी उपस्थित रहे। महाराष्ट्र प्रदेश युवा संगठन बोर्ड मीटिंग मे आने वाले कार्यकाल के लिये विभिन्न योजनाओं की जानकारी अध्यक्ष विनीत तोष्णीवाल ने रखी एवं छ. सभांजी नगर युवा संगटन द्वारा अतिशय शिस्तवध कार्यक्रम के लिये धन्यवाद प्रस्ताव पास किया गया।

अहमदाबाद माहेश्वरी युवा संगठन द्वारा पिकनिक का आयोजन

अहमदाबाद माहेश्वरी युवा संगठन के द्वारा सावन पिकनिक का आयोजन दिनांक 20 अगस्त रविवार को गणेश फन वर्ल्ड, कड़ी में किया जिसमे 450 से अधिक सदस्य शामिल हुए। पिकनिक का प्रारंभ महेश वन्दना से हुआ उसके बाद जीप लाइन, ऊँचा झूला, मिनी वाटरपार्क, स्विमिंग पूल, बच्चों की सवारी और कई अन्य साहसिक गतिविधियाँ और कपल खेल, हाउसी में सभी ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया। अंत में इस पिकनिक में शामिल होने वाले समाज के सदस्य एवं कार्यक्रम सह सहयोजक सपना, टीना, विजय, दिनेश, बसंत, दीपक, लक्ष्य, अंकित, संदीप, शिव, मयंक, आशीष सभी का अध्यक्ष दीपक मणियार, सचिव अभिषेक मालपानी और कोषाध्यक्ष प्रवीण माहेश्वरी ने आभार प्रकट किया और पिकनिक का समापन किया। यह यह जानकारी संगठन मंत्री अर्पित बाहेती के द्वारा दी गयी।

सामर्थ्य सोसायटी बूंदी ने पाठ्य सामग्री वितरित की

सामर्थ्य सोसायटी बूंदी द्वारा 'प्रोजेक्ट आशाएं' के अंतर्गत 11 अगस्त को गणेशपुरा में बच्चो को पाठ्य सामग्री वितरित की। सोसायटी अध्यक्ष राशि माहेश्वरी ने बताया कि पाठ्य सामग्री के अभाव में जो बच्चे विद्यालय नहीं जा पा रहे थे ऐसे चयनित 20 बच्चों को पाठ्य सामग्री वितरित कर उन्हे विद्यालय में शिक्षा ग्रहण करने के लिए प्रेरित किया। माहेश्वरी ने बताया कि प्रोजेक्ट आशाएं का उद्देश्य यही है कि सभी बच्चे शिक्षित हो और स्वावलंबी बने। उन्होंने बताया कि जिन बच्चों का नामांकन स्कूल में दस्तावेज के अभाव के कारण नहीं हो पाता है। ऐसे बच्चो के सोसायटी की और से निशुल्क दस्तावेज भी तैयार करवाएं जा रहे हैं।

With best compliments from

IWP

THE INDIAN WOOD PRODUCTS CO. LTD.

Pioneer manufacturer of Machine made

KATHA & CUTCH

Works : Izatnagar, Bareilly-243122 (U.P.)

Phone: (WLL) : 8057066660

E-mail: iwpbareilly@yahoo.com

Website : www.iwpkatha.com

CAREWELL TRAVELS ESTD 1994

CAREWELL TRAVELS & TOURS PVT. LTD.

CARE BEYOND COMPARE

HEAD OFFICE

P-23/24, Radha Bazar St., 5th Fl., Kolkata - 700 001

E-Mail: info@carewelltravels.com

Phone: +91-86979 44445

BRANCH OFFICE

Mumbai & Guwahati

Ramesh Jajoo (Director)

+91 98310 44445

श्रद्धाजंलि

श्रीमती निलादेवी कासट, पूना का देवलोकगमन

पूना निवासी अ.भा.मा. युवा संगठन के भूतपूर्व कार्यसमिति सदस्य मनोज कासट और सामाजिक कार्यकर्ता मकरंद कासट की माता श्रीमती निलादेवी विठ्ठलदास कासट का हृदय गति रुकने से दिनांक 11 अगस्त 2023 को दु:खद निधन हो गया। हंसमुख, धार्मिक व मिलनसार स्वभाव की धनी श्रीमती निलादेवी अपने पीछे भरापूरा परिवार छोड कर गई है। माहेश्वरी सेवक पत्रिका परिवार भगवान महेश से प्रार्थना करता है कि वे दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान प्रदान करें।

श्रीमती शर्मिला माहेश्वरी, इन्दौर का निधन

सरवाड (अजमेर) के मूल निवासी वर्तमान इन्दौर निवासी श्री विरेन्द्र जी चौधरी (माहेश्वरी) की धर्मपत्नी श्रीमती शर्मिला माहेश्वरी का 8 अगस्त 2023 को देहावसान हो गया। माहेश्वरी पब्लिक स्कूल अजमेर के संस्थापक स्व. रमेश चन्द जी माहेश्वरी तथा मध्य राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी सभा के मुख्य चुनाव अधिकारी श्री ताराचन्द जी माहेश्वरी की भतीजी एवं स्व. प्रेमनारायण जी माहेश्वरी की सुपुत्री श्रीमती शर्मिला जी के निधन पर माहेश्वरी सेवक पत्रिका परिवार अश्रुपुरित श्रद्धाजंली अर्पित करता है।

श्रीमती राधादेवी खटोड़, डेगाना का देवलोकगमन

डेगाना निवासी रामअवतार जी घनश्याम जी मनोज जी बनवारी जी खटोड़ की माताजी श्रीमती राधादेवी खटोड़ धर्मपत्नी श्री लक्ष्मीनारायण जी खटोड़ का 80 वर्ष की उम्र में दिनांक 29/7/2023 वार शनिवार को देवलोकगमन हो गया। आप बहुत ही सरल स्वभाव व मिलनसार व धार्मिक प्रवृति की थी। माहेश्वरी सेवक पत्रिका परिवार भगवान महेश से प्रार्थना करता है कि उनकी आत्मा को मोक्ष प्रदान करे।

श्री गोपीलाल भैया, नौख का देवलोकगमन

नौख जिला जैसलमेर निवासी श्री गोपीलाल जी भैया का आकस्मिक स्वर्गवास 19.6.2023 को हो गया है। हंसमुख, धार्मिक व मिलनसार स्वभाव के धनी श्री भैया अपने पीछे भरापूरा परिवार छोड कर गये है। माहेश्वरी सेवक पत्रिका परिवार हृदय के गहनतम तल से शोक व्यक्त करते हुए भगवान महेश से प्रार्थना करता है कि वे दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान प्रदान करें।

प्रमुख समाज सेवक आर.एल.नौलखा भीलवाड़ा का निधन

प्रमुख समाज सेवी व अखिल भारत वर्षीय माहेश्वरी महासभा के पूर्व उपसभापति श्री रतनलाल जी नौलखा भीलवाड़ा का स्वर्गवास हो गया है। श्री नौलखा जी का अनेक पदों पर रहते हुए उद्योग, शिक्षा, समाज सेवा जैसे क्षेत्रों में अपना चहुंमुखी योगदान रहा है। श्री नौलखा जी ने 1993 में नितिन स्पिनर्स लि. की स्थापना की जो वर्तमान में सूती धागे व निटेड फेब्रिक की प्रमुख उत्पादक कम्पनी है। आप अखिल भारतीय माहेश्वरी महासभा उपसभापति (पश्चिमाचंल) लॉयन्स क्लब के डिस्ट्रीक्स चैयरपर्सन, श्री बांगड माहेश्वरी मेडिकल वैलफेयर सोसायटी के ट्रस्टी, श्री आदित्य विक्रम बिड़ला मैमोरियल व्यापार वेलफेयर केन्द्र के सदस्य, राजस्थान महेश सेवा निधि के उपाध्यक्ष, विवेकानंद केन्द्र भीलवाड़ा के अध्यक्ष, श्री गणेश उत्सव एवं प्रबन्ध समिति भीलवाड़ा के संरक्षक, श्री सोजीराम रतनलाल नौलखा चेरिटेबल ट्रस्ट के संस्थापक ट्रस्टी आदि अनेक पदों की जिम्मदारी का सफलता पूर्वक निर्वाह कर चुके है। श्री नौलखा महेश शिक्षा सदन भीलवाड़ा के बारह वर्षो तक अध्यक्ष पद पर रहते हुए संस्था को उंच्चाइयों तक पहुंचाया। आप दी इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकांउंटेंट्स ऑफ इण्डिया की भीलवाड़ा शाखा के संस्थापक अध्यक्ष आदि कई महत्वपूर्ण पदों पर भी रहे चुके हैं। आपकी धर्मपत्नी श्रीमती सुशीला देवी नौलखा एक धार्मिक व पारिवारिक महिला है। श्री नौलखा के दो पुत्र व एक पुत्री है। बड़े पुत्र दिनेश नौलखा चार्टर्ड एकाउटेंट व कोस्ट एकाउटेंट है तथा नितिन स्पिनर्स से जुड़े होकर इसके प्रबंध निदेशक की जिम्मेदारी निभा रहे हैं। छोटे पुत्र 39 वर्षीय नितिन नौलखा एम.बी.ए. करने के बाद 2001 से कम्पनी के कार्यकारी निदेशक के रूप में जुड़े हुए है। पुत्री सुधा का विवाह दिल्ली निवासी विवेक मालानी के साथ हुआ है जो वर्तमान में जयपुर में रियल इस्टेट के व्यवसाय से जुड़े हुए है। हंसमुख व मिलनसार व्यक्तित्व के धनी श्री नौलखा को माहेश्वरी सेवक पत्रिका परिवार अश्रुपुरित श्रद्धांजलि अर्पित करता है।

TATA STEEL
WeAlsoMakeTomorrow

TATA KOSH

क्या आपका खज़ाना है सुरक्षित?
पेश है टाटा कोष

टाटा कोष निशान देखके खरीदो

80/120 जीएसएम ज़िंक कोटिंग • वादे के अनुसार सटीक मोटाई • बेहतरीन क्वालिटी का स्टील • टाटा का भरोसा

ट्रंक । ग्रेन सिलो । तसला । यूटेन्सिल । बकेट । एसी डक्टिंग । कोल्ड स्टोरेज

टाटा स्टील की ओर से गैल्वेनाइज्ड प्लेन स्टील

शक्तिशाली टाटा शक्ति जी सी शीट

काम ज़्यादा, दाम नहीं!

TATA STEEL

मूल्य की करो परख
फ़िर खरीदो बेधड़क

TATA SHAKTEE

इस्तेमाल करें विश्वमान की टाटा शक्ति जी सी शीट।
अब सबकी खरीद में।

गर्व से जीयो

Authorised Distributor : **BIHANI ENTERPRISES**
S-1, Usha Plaza, 3rd Floor, M.I. Road, Jaipur-30 Tel. Office-2378577, 2374114
Mob.:-9799398135 E-Mail Id- bihanientp@gmail.com

वर्ष 72 अंक-6 सितम्बर-2023 RNI NO. 3971/57 Regd. No. बीकानेर / 013 / 2022-2024
वार्षिक शुल्क 350/- एक प्रति 35/- प्रकाशन तिथि 12-13 प्रेषण तिथि 16-17

72 वर्षों से बीकानेर से प्रकाशित होने वाली माहेश्वरी समाज की लोकप्रिय मासिक पत्रिका

माहेश्वरी सेवक

अब डिजीटल प्रारूप में भी उपलब्ध

परम सम्माननीय समाज बन्धुओं आपको सुचित करते हुए परम हर्ष हो रहा है कि आपकी अपनी लोकप्रिय सामाजिक पत्रिका माहेश्वरी सेवक अब डिजिटल प्रारूप में भी आपके समक्ष उपलब्ध है। जिसके लिये मोबाइल ऍप लान्च किया गया है।

माहेश्वरी सेवक

MAHESHWARI SEWAK

DOWNLOAD AT

GET IT ON Google Play

एप्लीकेशन की विशेषताएं

- ☆ पूरे देश में प्रतिदिन होने वाली सामाजिक गतिविधियों की ताजा जानकारी (विडियो सहित)
- ☆ विभिन्न विषयों पर लेख व कविताएं
- ☆ समाज की प्रतिभाओं व विशिष्ट व्यक्तियों की जानकारी
- ☆ विभिन्न स्थानो पर संचालित माहेश्वरी भवनों की जानकारी
- ☆ महिलाओं के लिये विभिन्न व्यंजनो की रेसिपी
- ☆ कुलदेवियों की जानकारी
- ☆ माहेश्वरी वंशोत्पत्ति की जानकारी

एप्लीकेशन पर जानकारी भेजने के लिये 9414604092 पर व्हाट्सअप करें
या maheshwarisewak@gmail.com पर मेल करें

SEPTEMBER 2023

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक सुजीत बिहानी द्वारा
माहेश्वरी सेवक कार्यालय, स्टेशन रोड़ बीकानेर 334001
से प्रकाशित एवं कल्याणी प्रिन्टर्स, मालगोदाम रोड,
बीकानेर 334001 से मुद्रित, सम्पादक सुरेन्द्र बिहानी

From : MAHESHWARI SEWAK
Station Road, Bikaner-334001

सेवा में,